जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोन:- 226422, 226423 फैक्स:- 02973-226424 वर्ष: 19 संख्या: 211 प्रभात जालोर, गुरुवार 7 नवम्बर, 2024 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'बुद्धिजीवियों का राजनीतिक सोच व आकलन जनता के आकलन से मेल नहीं खाता'

अमेरिका के राष्ट्रपति के चुनाव के नतीजों ने बेमेल राजनीति की विडम्बना को उजागर किया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवंबर। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों में डॉनल्ड ट्रम्प की स्पष्ट जीत, अमेरिका की राजनीति में, चरम दक्षिणपंथी नीतियों तथा रूढ़िवाद की पुनरावृत्ति है। उदारवादी मूल्य, कट्टर दक्षिणपंथियों के स्पष्ट झूठों से भी हार गए।

- अमेरिका के मीडिया ने ही नहीं, पाश्चात्य देशों के मीडिया ने जमकर, बिना हिचक ट्रम्प का विरोध किया था, और कमला हैरिस का समर्थन, पर जनता की भावना इससे अलग थी।
- ट्रम्प ने एक साधारण श्वेत अमेरिकी के मन में विदेशियों के भारी आगमन से जनित भय व असुरक्षा की भावना को खूब भड़काया और अन्त में भारी राजनीतिक लाभ उठाया।
- इसी प्रकार, ट्रम्प ने आम मतदाता के मन में यह भर दिया कि, अमेरिकी इकॉनमी की हालत खस्ता है। यह सच नहीं है, अमरीकी इकॉनमी 3 प्रतिशत रेट से बढ़ रही है, जो बहुप्रतिष्ठित मैगज़ीन द इकॉनमिस्ट के अनुसार ऐतिहासिक उपलब्धी है। खस्ता इकॉनमी की 'खबर' ने भी आम मध्यम वर्ग अमेरिकी के मन में बेचैनी पैदा की, जिसे भी ट्रम्प ने बखूबी, होशियारी से राजनीतिक लाभ उठाने के लिए काम में लिया। आम श्वेत अमेरिकी नागरिकों में व्याप्त निराशा की भावना भी ट्रम्प के लिए मददगार साबित हुई।

डॉनल्ड ट्रम्प ने, बढ़ते इमिग्रेशन को लेकर औसत अमेरिकी नागरिक के भय का लाभ उठाया। जिसके कारण लोगों में आर्थिक असुरक्षा की भावना पैदा हो गई है, चाहे वो कितनी भी गलत क्यों न हो।

विकसित देशों में अमेरिका की अर्थव्यवस्था सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रही थी तथा ऊंची ब्याज दरों के बावजूद, जानी-मानी पत्रिका "द इकॉनमिस्ट" ने उसकी ग्रोथ को "ग्रैविटी डिफाइंग एक्सपीरिएंस" कहा था। एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में वर्षों तक अमेरिका की 3 प्रतिशत ग्रोथ रही है, जो कि अभूतपूर्व है।

तथापि, देश के आर्थिक दु:खों को दोहराने, तेल तथा कुछ खाद्य पदार्थों के मूल्यों में वृद्धि जैसी कमियों को बार-

डॉनल्ड ट्रम्प की जीत ने अमेरिका के बुद्धिजीवियों व पत्रकारों को निरूत्तर कर दिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बिना पूर्व सूचना घर नहीं तोड़ सकती सरकार'

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने, योगी सरकार द्वारा उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना घरों को तोड़ने के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश को आज आड़े हाथों लिया और कहा कि रातोरात घरों को धराशायी नहीं किया जा सकता। परिवारों को घर खाली करने के लिए समय दिया जाना चाहिए।

भारत के मुख्य न्यायाधीश, डी.वाय. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच, सन् 2020 के स्वत: पंज्ञान के एक केस में सुनवाई कर रही थी। इस केस का आधार मनोज टिबरेवाल आकाश नामक एक व्यक्ति का एक पत्र था। इस व्यक्ति का मकान 2019 में ध्वस्त कर दिया गया था। याचिकाकर्ता का कहना था कि उनका मकान, एक राजमार्ग पर कथित अतिक्रमण को लेकर, बिना कोई पूर्व सूचना दिये, ढ़हा दिया गया था।

- सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2020 के एक मामले में यू.पी. सरकार को फटकारा और कहा कि ऐसा करना गैर कानूनी है।

इस केस की सुनवाई का नम्बर, संयोगवश, ऐसे समय पर आया, जब सर्वोच्च न्यायालय की एक अन्य बैंच "बुलडोज़र जस्टिस" को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई कर रही है। ज्ञातव्य है कि "बुलडोज़र जस्टिस" शब्दावली का प्रयोग उन सम्पत्तियों को ध्वस्त कर देने के लिये किया जा रहा है, जो क्रिमिनल केसों के आरोपियों की हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल के "अतिवाद" से चिंतित, कांग्रेस का एक वरिष्ठ नेताओं का खेमा

यह नेता गण मानते हैं, कि बार-बार अडानी के खिलाफ हर मंच से बोलने से यह छवि बन रही है कि राहुल "कॉरपोरेट जगत" व बिज़नेस के खिलाफ हैं

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। राहुल गांधी किन्हीं भी मानकों के हिसाब से एक अतिवादी व्यक्ति हैं। उनके कुछ प्रिय एवं पसंदीदा विषय है, जो काफी अच्छे है, पर इसके बावजूद, इन विषयों ने कांग्रेस पार्टी को नुकसान पहुँचाया है।

राहुल को जब-जब मौका मिलता है, वे बड़े व्यवसाय और कॉर्पोरेट भारत पर अडाणी के नियंत्रण तथा नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी नजदीकी के खिलाफ बोलते रहे हैं।

वे इन तीनों ही बिन्दुओं के इस हद तक आलोचक हैं कि उनकी छवि व्यवसाय-विरोधी तथा कॉर्पोरेट-विरोधी राजनेता की बन गई है और इससे पार्टी को भारी नुकसान हो रहा है।

अपनी इस छवि को सुधारने के उद्देश्य से, राहुल ने राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दैनिकों में एक लेख लिखा है, जिसमें उन्होंने इस आम धारणा को ठीक करने की कोशिश की है कि वे कॉर्पोरेट या बड़े व्यवसाय के विरोधी हैं।

लेकिन फिर भी उन्होंने अपने प्रिय विषय पर जोर देते हुये, लेख में यह तो कह ही दिया है कि किसी एक व्यक्ति (जिसे गौतम अडाणी माना जाये) को संरक्षण प्रदान करना सरकार का काम नहीं हैं।

- राहुल ने भी यह छवि सुधारने के लिए हाल ही में कुछ राष्ट्रीय व प्रादेशिक अखबारों में इंटरव्यू दिये हैं व खुद के लिखे हुए लेख छपवाये हैं, जिनमें उन्होंने कहा वे "कॉरपोरेट जगत" के खिलाफ नहीं हैं। वे केवल इस बात का विरोध कर रहे हैं, जिसके अन्तर्गत मोदी सरकार का ध्येय केवल एक ही औद्योगिक घराने, अडानी ग्रुप, को ही हर कीमत पर पनपाना है।
- इसी प्रकार, यह भी महसूस किया जा रहा है कि, ओ.बी.सी. जाति/जनजाति की ही बात करने से अन्य मध्य वर्ग, कांग्रेस के खिलाफ होता जा रहा है। और जैसा हरियाणा में हुआ, एस.सी. वर्ग भी कांग्रेस के विमुख हो गया। हालांकि राहुल गांधी सदा "कास्ट सैंसस" का नाम लेकर, एस.सी. वर्ग के हिमायती के रुप में उभरे हैं।

दूसरा मुद्दा, जो ऊँची जातियों के अनेकानेक कांग्रेसजनों तथा पार्टी से बाहर के लोगों को परेशान कर रहा है, यह है कि राहुल गांधी के बयान केवल ओ.बी.सी., दलितों, महिलाओं, आदिवासियों तथा ऐसे ही अन्य तबकों के बारे में आते हैं। उन्होंने जातिगत जनगणना की माँग की है तथा वे राष्ट्रीय स्तर पर जातिगत जनगणना चाहते हैं।

भाजपा सरकार इससे सहमत नहीं है लेकिन तेलंगाना की कांग्रेस सरकार तथा मुख्यमंत्री रेवन्त रेड्डी राज्य में जातिगत जनगणना करायेंगे। राहुल तेलंगाना के कांग्रेस नेताओं के साथ मीटिंग करने तथा इस बिन्दु पर चर्चा करने के लिये हैदराबाद गये थे कि राज्य में जातिगत जनगणना किस तरह के कराई जायेगी।

कुछ वरिष्ठ पार्टी नेताओं ने निजी रूप से इस बात पर गहरी चिन्ता जताई है कि राहुल की यह सोच और तौर-तरीका किस तरह से ऊँची जातियों तथा मध्यम वर्ग के कांग्रेसजनों को नाराज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

घड़ी चुनाव चिन्ह पर अजीत पवार को सुप्रीम कोर्ट ने सख्त निर्देश दिया

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अजीत पवार के नेतृत्व वाली एन. सी. पी. (नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी) को आदेश दिया कि 36 घंटे के अंदर अखबारों, जिनमें मराठी दैनिक भी शामिल हैं, में डिस्क्लेमर छपवाएं और कहे कि "घड़ी" चुनाव चिन्ह न्यायालय के विचाराधीन है।

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस उज्जल भूयन की बैंच ने यह निर्देश दिया। अजित पवार गुट के वकील बलबीर सिंह ने कोर्ट को 36 घंटे में डिस्क्लेमर प्रकाशित होने का आश्वासन दिया।

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 36 घंटे के अंदर मराठी अखबारों सहित सभी प्रमुख अखबारों में डिस्कलेमर छापें कि घड़ी सिम्बल का इस्तेमाल अदालत में विचाराधीन है।
- सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से शरद पवार गुट को भारी राहत मिली है।
- पता चला है कि अजीत गुट अपने पोस्टर्स व प्रचार वीडियो में घड़ी सिम्बल और शरद पवार के चित्रों का उपयोग कर रहा है, इस पर शरद पवार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज की थी।

बैंच ने पूछा था कि अखबारों में डिस्क्लेमर छपवाने के लिए आपको कितना समय चाहिए। हम आपको दिन नहीं दे रहे हैं, हम पूछ रहे हैं कि आप कितने घंटों में यह कर सकते हैं।

शुरुआत में वरिष्ठ वकील बलबीर सिंह ने कहा था कि एन. सी. पी. सुप्रीम कोर्ट द्वारा घड़ी चुनाव चिन्ह इस्तेमाल पर लगाई गई सभी शर्तों का पालन कर रही है। और पार्टी ने अखबारों से सम्पर्क किया है तथा दो-तीन दिन में डिस्क्लेमर छापने के लिए कहा है।

बैंच ने कहा कि, "24 घंटे में, या ज्यादा से ज्यादा 36 घंटे में डिस्क्लेमर छपवाए।"

शरद पवार गुट का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने कहा कि अजीत पवार गुट डिस्क्लेमर के बिना सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए वीडियो डिलीट कर सबूत नष्ट कर रहा है।

एक नवम्बर को बारामती से लिए गए फोटोग्राफ से स्पष्ट है कि अजीत पवार के पोस्टर्स में कोई डिस्क्लेमर नहीं था। अजीत पवार गुट ने हमें कोर्ट में आने को मजबूर किया है। अजीत पवार गुट द्वारा शर्तों के उल्लंघन पर शरद पवार गुट ने कोर्ट में याचिका लगाई।

19 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने अजीत पवार गुट को कुछ शर्तों के साथ घड़ी का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल ने ट्रम्प को बधाई दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। "एक्स" पर पोस्ट किये गये एक मैसेज में, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिकन राष्ट्रपति के चुनाव में डॉनल्ड ट्रम्प की जीत के लिये उनको बधाई दी है।

मैसेज में लिखा है "डॉनल्ड ट्रम्प। आपकी जीत पर आपको बधाई। अमेरिकन राष्ट्रपति के रूप में आपके दूसरे कार्यकाल में आपकी सफलता के लिये शुभकामनाएं।"

- एक्स पर अपनी पोस्ट में राहुल गांधी ने कमला हैरिस को भी भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

"कमला हैरिस को, उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।"

'झारखंड में "शैडो एडवर्टाइज़िंग" राजनैतिक दलों के पेज से भी ज्यादा हानिकारक साबित हो रही है'

शैडो एडवर्टाइज़िंग राजनैतिक दलों से सम्बद्ध संस्थाएं कर रही हैं, जिन पर पाबंदियां लगाना मुश्किल है

- श्री नन्द झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। चुनावाधीन राज्य झारखंड में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों, जैसे इंस्टाग्राम और फेसबुक का उपयोग राजनैतिक उद्देश्यों के लिये किया जा रहा है। गुमनाम अकाउन्ट्स (शैडो अकान्ट्स) के माध्यम से किया जा रहा यह राजनैतिक खेल भाजपा द्वारा प्रेरित-प्रोत्साहित बताया जा रहा है। "टैक जस्टिस लॉ प्रोजेक्ट", इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल "इंडियन सिविल वॉच इन्टरनैशनल", "हिन्दूज़ फॉर ह्यूमन राइट्स" तथा "दलित सॉलिडरिटी फोरम" द्वारा तैयार की गई एक संयुक्त रिपोर्ट कहती है कि इंस्टाग्राम एवं फेसबुक के ये शैडो अकाउन्ट्स साम्प्रदायिक रूप से बाँटने वाले मैसेज प्रचारित-प्रसारित कर रहे हैं। "झारखंड शैडो पॉलिटिक्स" शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में चार मुख्य बाते चिन्हित की गई हैं, जिन्हें प्रचारित-प्रसारित करने की कोशिश ये शैडो अकाउन्ट्स कर रहे हैं। पहला बिन्दु मुस्लिम पुरूषों की नकारात्मक रूढ़िवादिता से सम्बन्धित है। इन अकाउन्ट्स की बहुत सारी पोस्ट झारखंड में यौन-हिंसा को रेखांकित कर रही हैं तथा इन सबका दोष मुस्लिम पुरूषों तथा हेमन्त सोरेन सरकार की निष्क्रियता पर मढ़ा जा रहा है। दूसरा बिन्दु "आदिवासी मुख्यमंत्री को अमानवीयकृत छवियों" से सम्बन्धित है। इन पोस्टों में सोरेन की तस्वीरो में उनके सींग दिखाये जा रहे हैं या उन्हें कीड़े-मकोड़े के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है तथा इन छवियों के साथ प्रस्तुत मुद्रित सामग्री में, उनके काम-काज तथा नीतियों की आलोचना की गई है। रिपोर्ट

- टैक जस्टिस लॉ प्रोजैक्ट, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउन्सिल, इंडियन सिविल वॉच इंटरनैशनल, हिंदूज़ फॉर ह्यूमन राइट्स और दलित सॉलिडैरिटी फोरम ने संयुक्त रूप से तैयार अपनी रिपोर्ट "झारखंड शैडो पॉलिटिक्स" में यह बात कही है।
- रिपोर्ट के अनुसार शैडो एडवर्टाइज़िंग के जरिए यौन हिंसा के लिए मुसलमानों को "स्टीरियोटाइप" किया जा रहा है, राजनैतिक दल यह कहते तो गैर कानूनी हो जाता।
- शैडो एडवर्टाइज़िंग के जरिए साम्प्रदायिक वैमनस्य को बढ़ाया जा रहा है, ग्राफिक्स के जरिए "बंटेंगे तो कटेंगे" नारे का प्रचार किया जा रहा है।
- झारखंड में बाहर से आए घुसपैठियों को प्रदेश में असुरक्षा बढ़ाने का जिम्मेवार भी बताया जा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने ट्रम्प को जीत की बधाई दी

नयी दिल्ली, 06 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में जीत दर्ज करने पर डॉनाल्ड ट्रंप को बधाई दी है और उनसे भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझीदारी को मज़बूत करके वैश्विक शांति के लिए काम करने की इच्छा व्यक्त की है।

मोदी ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, "मेरे मित्र डॉनाल्ड ट्रंप, आपकी ऐतिहासिक चुनाव जीत पर हार्दिक बधाई। जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझीदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को नवीनीकृत करने के लिए उत्सुक हूं।"

- प्रधानमंत्री ने ट्रम्प से लोगों की भलाई, विश्व शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए काम करने का आव्हान किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प की वापसी भारतीय व्यापारियों के लिए खतरे की घण्टी है?

ट्रम्प के प्रशासन में भारत में निर्मित सामान, जैसे कार, टेक्सटाइल्स व फार्मास्युटिकल्स को अमेरिका द्वारा बढ़ाई गई कस्टम ड्यूटी आदि का सामना करना पड़ेगा

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। अमेरिका ने डॉनल्ड ट्रम्प को चुनकर पुन: वाइट हाउस भेजा है। वे अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति होंगे।

ट्रम्प की जीत के भारत के लिए क्या मायने हैं। ट्रेड विशेषज्ञों एवं विश्लेषकों के अनुसार ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने से भारतीय निर्यातकों को अपने सामान जैसे ऑटोमोबाइल, टैक्सटाइल और दवाओं पर भारी टैक्स का सामना करना पड़ सकता है, अगर नए प्रशासन ने "अमेरिका फर्स्ट" का एजेंडा फॉलो किया तो।

विशेषज्ञ कहते हैं कि ट्रम्प एच-वनबी वीज़ा नियमों को और सख्त बना सकते हैं, जिससे इंडियन आई. टी. कंपनियों की ग्रोथ व लागत प्रभावित होगी। चूंकि भारत की 80 प्रतिशत आई निर्यात आय अमेरिका से होती है। वीज़ा नीति में कोई बदलाव हुआ तो आई. टी. सैक्टर पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। दोनों देशों के बीच सालाना 190 अरब डॉलर का व्यापार होता है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जी. टी. आर. आई.) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव कहते हैं कि ट्रम्प चीन के अलावा भारत व कई अन्य देशों पर भारी टैक्स लगा सकते हैं। ट्रम्प ने पूर्व में ज्यादा टैक्स के लिए भारत की कड़ी आलोचना की तथा 2020 में भारत को "टैक्स अब्यूज़र" और "टैरिफ किंग" की उपाधि दी थी। इन टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि ट्रम्प का दूसरा कार्यकाल भारतीय व्यापार की दृष्टि से अच्छा नहीं होगा।

श्रीवास्तव ने कहा कि ट्रम्प "अमेरिका फर्स्ट" एजेंडा के तहत भारतीय सामानों पर भारी टैक्स लगा सकते हैं, जिससे भारतीय सामान अमेरिका में ज्यादा महंगा बिकेगा और बाजार प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाएगा।

- जैसा कि गत तीन चार साल से ट्रम्प "अमेरिका फर्स्ट" का नारा देते रहे हैं तथा भारत को टैरिफ का दुरुपयोग करने वाला, टैरिफ किंग बताते रहे हैं। अत: बढ़ी हुई कस्टम ड्यूटी के कारण, भारतीय सामान को "कॉम्पीटिशन" का सामना करना पड़ेगा।
- इसी प्रकार ट्रम्प भारत से एच-1 बी वीज़ा पर आई.टी. इण्डस्ट्री में काम करने आने वाले भारतीय "टैकियों" के लिए अमरीका आना, रहना और महंगा और कठिन हो जायेगा और भारतीय आई.टी. इण्डस्ट्री का अमेरिका में काम करना और महंगा हो जायेगा।
- भारत के व्यापारियों के लिए केवल एक ही आशा की किरण है, ट्रम्प का "अमेरिका फर्स्ट" नारा केवल मतदाता को लुभाने के लिये, एक चुनावी जुमला ही हो और वे इसे एक राजनीतिक एजेण्डा का रूप नहीं देगें।

दूसरी ओर चीन पर ज्यादा आक्रामक रुख अपनाने से भारतीय निर्यातकों के लिए नए अवसर खुलेंगे भारत और अमेरिका का व्यापार 2023-24 में 120 अरब डॉलर है जो कि उससे पिछले वर्ष के 129.4 अरब डॉलर से कम है।

जी. टी. आर. आई. रिपोर्ट के अनुसार दुग्ध उत्पादों, फल-सब्जियों, अनाज, तिलहन आदि पर अमेरिकन टैक्स विश्व में सर्वाधिक है जिससे इनकी कीमतें 193 प्रतिशत तक बढ जाती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड एक्सपर्ट विश्वजीत धर ने चेतावनी दी है कि ट्रम्प के राज में अमेरिका संरक्षणवादी नीति पर चलेगा खासकर इलैक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में। धर ने चिंता जताई कि ट्रांसपैसिफिक पार्टनरशिप से ट्रम्प का अलग होना "इण्डो पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉसपैरिटी" के लिए संकट का संकेत हो सकता है। यह संगठन 2022 में बना था तथा 14 देश इसके सदस्य हैं।

फैडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन के डायरैक्टर जनरल अजय सहाय का कहना है कि ट्रम्प ज्यादा संतुलित व्यापारिक रिश्ते पर जोर देंगे, जिससे टैक्स पर विवाद हो सकता है। सहाय ने कहा कि संरक्षणवाद के प्रति रुझान में वृद्धि जारी रहेगी तथा इमिग्रेशन की नीतियां और कठोर बनेंगी।

ई. वाय. इंडिया के पार्टनर अग्नेश्वर सेन ने भविष्यवाणी की है कि अमेरिका उत्पादन को बढ़ावा देने और अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा देने के लिए टैक्स बढ़ाने का विकल्प चुन सकते हैं। इससे टैक्सटाइल, कैमिकल्स, दवाओं से भारतीय सामान टैक्स बढ़ाया जा सकता है। सेन ने सुझाव दिया कि भारत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उदयपुर की कॉलोनी में तेंदुए से भय फैला

उदयपुर, 6 नवम्बर। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 10 लोगों का शिकार करके आतंक मचाने वाले तेंदुए ने इस बार शहर की एक कॉलोनी में अपनी उपस्थिति दर्शाकर शहर के बस्ती क्षेत्र में भय पैदा कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, शहर के मल्लातलाई स्थित रामपुरा के पीपली चौक में बुधवार तड़के दो बजे एक तेंदुए ने श्वान पर हमला कर दिया। श्वान चौक में खड़ी गाड़ी के नीचे बैठा हुआ था। तभी अचानक तेंदुआ वहां पहुंचा और

- बुधवार रात 2 बजे तेंदुआ चौक में खड़ी एक गाड़ी के नीचे बैठे श्वान को घसीट कर ले जाने लगा। आस-पास के अन्य श्वान इकट्ठे होकर भौंकने लगे। शोर मच जाने पर तेंदुआ भाग गया। सारी घटना सी.सी. टी.वी. में कैद हो गई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रूढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पंहुचा देता है। –महात्मा गांधी

महिलाओं के स्वाभिमान पर जुबानी हमले

देश की मीडिया विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक पर सरेआम महिला नेताओं के शरीर और चरित्र पर जुबानी हमलों की झड़ी लगी रहती है। अनेक उदाहरण दिए जा सकते हैं। यहाँ किसी का नाम लिखने की जरुरत नहीं है। ऐसे कार्यों में पक्ष और विपक्ष दोनों के नेता समान रूप से जिम्मेदार है। हमारी कथनी और करनी में कितना अंतर है, यह साफ़ दृष्टिगोचर होता है। बात-बात पर महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार आरोपित करने वाली महिला नेता ऐसी घटनाओं पर चुप्पी साध लेती है। वे इस दौरान पार्टी लाइन पर चलती है और उन्हें इस बात से कोई मतलब नहीं है कि उनकी पार्टी के नेताओं की महिलाओं के बारे में क्या सोच है। आश्चर्य तब होता है जब महिला नेता ही दूसरे पक्ष की महिला नेता पर अशोभनीय टिप्पणियां करती है। कहने का तात्पर्य है महिला ही महिला की दुश्मन बन जाती है।

हमारे देश में नारी पूजने का हम गर्व के साथ स्मरण करते हैं।भारतीय संस्कृति, सदैव 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता' सिद्धान्त का अनुगामी है। भारत में सर्वदा नारी को अत्यन्त उच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया गया तथा उसे लक्ष्मी, देवी, साम्राज्ञी, महिषी आदि सम्मानसूचक नामों से अलंकृत किया जाता था। मगर यह भी सच है मौका मिलते ही हम नारी की अस्मिता से खिलवाड़ करने से नहीं चूकते है। चुनाव आते ही हमारे देश में तरह-तरह के बोल सुनने और देखने को मिलते है। हम बात कर रहे है महाराष्ट्र और झारखण्ड चुनावों की।

चुनावों के दौरान नारी की अस्मिता को लेकर एक बार फिर घमासान मचा हुआ है और एक-दूसरे पर आरोपों की झड़ी लगायी जा रही है। महाराष्ट्र के एक बड़े नेताजी ने चुनाव लड़ रही एक महिला नेता को इम्पोर्टेड माल से विभूषित किया तो झारखण्ड में एक मंत्रीजी ने एक महिला नेता को रिजेक्टेड घोषित कर दिया। यह तो एक बानगी है। ऐसी घटनाएं हमारे देश में आये दिन देखने और सुनने को मिल रही है। मौका मिलते ही हम महिलाओं को दुत्कारते देर नहीं करते।

एक तरफ सियासी पार्टियां अपने चुनावी घोषणा पत्रों और गारंटियों में महिला वोटरों को लुभाने के लिए तरह-तरह के प्रलोभन देते है वहीं चुनाव लड़ रही महिलाओं के चीर हरण में जरा भी विलम्ब नहीं करती। देश का दुर्भाग्य है महिलाओं पर अशोभनीय टिप्पणी करने वाले नेता जनमत को देखते ही माफ़ी मांगने से गुरेज नहीं करते। मगर आज महिलाओं के समक्ष जो वास्तविक चुनौतियां है उस पर गंभीरता से मंथन करने की जरुरत है। देशभर में इन दिनों महिलाओं पर अत्याचार, छेड़खानी और दुष्कर्म की वारदातों से समाचार पत्रों के पन्ने रंगे होते है। दुनियां चाहे कितनी ही तरक्की कर ले मगर महिलाओं के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार आज भी जारी है। हम अपने व्यवहार और आदतों को बदलने को तैयार नहीं है। हम सुधरने को तैयार नहीं है। अपनी गलती का दोषारोपण महिला पर लगाने को जैसे तत्पर रहते है। यह कहते हमें शर्म नहीं आती कि महिला रात को क्यों घूमती है। हकीकत यह है कि महिलाएं आज भी अपनी अस्मिता की रक्षा, न्याय और अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही है। फिर बात करते है महिला समानता की। जब तक हम अपनी कथनी और करनी में सुधार नहीं करेंगे तब तक समानता और विकास की बात अधूरी होगी।

महिला समानता और सुरक्षा आज सबसे अहम मुद्दा है, जिसे किसी भी हालत में नकारा नहीं जा सकता। सच तो यह है कि एक छोटे से गांव से देश की राजधानी तक महिला सुरक्षित नहीं है। अंधेरा होते-होते महिला प्रगति और विकास की बातें छू-मंतर हो जाती हैं। रात में विचरण करना बेहद डरावना लगता है। कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित घर पहुँचने की चिंता सताने लगती है।

सदियों से हमारा समाज पुरूष प्रधान समाज रहा है। हमने नारी को दोयम दर्जे का माना है। आज समाज के दोहरे मापदण्ड नारी को एक तरफ पूजनीय बताते हैं तो दूसरी तरफ उनका शोषण करते हैं। यह नारी जाति का अपमान है। महिला समाज से वही सम्मान पाने की अधिकारी है जो समाज पुरूषों को उनकी गलतियों के बाद भी एक अच्छा आदमी बनने का अधिकार प्राप्त करता है। सीता से लेकर द्रौपदी तक के उदाहरण हमारे सामने हैं।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14,15 और 16 में देश के प्रत्येक नागरिक को समानता का अधिकार दिया गया है। समानता का मतलब 'समानता', इसमें किसी प्रकार का लिंग भेद नहीं है। समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार महिला-पुरुष दोनों को समान रूप से दिया गया है। शारीरिक और मानसिक तौर पर नर-नारी में किसी प्रकार का भेदभाव असंवैधानिक माना गया है। हालांकि आवश्यकता महसूस होने पर महिलाओं और पुरुषों का वर्गीकरण किया जा सकता है। अनुच्छेद-15 में यह प्रावधान किया गया है कि स्वतंत्रता-समानता और न्याय के साथ-साथ के महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षण का काम भी सरकार का कर्तव्य है। मगर इसे केवल सरकार के भरोसे नहीं छोड़ा जाता। समाज को भी अपनी भूमिका निभानी होंगी और अपने स्वार्थों के वशीभूत होकर नारी का अपमान करने वाले लोगों को सबक सिखाना होगा।

महिला आबादी की वास्तविकता और धरातलीय चुनौतियों को समझने की जरूरत है। मुट्ठी भर महिलाओं के आगे बढ़ने से सम्पूर्ण महिला समाज का उत्थान नहीं होगा। महिला समानता और सुरक्षा आज सबसे अहम मुद्दा है, जिसे किसी भी हालत में नकारा नहीं जा सकता। सच तो यह है कि एक छोटे से गांव से देश की राजधानी तक महिला सुरक्षित नहीं है। अंधेरा होते-होते महिला प्रगति और विकास की बातें छू-मंतर हो जाती हैं। रात में विचरण करना बेहद डरावना लगता है। कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित घर पहुँचने की चिंता सताने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि हम नारी समानता और सुरक्षा की बात पर गहराई से मंथन करें।

आज आवश्यकता है स्त्रियों को उनके अधिकार दिलाने की। उन्हें शिक्षित, स्वावलम्बी, मजबूत और अधिकार चेतना बनाने की। सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण हेतु कई कानून बनाए गए परंतु वे सभी कागजों में ही सिमटकर रह गए। जबकि इन कानूनों को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है और दूरदर्शन, निजी चैनल व रेडियो के माध्यम से यह भलीभांति संभव है। इन्हीं माध्यमों से महिलाएं विवाह, दहेज, बलात्कार, संपत्ति अधिकार, समान वेतन, प्रसूति-सुविधा आदि के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं दिशानिर्देश प्राप्त कर सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से सम्मानजनक स्थान पाने की कोशिश कर रही हैं।

बहरहाल जिस तेजी से भौतिकता एवं प्रौद्योगिकी के पक्ष में स्त्री चेतना का विस्तार दृष्टिगोचर हो रहा है यदि उसी गति से स्त्री अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सचेत हो सके तो समाज के अनेक ऐसे वलंत प्रश्नों का हल आसानी से मिल सकता है जिनका समाधान कानून द्वारा अद्यपर्यंत संभव नहीं हो पाया है। संचार माध्यमों की ईमानदार प्रतिबध्दता निश्चय ही महिला सशक्तिकरण के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ सकती है। सरकार को भी इस दिशा में सोचने की जरूरत है।

–अतिथि संपादक,
बालमुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

क्या स्वदेशी सोच हमारी जीवन शैली बदल पाएगी

अविनाश जोशी

स्वदेशी सोच आधुनिक भारतीय समाज के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसका मतलब है अपनी देशीय उत्पादों को प्राथमिकता देना, उन्हें समर्थन देना और स्वदेशी उत्पादों की उपयोगिता बढ़ाना। स्वदेशी सोच विशेष रूप से अर्थव्यवस्था, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है। यह देश की आत्मनिर्भरता और समृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण अभियान है।

भारतीय वस्तुओ के प्रति अनुराग एवम विदेशी वस्तुओ का बहिष्कार यही तो हमारा मुख्य धर्म होना चाहिए। आज की पीढ़ी को यह सब बताना होगा हमे स्वदेशी उद्योगों, शिक्षा, साहित्य, कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। फैशन ही सही लेकिन स्वदेशी मोह हमारा मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। खादी एवम सूती कपड़े का प्रचलन स्वदेशी उत्पाद के प्रति जागरूकता का ज्वलंत उदाहरण है। स्थानीय बाजार में स्वदेशी ब्रांड्स के उत्पादों और सेवाओं को समर्थन देना और बढ़ावा देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन सभी पहलों के साथ, स्वदेशी ब्रांड्स को उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक विश्वसनीय, उपयुक्त और रचनात्मक समाधान प्रदान करने के लिए प्रयास करना होगा। स्वदेशी सोच देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करती है क्योंकि यह उत्पादन, रोजगार, और आय को स्थानीय स्तर पर बढ़ाती है। स्वदेशी उत्पादन और सेवाओं का समर्थन करने से देश में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र का विकास होता है, जिससे सार्वजनिक उत्पादन और सेवाओं की गुणवत्ता भी बढ़ती है। इसके अलावा, स्वदेशी सोच भ्रष्टाचार को कम करने में भी मदद कर सकती है, क्योंकि स्थानीय उत्पादन और सेवाओं को समर्थन करने से विभाजन और अन्य संगठनात्मक असंतोष कम होता है।

स्वदेशी हमारे 'राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम का मूल-मंत्र था' कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं। उन्नीसवीं सदी में दादा भाई नौरोजी की 'ड्रेन थ्योरी' हो या रमेशचंद्र दत्त की लिखी 'भारत का आर्थिक इतिहास' या सखाराम गणेश देउस्कर लिखित 'देशेर कथा' जैसी पुस्तकें हो, सभी के केंद्र में औपनिवेशिक शासन-तंत्र द्वारा देसी संसाधनों का दोहन व देशी धन-संपदा के विलायत में पलायन को रोकना मुख्य सरोकार थे। आधुनिक हिंदी साहित्य के जनक माने जाने वाले भारतेंदु हरिश्चंद्र ने अपने लेखन से स्वदेशी की अलख जगाई। 1905 का बंग-भंग विरोधी आंदोलन भी स्वदेशी की भावना से ओतप्रोत था जब बंगाल में विदेशी वस्तुओं की होली जलाई गई और उनके बहिष्कार पर बल दिया गया। इस स्वदेशी भाव को राष्ट्रीय स्तर पर बहुआयामी स्वरूप प्रदान किया महात्मा गांधी ने 1920 में असहयोग आंदोलन आरंभ करके। उन्होंने इसे न केवल विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार तथा उनके अग्निदाह तक सीमित रखा, बल्कि उद्योग-शिल्प, भाषा, शिक्षा, वेश-भूषा आदि सब पर स्वदेशी का रंग चस्पा कर दिया।

स्वदेशी ब्रांड्स के सामने अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के प्रति लोगों का विश्वास और विचारशीलता बढ़ाने हेतु स्वदेशी ब्रांड्स को अपने उत्पादों और सेवाओं की उच्च गुणवत्ता और प्रदर्शन को संदर्भित करना होगा। लोगों को स्वदेशी ब्रांड्स के उत्पादों के सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को समझाना चाहिए। स्वदेशी ब्रांड्स को अपने ब्रांड इमेज और विश्वसनीयता को मजबूत करने के लिए प्रयास करना होगा। उन्हें नई तकनीकों का उपयोग करके उत्पादों और सेवाओं को बेहतर बनाने का प्रयास करना होगा।

स्वदेशी वस्तुओं के मोह को बढ़ाने हेतु लोगों को स्वदेशी उत्पादों के बारे में जागरूक करें, उनके गुणवत्ता, स्थानीय उत्पादन और पर्यावरणीय लाभों के बारे में बताएं। स्वदेशी उत्पादों का समर्थन करने के लिए लोगों को प्रेरित करें, विशेष रूप से स्थानीय व्यवसायों को समर्थन दें। स्वदेशी उत्पादों की अधिक उपलब्धता सुनिश्चित करें, यह ऑनलाइन या अधिक स्थानीय दुकानों में उपलब्ध हो सकता है। स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने से देश की समृद्धि और आत्मनिर्भरता में योगदान के महत्व को समझाएं। स्वदेशी ब्रांड्स को बढ़ावा देने के लिए उनका ब्रांड इमेज और विश्वसनीयता को मजबूत करें। स्वदेशी उत्पादों के लिए स्थानीय बाजारों और दुकानों में यात्रा करें, और अपने समर्थन का एक विशेष रूप उन्हें दिखाएं। इन तरीकों का अनुसरण करके, स्वदेशी उत्पादों के मोह को बढ़ा सकते हैं और देश के स्थानीय अर्थव्यवस्था को समर्थन दे सकते हैं।

ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय स्तर पर स्वदेशी उत्पादों के विकास और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये उत्पादकों को सीधे बाजार तक पहुँचने का माध्यम प्रदान करते हैं और स्थानीय विकास को समर्थन देते हैं। ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय कला, शिल्प, और संस्कृति को प्रमोट करते हैं, जिससे उनकी अर्थात्मकता बढ़ती है। ये हाट और हस्तशिल्प क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं, विशेष रूप से महिलाओं और गरीब वर्ग के लोगों के लिए।

ये ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय उत्पादकों के उत्पादों को बाजार में प्रसारित करने का माध्यम होते हैं। ये हाट और हस्तशिल्प स्थानीय शिल्पकला, बुनाई, और अन्य परंपरागत कलाओं को बचाव और संरक्षण का माध्यम भी बनाते हैं। ये स्थानीय समुदाय के आर्थिक विकास में सहायक होते हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान होता है। इस प्रकार, ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और स्वदेशी उत्पादों के प्रसार और समर्थन में मदद करते हैं।

स्वदेश सोच को केवल एक दिखावा मानना गलत हो सकता है। हालांकि, कुछ लोग इसे सिर्फ आधुनिक एवं कुछ अलग दिख सके इसका माध्यम मानते हैं, लेकिन असल में, स्वदेश सोच एक विचारशीलता और सामाजिक परिवर्तन की दिशा है। यह उत्पादन, वित्तीय स्वावलंबन, और स्थानीय समुदायों के विकास को समर्थन करता है। इसका उदाहरण उत्पादों की स्थानीय खरीदारी, स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहित करना, और विदेशी निवेशों के साथ समर्थन का एकीकरण हो सकता है। इसलिए, स्वदेश सोच वास्तव में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की अवधारणा है, जो समृद्धि और समाज की उन्नति की दिशा में मदद कर सकती है।

स्वदेशी सोच में खादी का महत्वपूर्ण योगदान है। खादी एक परंपरागत भारतीय वस्त्र है जो देश की स्वतंत्रता संठाम के समय महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खादी का उत्पादन देश के ठाामीण क्षेत्रों में रोजगार का स्त्रोत बनाता है और स्थानीय विकास को समर्थन करता है। खादी के उत्पादन में श्रमिकों की संख्या बहुत बड़ी होती है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। यह उत्पादन भी परंपरागत और स्थानीय वस्त्रों का उत्पादन प्रोत्साहित करता है, जो स्थानीय बाजारों को समृद्ध करता है। इसके अलावा, खादी के उत्पादन में विदेशी निवेशों की कमी होती है, जिससे देश की आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलती है। खादी उत्पादन और उपभोक्ता के बीच संबंध भी स्थापित करता है, जो राष्ट्रीय एकता और गर्व को बढ़ाता है। इस तरह, खादी स्वदेशी सोच के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक, और सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान करती है।

स्वदेशी मानसिकता और आधुनिक फैशन का संगम आधुनिक जीवनशैली में एक महत्वपूर्ण दिशा है। आज के समय में, लोग अपने स्थानीय वस्त्र, शैली, और विरासत को महत्व देते हैं, जो स्वदेशी मानसिकता को प्रोत्साहित करता है। आधुनिक फैशन में स्थानीय अनुभूति, परंपरा, और कला को शामिल किया जाता है। यह लोगों को अपनी संस्कृति के प्रति गर्व महसूस कराता है और स्थानीय कलाओं को प्रोत्साहित करता है। स्वदेशी मानसिकता के साथ, लोग अपने स्थानीय उत्पादों को पसंद करने और समर्थन करने के लिए प्रेरित होते हैं, जिसमें स्थानीय वस्त्र, उपहार, और आभूषण शामिल हो सकते हैं। इस तरह, स्वदेशी मानसिकता और आधुनिक फैशन दोनों को ही एक मंत्र बना सकते हैं, जो स्थानीय समुदायों को समृद्धि और समाज में गर्व का अहसास कराते हैं।

–अविनाश जोशी,
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

9वीं से 12वीं कक्षा की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं इस बार राज्य स्तर पर होगी

शिक्षा निदेशालय ने समान परीक्षा के तहत राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या मांगी

बीकानेर, (निसं)। राज्य के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले लगभग 40 लाख विद्यार्थियों की 9वीं से 12वीं कक्षा की अर्द्धवार्षिक परीक्षायें इस साल राज्य स्तर पर एक ही टाइम टेबल और एक ही पेपर से करने की तैयारी शुरू हो गई है। शिक्षा निदेशालय ने समान परीक्षा के तहत राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या मांगी है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने इस संबंध में सभी डीईओ माध्यमिक को निर्देश जारी किए हैं। सभी स्कूलों को आगामी तीन दिन में शाला दर्पण व पीएसपी पोर्टल पर यह सूचना अपलोड करनी होगी।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा राज्य स्तर पर करने के संबंध में शिक्षा निदेशालय स्तर पर एक कमेटी का गठन भी कर दिया गया है। परीक्षा के संबंध में शिक्षा निदेशालय, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उदयपुर सहित पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर के अधिकारियों की एक ऑनलाइन मीटिंग भी हुई। जिसमें समान परीक्षा के आयोजन को लेकर विचार मंथन हुआ। जानकारी के अनुसार पिछले साल तक 9वीं से 12वीं कक्षा की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं जिला स्तर पर जिला समान परीक्षा योजना के तहत आयोजित की जाती रही है। इस बार परीक्षा राज्य स्तर पर एक समान टाइम टेबल और एक समान पेपर के आधार पर होगी। शिविरा कलेंडर के मुताबिक शिक्षा सत्र 2024-25 में 9वीं से 12वीं कक्षा की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं 12 दिसंबर से 24 दिसंबर तक आयोजित कराई जाएगी। समान परीक्षा योजना के तहत बोर्ड कक्षाएं 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के प्रश्न पत्र 100ड़ सिलेबस के आधार पर तैयार किए जाएंगे। जबकि 9वीं और 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों को 70 प्रतिशत सिलेबस में से प्रश्न पूछे जाएंगे। शिक्षा निदेशालय स्तर पर इसी सप्ताह समान परीक्षा के लिए नोडल एजेंसी और परीक्षा की फीस का निर्धारण कर दिया जाएगा। जयपुर में इस संबंध में 7 नवंबर को एक बैठक और आयोजित की जाएगी।

आशीष मोदी, निदेशक, माध्यमिक शिक्षा का कहना है कि 9वीं से 12वीं कक्षा की अर्द्धवार्षिक परीक्षा राज्य स्तर पर करने की तैयारी चल रही है। जल्द ही नोडल एजेंसी और परीक्षा फीस का निर्धारण किया जाएगा।

- **माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने इस संबंध में सभी डीईओ माध्यमिक को निर्देश जारी किए हैं**
- **अर्द्धवार्षिक परीक्षा राज्य स्तर पर करने के संबंध में शिक्षा निदेशालय स्तर पर एक कमेटी का गठन किया**

मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा छात्रावृत्ति : 29 नवम्बर तक कमियों की पूर्ति करनी होगी

अजमेर, (कासं)। शैक्षणिक सत्र 2016-17 से 2022-23 में उत्तर मैट्रिक छात्रावृति योजनाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (केवल शैक्षणिक सत्रा 2022-23), आर्थिक पिछड़ा वर्ग एवं मुख्यमंत्राी सर्वजन उच्च शिक्षा छात्रावृति में ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों में से कुछ आवेदन पत्रों में आंशिक कमियाँ, आक्षेप, रैड फ्लैग में होने के कारण विभाग द्वारा आक्षेपित किया गया था। ऐसे आवेदन पत्रों में संबंधित विद्यार्थी या शिक्षण संस्थाओं द्वारा आक्षेप पूर्ति करने के लिए कई अवसर दिए जाने के उपरान्त भी इन विद्यार्थियों या शिक्षण संस्थाओं द्वारा आक्षेप पूर्ति कर ऑनलाईन फारवर्ड नहीं किया गया है। इसकी वजह से ऐसे छात्रावृति आवेदन पत्रों की स्वीकृति एवं भुगतान संबंधी कार्यवाही किया जाना संभव नहीं हो पा रहा है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक अनिल व्यास ने बताया कि विद्यार्थी हित में अन्तिम अवसर प्रदान करते हुए शैक्षणिक सत्रा 2016-17 से 2022-23 तक के ऑनलाईन आवेदन पत्रों का पूर्ण निस्तारण करने के लिए विद्यार्थियों के स्तर पर आक्षेप या अन्य कारणों से लम्बित आवेदन पत्रों की आक्षेप पूर्ति कर शिक्षण संस्थान को ऑनलाईन फारवर्ड करने की अन्तिम तिथि 22 नवम्बर, शिक्षण संस्थाओं को विद्यार्थियों से प्राप्त ऑनलाइन आवेदन पत्रों की जांच कर पात्र आवेदन पत्रों को स्वीकृतकर्ता अधिकारी तक ऑनलाइन फारवर्ड करने की अंतिम तिथि 29 नवम्बर, स्वीकृत अधिकारियों द्वारा समस्त पात्र आवेदन पत्रों को स्वीकृत कर भुगतान करने की अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर तथा शैक्षणिक सत्र 2021-22 एवं 2022-23 के रैड फ्लैग में प्रदर्शित आवेदन पत्रों के संबंधित विद्यार्थी को वांछित दस्तावेज संबंधित जिला कार्यालय में प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि 30 नवम्बर निर्धारित की गई है। इन तिथियों के पश्चात् विद्यार्थी एवं शिक्षण संस्थान के स्तर पर लम्बित आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

सफाई भर्ती में आवेदन तिथि बढ़ाई

अजमेर, (कासं)। प्रदेश के नगरीय निकायों में सफाई कर्मचारियों के 23820 पदों के लिए निकाली गई सीधी प्रक्रिया जारी है। 6 नवंबर अंतिम तिथि थी, जिसे बढ़ाकर 20 नवम्बर कर दिया है। अजमेर संभाग के 13 निकायों के लिए डीएलबी ने 1445 सफाई कर्मचारियों के पदों के लिए आवेदन मांगे हैं। निकाय अजमेर के लिए 470 पद, ब्यावर में 177, किशनगढ़ 81, केकड़ी 74, पुष्कर 68, सरवाड़ 47, बिजयनगर 70, टोंक 248 पद, निवाई 33, मालपुरा 96, देवली 17, टोडारायसिंह 49 व उनियारा के लिए 15 पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं।

टाइगर के हमले से श्रद्धालु घायल

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर के रणथंभौर टाइगर नेशनल पार्क के रणथंभौर दुर्ग के नोलखा गेट पर टाइगर के हमले से त्रिनेत्र गणेशजी के दर्शन करने गया श्रद्धालु घायल हो गया। घायल को सवाई माधोपुर चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रद्धालु शाम करीब 4:30 बजे त्रिनेत्र गणेशजी के दर्शन करके लौट रहा था। इसी दौरान बाघिन रेरोहेड के शावक ने श्रद्धालु पर हमला कर दिया जिससे उसकी शर्ट फट गई एवं हाथ पर खरोचें आई हैं।

घायल को सवाई माधोपुर चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। सूचना पाकर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची एवं श्रद्धालु व पर्यटकों की सुरक्षा को देखते हुए वन कर्मियों की टीम तैनात कर दी गई है। एक अक्टूबर से रणथंभौर नेशनल पार्क में टूरिस्ट सीजन शुरू हो गया है इस पार्क में कुल 10 जॉन है इनमें दो पारियों में टूरिस्ट को टाइगर सफारी कराई जाती है जिसमें सुबह की पारी 6 बजे से 9 तक एवं शाम की पारी 3 बजे से 6 बजे तक होती है इस समय रणथंभौर नेशनल टाइगर पार्क में 81 बाघ, बाघिन व शावक मौजूद है।

राशिफल

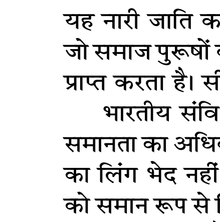

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 7 नवम्बर, 2024

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र दिन 11:47 तक, धृति योग प्रातः 9:51 तक, कौलव करण दिन 12:28 तक, चन्द्रमा आज सायं 5:54 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-धनु, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 11:47 से आरम्भ होगा। आज डाला छठ महापर्व पूर्ण होगा। डाला छठ पर्व पर अस्तगामी सूर्य को अर्ध्य।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 8:06 तक, चर 10:49 से 12:10 तक, लाभ-अमृत 12:10 से 2:53 तक, शुभ 4:15 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:45, सूर्यास्त 5:36

मेष

व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

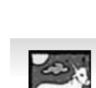

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक मामलों से संबंधित विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

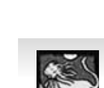

सिंह

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

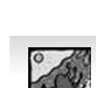

वृश्चिक

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

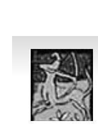

धनु

व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जा सकते हैं। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मकर

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

कुंभ

आर्थिक/वित्तिय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आज अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। अटके हुए कार्य बन सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मीन

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

रेलवे के प्रबंधक का ग्रेनाइट एसोसिएशन ने स्वागत किया

जालोर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर मण्डल प्रबन्धंक पंकज कुमार सिंह के जालोर आगमन पर जागनाथ स्टेशन पर ग्रेनाइट एसोसिएषन के पदाधिकारियो ने स्वागत कर बागरा या जागनाथ स्टेशन पर कंटेनर लोडिंग यार्ड एवं ड्राईपोर्ट सुविधा शुरू करने की स्वीकृति दिलाने, जालोर से जयपुर, दिल्ली एवं दक्षिण भारत के शहरों के लिए सीधी रेल सुविधा शुरू करने एवं जालोर स्टेशन के बाहर प्रवेश द्वार पर ग्रेनाइट का मोनुमेन्टस लगाकर सर्किल बनाने की अनुमति देने के लिए ज्ञापन दिया। जिस पर डी.आर.एम. ने सहायक अधिकारीयों को तुरंत ही कार्यवाही कर निर्णय लेने के निर्देश दिए।

इस दौरान ग्रेनाइट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष प्रकाश परमार, सचिव हेमेन्द्र भण्डारी एवं सहसचिव चन्द्राराम कुमावत सहित रेलवे जोधपुर मंडल के विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे। इसी क्रम में डी.आर.एम 5 नवम्बर को आफिस जोधपुर में मण्डल प्रबन्धंक पंकज कुमार सिंह से मिटिंग कर नई दिल्ली के लिए के लिए ट्रेन शुरू करने एवं जालोर/बागरा से कंटेनर लोडिंग शुरू करने, एवं जालोर स्टेशन पर ग्रेनाइट एसोसिएशन द्वारा सर्किल निर्माण पर विस्तृत चर्चा की।

इस अवसर पर ग्रेनाइट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजू चौधरी, उपाध्यक्ष तरूण अग्रवाल, सचिव हेमेन्द्र भण्डारी, सीनियर डी.एम. उत्तर पश्चिम रेलवे विकास खेडा, सीनियर डी.ओ.एम लोकेश कुमार सिंह सहित विभिन्न रेलवे अधिकारी उपस्थित थे। डी.आर.एम. पंकज कुमार सिंह ने जालोर से जुडी रेल मांगों एवं समस्याओं के समाधान की शीघ्र ही कार्यवाही करने का आश्वासन दिया एवं दूसरे दिन ही समदडी जालोर-जागनाथ-बागरा रेल-लाईन व स्टेशन का निरिक्षण करने के लिए विभिन्न अधिकारियों के साथ विशेष ट्रेन से जालोर जाने का निर्णय लिया था।

जागनाथ स्टेशन पर उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रबंधक पंकज कुमार सिंह का स्वागत किया। फोटो-राष्ट्रदूत

निरीक्षण में 30 कर्मचारी मौके पर नहीं मिले

जोधपुर, (कासं)। जिला कलैक्टर के निर्देशों की अनुपालन में अतिरिक्त जिला कलैक्टर प्रथम जवाहर चौधरी ने बुधवार को प्रातः9.30 से10.30 बजे के मध्य जोधपुर के कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी।

शिक्षा विभाग के 9, पशुपालन विभाग के 2 एंव खान विभाग के 19 अधिकारी व कर्मचारी अनुपस्थित मिले। अतिरिक्त जिला कलैक्टर प्रथम चौधरी ने अनुपस्थित कार्मिकों को कारण बताओं नोटिस एवं भविष्य में सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्धारित समय पर उपस्थित होने एवं कर्तव्यों का पूर्ण ईमानदारी पालन करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त जिला कलैक्टर चौधरी ने शिक्षा विभाग के कार्यालय संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा), जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक जोधपुर ग्रामीण, जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा, खनिज विभाग के अतिरिक्त निदेशक (खान), अधीक्षण अभियन्ता खान एंव भू-विज्ञान विभाग, पशु पालन विभाग के संयुक्त निदेशक पशु पालन विभाग कार्यालय, पशु पालक प्रशिक्षण संस्थान, जिला पशु औषधि भंडार, जोधपुर एवं उप निदेशक, क्षेत्रीय रोग निदान केन्द्र का निरीक्षण किया।

अनिता चौधरी हत्या के पांच और आरोपियों को पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। ब्यूटीशियन अनिता चौधरी हत्याकांड से जुड़े पांच और लोगों को पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस उनसे कई दिनों से पूछताछ कर रही थी। फिलहाल पुलिस ने उनकी शांतिभंग में गिरफ्तारी दर्शाई है। इधर अनिता चौधरी के शव का आज भी निस्तारण नहीं हो सका है। परिजन व समाज के लोग अपनी मांगों को लेकर भगत की कोठी पाली रोड स्थित वीर तेजा मंदिर में बेमियादी धरने पर बैठे है। हत्या को करीब एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। इसके चलते अभी तक शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका है। अब यह मामला जाट समाज के साथ ही सर्व समाज से जुड़ता जा रहा है। इसको लेकर मंगलवार से ही बैठकों का दौर जारी है।

पुलिस ने पांच लोगों को शांतिभंग में पकड़ा है। ये लोग ब्यूटीशियन अनिता चौधरी हत्याकांड से जुड़े हो सकते है। हालांकि पुलिस अभी भी मौन साधे हुए है। वह मामले में ज्यादा कुछ खुलासा नहीं कर रही है। बताया गया है कि इन सभी लोगों को पुलिस हिरासत में लेकर कई दिनों से पूछताछ कर रही थी।

नामजद के साथ होती थी बातचीत

अनिता मर्डर केस में कई चौंकाने वाली जानकारी पुलिस को मिली है। अनिता और आरोपी गुलामुद्दीन फारूकी व प्रॉपर्टी डीलर तैयब अंसारी के बीच बातचीत होती थी। फोन की सीडीआर से पुलिस के हाथ कई अहम सुराग लगे हैं। आशंका जताई जा रही है कि अनिता की मौत के पीछे प्रॉपर्टी का विवाद भी हो सकता है। ऐसे में अब पुलिस अनिता के नाम जो भी प्रॉपर्टी है, उसकी जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने मंगलवार को तैयब अंसारी के कमला नेहरू स्थित घर व सरदारपुरा सी रोड स्थित ऑफिस की जांच की थी। यहां से पुलिस ने मोबाइल, लैपटॉप, कम्प्यूटर, प्रिंटर सहित कई दस्तावेज बरामद किए हैं। जानकारी में यह भी आ रहा है कि पुलिस अंसारी से जुड़े और भी लोगों से इस मामले में पूछताछ कर सकती है। इसमें पाली व जोधपुर के कई प्रतिष्ठित लोग भी शामिल हैं।

जाट समाज के नेताओं ने जताई नाराजगी

इस बीच पहली बार प्रदेश के जाट नेताओं ने भी इस मामले में सरकार से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। कांठोस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और जाट समाज के राजा राम मील ने इस मामले में मुख्य आरोपी के पकड़े नहीं जाने को लेकर नाराजगी जताई है। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने भी इस मामले में जोधपुर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे।

सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल ने भी एक्स पर लिखा है कि अनिता चौधरी हत्याकांड राज्य सरकार के लिए निंदनीय एवं शर्मनाक है। प्रदेश की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री उपचुनाव में व्यस्त हैं, जबकि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है।

छोटी घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करने वाली भाजपा सरकार इस जघन्य अपराध पर उदासीन क्यों है? महिलाओं के हितों और सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे करने वाली राज्य सरकार इस अमानवीय घटना पर चुप क्यों है? मुख्यमंत्री का इस पर मौन रहना अत्यंत चिंताजनक है।

जोधपुर बंद का हो सकता है निर्णय

अनिता चौधरी हत्याकांड को लेकर बनाई गई समिति आज आगामी आंदोलन को लेकर निर्णय करेंगी। संभवतः अब जोधपुर बंद का आ ान हो सकता है। इससे पहले मंगलवार को देर रात तक सर्व समाज की बैठक हुई, जिसमें मारवाड़ राजपूत सभा के हनुमान सिंह खांघटा, भोपालगढ़ के पूर्व विधायक पुखराज गर्ग सहित अन्य समाजों के नेता और जाट समाज के लोग शामिल हुए।

कई प्रतिष्ठित लोग पुलिस की रडार पर

अनिता मर्डर केस की गुत्थी को पुलिस सुलझाने का हर संभव प्रयास कर रही है। अनिता के पति मनमोहन व सहेली सुनीता उर्फ सुमन की कॉल रिकार्डिंग बाहर आने के बाद अब पुलिस की रडार पर कई लोग आ चुके हैं। इसमें कई डॉक्टर, ब्यूटी पार्लर संचालक, पाली के प्रॉपर्टी डीलर, बदमाश, व्यवसायी, कई अधिकारी, राजनेता भी अब पुलिस की रडार पर हैं। बताया यह भी जा रहा है कि पुलिस सबसे पहले पाली के कई लोगों से इस मामले में पूछताछ कर सकती है। पुलिस को शक है कि अनिता की हत्या किसी दूसरे जगह पर की गई है। हत्या से पहले उसे प्रताड़ित भी किया होगा। पुलिस ने गुलामुद्दीन के पूरे घर की सघनता से तलाशी ली है लेकिन वहां से अनिता के खून का एक भी धब्बा नहीं मिला। अनिता की हत्या करने के बाद उसके शव को काटा गया है। इसके बाद भी खून का एक भी धब्बा नहीं मिलना, पुलिस के शक को बढ़ा दिया है।

बाड़मेर कलैक्टर ने रावतसर में जन समस्याएं सुनी

बाड़मेर कलैक्टर टीना डाबी रावतसर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर रात्रि चौपाल में पहुंची। फोटो-राष्ट्रदूत

बाड़मेर, (नि.सं.)। जिला कलैक्टर टीना डाबी ने बुधवार को जिले की रावतसर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान आमजन की समस्याएं सुनीं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करवाना सुनिश्चित करवाएं। इस दौरान पानी, बिजली, पेंशन, राजस्व, पंचायतीराज विभाग से जुड़े 21 परिवाद प्राप्त हुए। जिला कलैक्टर ने कई प्रकरणों पर मौका निरीक्षण करके त्वरित राहत देने हेतु निर्देशित किया।

ज़िला कलैक्टर ने डिस्कॉम के अधिकारियों को विद्युत मीटर एवं पोल लगाने के निर्देश दिये। इस दौरान जिला कलैक्टर ने पीएचईडी और बिजली विभाग के अधिकारियों को समस्याओ के त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। जिला कलैक्टर ने कहा कि रात्रि चौपाल का आयोजन कर प्रशासन आपके घरों तक पहुंच रहा है, ताकि उपखंड या जिला मुख्यालय नहीं आना पड़े। उन्होंने कहा कि आमजन द्वारा प्रस्तुत परिवेदनाओं को गंभीरता से लिया जाता है और उत्तरदायित्व तय कर उनके समाधान का पूरा प्रयास किया जाता है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से उनकी परिवेदनाओं के निस्तारण के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। रात्रि चौपाल में बाड़मेर उपखंड अधिकारी वीरमाराम, पुलिस उपअधीक्षक रमेश शर्मा, विकास अधिकारी सहित विभागीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं लोग उपस्थित रहे।

अन्नकूट महोत्सव की धूम, मंदिरों में सजे 56 भोग

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर में बुधवार को भी कई मंदिरों में अन्नकूट महोत्सव मनाया गया। मंदिरों में देवों को अन्नकूट को भोग लगाकर 56 भोग की झांकी सजाई गई।

दीपावली के तीसरे दिन से शुरू हुए अन्नकूट महोत्सव को लेकर भक्तों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। शहर के प्रमुख मंदिरों में अन्नकूट व छप्पन भोग का दौर जारी है। श्रद्धालुओं ने आज भी भगवानों को छप्पन भोग लगाकर सर्वमंगल व खुशहाली की कामना की। रातानाडा गणेश मंदिर में आज विघ्न विनायक के 56 भोग व अन्नकूट महोत्सव का आयोजन हुआ। पुजारी प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि दोपहर बाद 56 भोग के दर्शन करवाए गए। श्री राज रणछोड़दास मंदिर में भी छप्पन भोग व अन्नकूट महोत्सव हुआ। कचहरी बालाजी मंदिर में भी अन्नकूट महोत्सव हुआ। पुजारी गिरधर गोपाल निंबावत ने बताया कि बालाजी और सत्यनारायण भगवान को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाने के साथ ही मंदिर को फूलमंडली व रोशनी से सजाया गया। घंटियाला गांव मे स्वयंभू प्रगट वीर बजरंगबली मंदिर में भी अन्नकूट महोत्सव मनाया गया। मंडल के मीडिया प्रभारी प्रकाश राठी ने बताया कि घंटियाला बालाजी मंदिर प्रांगण में कार्तिक माह की लाभ पंचमी पर श्री घंटियाला बालाजी मंडल सूरत गुजरात द्वारा संगीतमय सुन्दरकांड का पाठ एवं घंटियाला धाम पर 17वां वार्षिक महाकुम्भ महोत्सव का आयोजन हुआ।

वैष्णव मंदिरों सहित देवालयों में अन्नकूट कर भगवान को विभिन्न खाद्य सामग्री का भोग लगाया जा रहा है।

मंदिर के मुख्य द्वार का लोकार्पण

पाली, (नि.सं.)। आज बुधवार को पाली सोजत नेशनल हाईवे पर सापा इंद्रा नगर सरहद पर पुनागर चामुंडा माताजी मंदिर के नवनिर्मित मुख्य द्वार का लोकार्पण किया गया। इस गेट में 20 लाख की लागत आई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुनागर माताजी मंदिर मठ के स्वर्गीय महंत अभय पुरी महाराज की प्रेरणा से और महंत आनंदपुरी महाराज के सानिध्य में मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले के पटेलावद तहसील के भामाशाह भक्त मणिलाल चानोदिया परिवार एवं रतलाम के राजमल परिवार की ओर से भव्य गेट का निर्माण कराया गया।

इस मौके पर सापा सरपंच प्रतिनिधि धर्माराम ओड, समाजसेवी मंगलाराम बाडसा, पूर्व सरपंच गोपाल सिंह सोवनिया, सुखलाल भायल खेतावास ,कुलदेवी चानोदिया परिवार आदि मौजूद रहे।

सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

बाड़मेर, (नि.सं.)। अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत ने बुधवार को नवो बाड़मेर अभियान के तहत बाड़मेर शहर के विभिन्न वार्डों में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने नगर परिषद के कार्मिकों को सफाई व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत ने बुधवार सुबह नगर परिषद के वार्ड 1, 2, 53, 54, 55 में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर परिषद आयुक्त श्रवणसिंह राजावत भी उनके साथ मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान कुछ वार्डो में कचरे का उठाव नहीं होने के साथ संतोषजनक सफाई व्यवस्था नहीं होने पर संबंधित कार्मिकों को सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित जमादार को नियमित रूप से कचरे का उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत एवं आयुक्त श्रवणसिंह राजावत ने आमजन से घरों के बाहर कचरा नहीं फैलाने एवं निर्धारित संग्रहण स्थल पर कचरा डालने के बारे में समझाइश की। उन्होंने एक कबाड़ी को अपने गोदाम के बाहर सामान नहीं रखने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने वार्डों में पैदल सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के साथ घर-घर कचरा संग्रहण के लिए वाहनों की आवाजाही की जानकारी ली।

प्रशासनिक अधिकारियों ने खुद खड़े रहकर सफाई करवाई। चालान काटने वाली टीमों ने कचरा फैलाने वाले 18 लोगों के चालान काटे।

आबकारी विभाग ने अवैध शराब मय वाहन पकड़ी, दो जने गिरफ्तार

,(नि.सं.)। आबकारी विभाग ने राजस्व जिला आबकारी अधिकारी बाड़मेर के निर्देशन में अवैध शराब के परिवहन, संग्रहण तथा उत्पादन पर प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही व मदिरा दुकानो के नियमानुसार संचालन को लेकर आबकारी विभाग द्वारा चलाये जा रहे अभियानों के तहत एक दुकान, अवैध शराब मय वाहन को जब्त किया।

आबकारी निरीक्षक वीणा वैष्णव ने बताया कि आबकारी निरीक्षक वृत-बालोतरा द्वारा सिणधरी चौसिरा में अवस्थित एक दुकान मय वाहन, दुकान के भीतर रखे एक बड़े डी फ्रिज एवं खुली रखी तथा वाहन में रखी बीयर व शराब जिसमें कुल 10 कागज कार्टनों में भरी कुल 120 बोतल बीयर, जिसमों 7 कार्टन में 84 बोतल किंगफीशर बीयर भरी, 3 में 36 बोतल टूर्बोग बीयर भरी क्षमता प्रत्येक 650 एमएल, 51 कैन किंगफिशर बीयर क्षमता प्रत्येक 500 एमएल, 7 कागज कार्टन में भरे कुल 332 पव्वे देशी शराब, 6 कार्टन मे 288 पव्वे देशी शराब घूमर तेजी 50 यूपी, 01 कार्टन मे 44 पव्वे देशी शराब आर.एम.एल. ड्राई जिन, 01 कागज कार्टन में 48 पाउच देशी शराब आर.एम.एल. रॉयल क्लासिक व्हिस्की तेजी 25 यूपी क्षमता प्रत्येक 180 एमएल समस्त फॉर सेल इन राजस्थान ओनली लेबल लगे अवैध बरामद को जब्त किया।

उन्होने बताया कि जब्त शराब, वाहन तथा डी फ्रिज कब्जे राज लेकर अभियुक्त उम्मेदसिंह पुत्र सूरसिंह जाति राजपूत उम्र-22 वर्ष निवासी सरनू भीमजी ग्राम पंचायत सरनू पनजी थाना सदर बाड़मेर जिला बाड़मेर व अभियुक्त केसाराम पुत्र भारमलराम जाति जाट उम्र 23 वर्ष निवासी मौखाब खुर्द थाना शिव जिला बाड़मेर को गिरफ्तार कर राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 की धारा 19/54, 54 (ए) के तहत अभियोग संख्या-12/2024-2025 दर्ज किया गया।

उन्होने बताया कि आबकारी जिला बालोतरा में 1 अप्रैल से 05 नवंबर तक कुल 56 अभियोग (06 विशेष प्रतिवेदन श्रेणी, 45 सामान्य श्रेणी व 5 बी.एल.सी. श्रेणी) राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 की धारा 16/54,19/54,54ए, 58 सी के तहत अभियोग पंजीकृत किये गये।

राजस्व जिला बालोतरा में देशी मदिरा कम्पोजिट दुकानों द्वारा अनुज्ञापत्रों की शर्तों का उल्लंघन करने पर 05 मदिरा दुकानो पर कार्यवाही करते हुए राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 की धारा 58 सी के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

उपभोक्ता आयोग का जारी गिरफ्तारी वारंट रद्द किया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय मलिक के खिलाफ श्रीगंगानगर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट को रद्द कर दिया है। यह फैसला संजय मलिक की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस अरुण मोंगा ने दिया।

श्रीगंगानगर निवासी पंकज सिंह ने नोकिया का एक फोन खरीदने के बाद तकनीकी खराबी की शिकायत की थी। श्रीगंगानगर उपभोक्ता आयोग ने 26,999 रुपए के मोबाइल की खराबी को लेकर आदेश दिया था। हालांकि, नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का इस मोबाइल के निर्माण या बिक्री से प्रत्यक्ष संबंध नहीं था। कंपनी ने 2014 में मोबाइल निर्माण व्यवसाय माइक्रोसॉफ्ट को बेच दिया था। 2016 में व्यवसाय एचएमडी ग्लोबल को हस्तांतरित हो गया। फिर भी, जिला उपभोक्ता आयोग ने संजय मलिक के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। मलिक की ओर से वरिष्ठ वकील विनीत जैन और वकील विवेक माथुर ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। दोनों अधिवक्ताओं ने तर्क दिया कि पंकज सिंह को कंपनी की ओर से पूरा मुआवजा दिया जा चुका है और पंकज सिंह ने स्वयं आयोग में आवेदन देकर मामले को वापस लेने की बात कही थी। वकील ने बताया कि संजय मलिक या उनकी कंपनी का कोई प्रत्यक्ष या कानूनी संबंध नहीं था, क्योंकि एचएमडी ग्लोबल अब नोकिया ब्रांड के तहत फोन का समर्थन करता है। जस्टिस अरुण मोंगा ने याचिकाकर्ता के वकीलों के तर्क स्वीकार कर कहा कि जब उपभोक्ता और कंपनी के बीच मामला सुलझा लिया तो आयोग को किसी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं करना चाहिए। अदालत ने संजय मलिक के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट को रद्द कर उपभोक्ता आयोग में चल रही प्रक्रियाओं को समाप्त करने का आदेश दिया।

नगर निगम आयुक्त भारद्वाज ने सफाई व्यवस्था देखी

नगर निगम पाली आयुक्त नवीन भारद्वाज सफाई के लिए लोगों के साथ समझाइश की। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। बुधवार को नगर निगम पाली आयुक्त नवीन भारद्वाज द्वारा शहर का मौका मुआयना किया गया। इस दौरान उन्होंने शहर की अलग-अलग जगह पर जाकर सिंगल यूज प्लास्टिक और कचरा करने वाले लोगों के साथ समझाइश की।

इस दौरान उन्होंने पाली में नहर रोड, श्रद्धा हॉस्पिटल, सूरजपोल , महाराणा प्रताप सर्किल आदि जगहों पर भ्रमण किया।

साथ ही उन्होंने अस्पताल के सामने जिन भी दुकानदार के पास कचरा पात्र नहीं था और अपने दुकान के आस पास कचरा कर रखा था उनके चालान काटे गए तथा सिंगल यूज प्लास्टिक को जप्त किया गया।

स्ट्रीट वेंडर और दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि अगर भविष्य में वह सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करते हैं या अपने आसपास में कचरा पाया गया तो नगर निगम द्वारा उन पर चालान बनाया जाएगा। इसी के बीच आयुक्त द्वारा हॉस्पिटल में बने हुए कैंटीन के लोगों के साथ भी समझाइश कि अपने पास में डस्टबिन रखें और जो भी कचरा होता है वह डस्टबिन के अंदर डालें। कोई भी बाहर की तरफ ना डालेगा। पीएमओ कार्यालय के लिए भी चिट्ठी लिखी गई की अस्पताल से निकलने वाले बायोमेडिकल वेस्ट व अन्य सामग्री जो कचरा पात्र में न डाल कर इधर-उधर फेंकते है या नॉर्मल कचरा पात्र में डालते है उनके लिए स्पेशल बायोमेडिकल वेस्ट डस्टबिन का उपयोग करे ताकि सफाई कर्मचारियों द्वारा डस्टबिन में हाथ डालते समय कोई दुर्घटना न हो।

इसके बीच में आयुक्त ने नारियल के ठेले वालों को भी समझाते हुए चेतावनी दी है कि जो भी नारियल का कचरा निकलता है उनको डस्टबिन में डालें और जब भी नगर निगम की गाड़ी आती है उसके अंदर सारा कचरा डालें कोई भी अगर रोड के आसपास में कचरा डालते हुए पाया गया या उनके आसपास में कचरा पाया गया तो जुर्माना लगाया जाएगा।

खींवसर में भाजपा जीतेगी : अर्जुनराम मेघवाल

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने मीडिया कर्मियों को कहा कि प्रदेश की भजनलाल सरकार ने संकल्पों को दस माह में पूर्ण किया है, इससे पहले पूर्ववर्ती सरकार ने अपने एजेंडों को भी कभी पूरा नहीं किया था। वे उपचुनाव को लेकर आश्वस्त है कि इस बार उपचुनाव में भी भाजपा जीतेगी। नागौर जिले के खिंवसर सीट पर कहा कि सांसद हनुमान बेनिवाल कांग्रेस समर्थक है और वे अच्छी तरह जानते है। फिर भी खिंवसर में भाजपा अपना अच्छा प्रदर्शन कर जीत दर्ज कराएगी। वे उपचुनाव के मद्देनजर प्रदेश में दौरे पर आए है। फीडबैक ले रहे है।

मेघवाल आज जोधपुर प्रवास पर पहुंचे और एयरपोर्ट पर मीडिया से मुखातिब हुए। वे यहां से सीधे प्रदेश में हो रहे उपचुनाव कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए।

केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 फिर से लागू नहीं होगी। धारा 370 का लगना मतलब देश की एकता और अखंडता को खतरा होगा और यह खतरनाक साबित होगा। वक्फ पर संशोधन किए जाने से मुस्लिम वर्ग को भी फायदा पहुंचेगा।

केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने जाोधपुर में मीडिया से बताचीत में कहा कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 फिर से लागू नहीं की जाएगी।

इस धारा के कारण देश की एकता और अखंडता को खतरा उत्पन्न हो गया था। जिसे हटाया जाना नितांत जरूरी हो गया था।

उन्होंने सदन के शीतकालीन सत्र में वक्फ बिल को लेकर कहा कि बिल में संशोधन किया जाना जरूरी है। इसमें संशोधन से मुस्लिम समाज को भी फायदा होगा। इसमें संशोधन से विसंगतियां दूर होगी साथ ही उस पर बना गतिरोध भी समाप्त होगा। उन्होंने कहा कि इसको लेकर विरोधी राजनीति कर रहे है जोकि न्यायसंगत नहीं है।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने अनिता चौधरी हत्याकांड पर कहा कि इसकी निप्पक्ष जांच होगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संज्ञान में यह मामला है।

जीवन का महत्व बताया

पाली, (नि.सं.)। पाली जिले के नाडोल में आज बुधवार को राज्यमंत्री ओटाराम देवासरी , पाली सांसद पी पी चौधरी व अन्य अतिथियों की मौजूदगी में प्रजापति ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में राजयोग केन्द्र शिव शक्ति भवन का उद्घाटन किया गया।

राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने शिरकत करते हुये कहा कि मानव जीवन परमार्थ के लिये है और ये भगवान का कार्य है जिसको सबको मिलकर करना चाहिये। देवासी आज बुधवार को नाडोल में ब्रहमा कुमारी के कार्यक्रम में शिव शक्ति भवन उद्घाटन के अवसर पर आयोजित समारोह में शिरकत कर रहे थे । उन्होंने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोंदी के कार्या के व योग दिवस व राजयोग के बारे में विस्तार से बताया।

इस अवसर पर पाली सासंद पी पी चौधरी ने सम्बोधित करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रहम कुमारी को योग के माध्यम से साथ लेकर उनका जनहित लाभार्थ कार्य में लाभार्थ किया और आमजन के योग कें साथ इसका महत्व बताया उन्होंने कहा कि कोरोना के समय में प्रधानमंत्री ने योग के बारे में व राजयोग को इसका अंग मानते हुये आमजन के लाभार्थ कार्य किये । चौधरी आज उद्घाटन व मंगल प्रवेश के अवसर पर आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने इस बारे में आमजन के लाभार्थ होने वाले लाभो शरीर के लिये योग व मानसिक के लिये राजयोग का महत्व बताया। इस अवसर पर बाली विधायक पुष्पेन्द्र सिंह राणावत ने भी समारोह को सम्बोधित किया। साथ ही ब्रहमाकुमारी की राजयोगिनी रतनमोहिनी व राजयोगिनी मुन्नी, उषा ने भी बारे में विस्तार से विचार रखे। इसके साथ देसूरी में पंचायत भवन का भी उद्घाटन किया। इससे पहले आये हुये अतिथियों व भामाशाहों का इस कार्य के लिये सम्मान किया गया। उप जिला प्रमुख , प्रधान , अमरसिंह , तहसीलदार, वीरेन्द्र सिंह , सरपंच नाडोल , भामाशाह आदि मौजूद रहे।

सतीश पूनिया ने झुंझुनूं में चुनाव प्रचार कर भाजपा को जिताने का आव्हान किया

भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने झुंझुनू विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भाम्बू के समर्थन में चुनाव प्रचार किया

झुंझुनूं/जयपुर। भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने बुधवार को झुंझुनू जिले के प्रवास पर झुंझुनू विधानसभा के दर्जनों से अधिक पार्टी के कार्यक्रमों में शामिल होकर भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भाम्बू के समर्थन में चुनाव प्रचार किया।

उन्होंने युवा किसान और कार्यकर्ता सम्मेलनों को संबोधित कर कहा कि पार्टी ने राजेंद्र भाम्बू के रूप में एक योग्य व्यक्ति को उम्मीदवार बनाया है, जिनको जिताकर आप विधानसभा में भेजेंगे तो निश्चित रूप से झुंझुनूं के विकास का नया अध्याय शुभारंभ होगा, जिसकी सबसे बड़ी वजह है कि केंद्र में नरेंद्र मोदी के रूप में सक्षम और मजबूत सरकार है तो वहीं प्रदेश में भी भाजपा की सुशासन भजनलाल सरकार है, यह डबल इंजन सरकार झुंझुनूं के विकास को मजबूती से आगे बढ़ाएगी, जिसमें पेयजल, सिंचाई, रोजगार, सड़क, बिजली, उद्योग धंधे, ऐसे तमाम काम होंगे जिससे झुंझुनूं हर क्षेत्र में विकसित बनेगा।

सतीश पूनियां ने आव्हान करते हुए कहा कि झुंझुनूं जिले के विकास की मजबूती के लिए भाजपा को वोट करें, जिले की पेयजल समस्या का जल्द समाधान होगा, यमुना जल समझौते का झुंझुनूं को बहुत बड़ा लाभ मिलेगा, पूरे भरोसे के साथ आपको विश्वास दिलाता हूं। उन्होंने कहा कि, केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और प्रदेश की भाजपा की सरकार झुंझुनूं के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं और यह हम सब की जिम्मेदारी है कि झुंझुनू में भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भाम्बू को जिताकर झुंझुनूं के विकास को और अधिक गति प्रदान करें। झुंझुनूं के हर गांव, ढाणी में भाजपा की लहर, यहां की जनता ने भाजपा को जिताने का मन बना लिया है, केंद्र में एनडीए-भाजपा की मोदी सरकार है और राजस्थान में भाजपा की भजनलाल सरकार है, ऐसे में जहां केंद्र और प्रदेश में दोनों जगह भाजपा की सरकार हैं तो झुंझुनू की जनता ने भी भाजपा को जिताने का मन बना लिया है, क्योंकि झुंझुनू की जनता हमेशा सत्ता के साथ रहती है जो विकास को पसंद करती है, और विकास भाजपा ही कर सकती है, यह देश, राजस्थान और झुंझुनूं की जनता अच्छे से जानती है।

राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया झुंझुनू विधानसभा के दर्जनों से अधिक पार्टी के कार्यक्रमों में शामिल हुये।

- **झुंझुनूं के हर गांव, ढाणी में भाजपा की लहर, यहां की जनता ने भाजपा को जिताने का मन बना लिया : पूनिया**

सतीश पूनियां के साथ चुनाव प्रचार में राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा, पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती महाराज, जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरि , पूर्व सांसद नरेंद्र खीचड़, विधायक धर्मपाल गुर्जर, विधायक हरलाल सहारण, पूर्व विधायक सुभाष पूनिया, राष्ट्रीय परिषद सदस्य विशम्भर पूनिया, भाजपा युवा नेता बबलू चौधरी, सीएलसी निदेशक श्रवण चौधरी, विधायक गोवर्धन वर्मा, मण्डल अध्यक्ष बलजीत शर्मा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सरोज श्योराण, सरपंच प्रदीप झाझड़िया, ओमेंद्र चारण समेत पदाधिकारी, गणमान्य लोग व कार्यकर्ता उपस्थित रहे, इन सभी ने एक सुर में भाजपा को जिताने की अपील की।

पांच नामी टेलर्स के शोरूम के यहां जी.एस.टी. का छापा

जीएसटी चोरी के शक में कार्रवाई की गई

कोटा, (निसं)। गुड्स एंड सर्विस टैक्स की टीम ने कोटा के टॉप टेलर्स के शोरूम पर छापा मारा है। जहां पर सर्वे की कार्रवाई की गई है। जीएसटी चोरी के शक में ये कार्रवाई की गई है जिसमें जीएसटी के अधिकारी कार्मिक मौके पर पहुंचे। टीम ने कई जगह पर एक साथ छापे की कार्रवाई की है। कोटा शहर में छावनी, गुमानपुरा, एरोड्रम व कोटड़ी रोड एरिया में कार्रवाई की गई है।

कोटा वाणिज्य कर विभाग की अतिरिक्त आयुक्त सुनीता डागा का कहना है कि यह कार्रवाई वाणिज्य कर विभाग के आयुक्त प्रकाश राजपुरोहित के निर्देश पर शुरू हुई है। इसमें शहर के पांच बड़े टेलर्स की शॉप पर टीम को भेजा गया था। उनके करीब 10 ठिकानों पर दबिश दी गई। सोमवार दोपहर से यह सर्वे शुरू किया गया था इसमें फिजिकल, कच्ची पर्चियां और कंप्यूटराइज रिकॉर्ड लिया गया है। कितने की टैक्स चोरी है, इस संबंध में फिलहाल कुछ नहीं कहा जा सकता है। रिकॉर्ड की छानबीन पूरी होने के बाद ही टैक्स चोरी का आंकड़ा सामने आएगा। इसमें दो दर्जन से ज्यादा अधिकारी टेलर्स के शोरूम व गोदाम पर पहुंचे थे। जिनमें डिप्टी कमिश्नर, असिस्टेंट कमिश्नर और कमर्शियल टैक्स ऑफिसर (सीटीओ) शामिल थे।

- **रिकॉर्ड की छानबीन पूरी होने के बाद ही टैक्स चोरी का आंकड़ा सामने आएगा**

जीएसटी कार्रवाई के पहले टीम ने फील्ड से तथ्य एकत्रित किए। इसके बाद ही रिकॉर्ड को तलब किया है। इसमें कच्ची पर्ची से बेचा गया माल व कच्चा माल खरीद और बेचान को भी कैलकुलेट किया जा रहा है। ज्ञात रहे कि टेलरिंग का कार्य भी सर्विस की श्रेणी में आता है। ऐसे में इस पर भी जीएसटी बनता है। इसके अलावा यह टेलर्स भी कच्चा माल और कपड़ा खरीद कर लाते हैं इन्हें सिलकर सीधा ग्राहकों को सेल किया जाता है। इसमें जीएसटी की टीम को शक है कि कुछ माल बिना बिल के लिए खरीदे जा रहे हैं। इसके अलावा कुछ टेलर्स में बड़ी संख्या में कपड़े सिलने पर सिक्के गिफ्ट करने की भी स्कीम चलाई हुई है। इस पर भी निगरानी जीएसटी की टीम कर रही है।

कोटा के तीन निजी स्कूलों की सीबीएसई ने मान्यता रद्द की

सीबीएसई की टीम ने सितंबर में राजस्थान और दिल्ली में कई स्कूलों में औचक निरीक्षण किए थे

कोटा, (निसं) सीबीएसई के द्वारा कोटा के तीन निजी स्कूलों की मान्यता रद्द कर दी गई है। सीबीएसई की टीम ने सितंबर में राजस्थान और दिल्ली में कई स्कूलों में औचक निरीक्षण किए थे। इस दौरान बोर्ड से संबद्ध 27 स्कूलों में कई तरह की खामियां पाई गई थी। इनमें 22 स्कूल दिल्ली और 5 स्कूल राजस्थान के शामिल हैं।

- **बोर्ड से संबद्ध 27 स्कूलों में कई तरह की खामियां पाई गई थी, इनमें 22 स्कूल दिल्ली और 5 स्कूल राजस्थान के शामिल हैं**
- **राजस्थान के स्कूलों में दो स्कूल सीकर और तीन स्कूल कोटा जिले के हैं कोटा के ये स्कूल है शिव ज्योति कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एलबीएस कन्वेंट स्कूल और लॉर्ड बुद्धा पब्लिक स्कूल है**

राजस्थान के स्कूलों में दो स्कूल सीकर जिले और तीन स्कूल कोटा जिले में स्थित हैं। कोटा के ये स्कूल है शिव ज्योति कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एलबीएस कन्वेंट स्कूल और लॉर्ड बुद्धा पब्लिक स्कूल। इन स्कूल के संचालकों का कहना है कि इसको लेकर बच्चों को या अभिभावकों को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। इस विषय पर लगातार कार्य किया जा रहा है। सितंबर में हुए इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि स्कूल बोर्ड के संबद्धता और परीक्षा उपनियमों के अनुसार छात्रों की नियमित उपस्थिति के मानदंडों का पालन कर रहे हैं या नहीं। निरीक्षण के दौरान सीबीएसई के अधिकारियों को बड़ी संख्या में इन स्कूलों में छात्र अनुपस्थित मिले। इतना ही नहीं कक्षा 9वीं और 12वीं में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के अनुपस्थित रहने के कारण 21 विद्यालयों की मान्यता रद्द कर दी गई। इससे पहले स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी करके जवाब देने के लिए 30 दिन का समय दिया गया था। सीबीएसई द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति वाले अग्रणी राष्ट्रीय शिक्षा बोर्ड के रूप में, लंबे समय से शैक्षिक सुधारों को आगे बढ़ाने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसलिए बच्चों की बिना उपस्थिति के सिर्फ कागजों में स्कूल चलाने के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर रहे हैं। जिससे आगे इस तरह के स्कूल चलाने वालों को कड़ा संदेश दिया जा सके।

बोर्ड यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करेगा कि स्कूल वैध और नैतिक शैक्षिक प्रथाओं का पालन करें। इसलिए छह स्कूलों को सीनियर सेकेंडरी से सेकेंडरी स्कूल के रूप में डाउनग्रेड करने की भी कार्रवाई की गई है। सीबीएसई द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यह निरीक्षण सितंबर माह में किए गए थे। बोर्ड द्वारा स्कूलों द्वारा प्रस्तुत उत्तरों की विस्तार से जांच की गई। लेकिन स्कूलों के जवाब से बोर्ड संतुष्ट नहीं हुआ और मान्यता रद्द करने की कार्रवाई की गई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झुंझुनूं उपचुनाव के संबंध में बैठक ली

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झुंझुनूं उपचुनाव की तैयारियों के संबंध में बुधवार को भाजपा नेताओं की बैठक ली। उन्होंने कहा कि हम दिखावे के बिना निरंतर जन कल्याण के कार्य करते हैं। प्रदेश में 10 माह पहले हमारी सरकार बनी थी, तब से अब तक सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में बिना किसी भेद-भाव के विकास की गंगा बहाई है। उपचुनाव वाले क्षेत्रों में कांग्रेस पार्टी ने उसके राज में वहां की जनता को विकास से वंचित रखा था। कांग्रेस राज में तो सिर्फ माफियाओं और घोटालेबाजों ने लूट मचा रखी थी। अब जनता कांग्रेस पार्टी को वोट से वंचित रखकर सबक सिखाएगी।

- **उपचुनावों में भाजपा को मिलेगा विकास के नाम पर वोट : सीएम भजनलाल**

मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 महीने के छोटे समय में विकास के ऐतिहासिक काम किए हैं, जिससे कांग्रेस की नींव हिल चुकी है और जनता का हमारी सरकार पर विश्वास दृढ़ हुआ है। इसलिए विधानसभा उपचुनाव में इस बार कांग्रेस के जातिवाद के एजेण्डे पर भाजपा सरकार का विकास का एजेण्डा भारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेपर लीक जैसे मामलों में युवाओं को न्याय दिलाने के लिए एसआईटी ने कार्रवाई करते हुए 190 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार संकल्पित है। हमने 90 हजार पदों पर भर्तियों का मार्ग प्रशस्त किया है, इससे प्रदेश के युवाओं में रोजगार पाने की उम्मीद की किरण जागी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन मुद्दों पर कांग्रेस वर्षों तक राजनीति करती रही है, उन मुद्दों पर हमारी डबल इंजन सरकार समझौते कर तेजी से उन्हें धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है। इसलिए भाजपा को इन उपचुनावों में विकास के नाम पर वोट मिलेगा व ऐतिहासिक जीत होगी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के एमओयू को धरातल पर लाने के लिए हमारी सरकार पूरी तरह समर्पित होकर कार्य कर रही है। ये निवेश राजस्थान को विकसित राजस्थान बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। बैठक में सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेमसिंह बाजौर, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, विधायक विक्रम जाखल, अंशुमन भाटी, पूर्व जिलाध्यक्ष दशरथसिंह शेखावत, भाजपा नेता रणवीर गुढा, राजीवसिंह, कुबेर सिंह आदि उपस्थित रहे।

शॉर्ट सर्किट से आग लगी

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के हाउसिंग बोर्ड रामदेव चौक में बुधवार देर शाम छह बजे एक मकान में शॉट सर्किट से आग लग गई। आग लगने के दौरान मकान में महिला और बच्चे मौजूद थे। उन्होंने घर से बाहर निकल अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। जानकारी अनुसान हाउसिंग निवासी करुणा पंड्या के मकान में शॉट सर्किट से आग लग गई। आग से मकान में काला धूआं फैलने लगा। मकान में मौजूद किरायादार झालावाड़ा निवासी कपिल शर्मा का परिवार मौजूद था, जो समय रहते घर के बाहर निकलने से बड़ा हादसा होने से टल गया। सूचान मिलने पर मौके पर पहुंची नगर परिषद की फायर बिग्रेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया।

साक्षात्कार का तृतीय चरण 25 से

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा- 2023 के अन्तर्गत हिंदी विषय के 214 पदों के लिए तृतीय चरण के साक्षात्कार का आयोजन 25 से 29 नवंबर 2024 तक किया जाएगा। आयोग की संयुक्त सचिव ऋषिबाला श्रीमाली ने बताया कि अभ्यर्थियों के साक्षात्कार-पत्र आयोग की वेबसाइट पर यथासमय अपलोड कर दिए जाएंगे। साक्षात्कार के समय अभ्यर्थी अपने समस्त मूल प्रमाण-पत्र मय फोटो प्रति साथ अवश्य लाएं अन्यथा साक्षात्कार से वंचित कर दिया जाएगा।

डोडा-पोस्त जब्त

टोंक, (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में विशेष टीम द्वारा नशे के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 40 हजार का अवैध डोडा-पोस्त जप्त किया।

थाना प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि मुखबिर से सूचना पर थाना क्षेत्र के मालुणी गाँव निवासी महेन्द्र पुत्र नारायण जाट जो डोडा बेचता है की सूचना मिली। जिस पर टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए निवास स्थल पंहुचे, जहां आरोपी पहले ही भनक मिलने से वह मौके से फरार हो गया।

भारत और राजस्थान में महिलाएं पूरी तरह से सुरक्षित हैं : देवनानी

सिडनी (आस्ट्रेलिया) में आयोजित राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ के 67वें सम्मेलन में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शिरकत की

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि भारत और राजस्थान में महिलाएँ पूरी तरह से सुरक्षित है। भारत और राजस्थान में महिलाओं की सुदृढता के लिये अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही है। केन्द्र एवं राजस्थान राज्य की सरकार महिलाओं के प्रति सभी प्रकार के भेदभाव और हिंसा को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

देवनानी ने कहा कि भारत में प्रभावी कानून और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा केन्द्र व राज्यों में महिलाओं की सुदृढता के लिए चलाई जा रही योजनाओं से लिंग आधारित हिंसा को खत्म करने और भेदभाव का मुकाबला करने के साथ महिलाओं की सुरक्षा के लिए सम्पूर्ण राष्ट्र में नया वातावरण बना है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी बुधवार को सिडनी (आस्ट्रेलिया) में आयोजित राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ के 67वें सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने भेदभावपूर्ण कानून का मुकाबला-लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ 365 की सक्रियता, संसदीय प्रक्रियाओं और परम्पराओं में कृत्रिम बुद्धिमता के उपयोग अवसर और चुनौतियां तथा बैंचमार्किंग, मानक और दिशानिर्देश-सर्वोत्तम परम्पराओं को अपनाने के माध्यम से संसद को मजबूत बनाने के विषयो पर सम्मेलन को संबोधित किया। देवनानी ने कहा कि भारत और राजस्थान लिंग आधारित भेदभाव समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए केन्द्र और राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए चलाई जा रही योजनाओं में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है। सुरक्षित राष्ट्र और सुरक्षित राजस्थान के लिये केन्द्र व राजस्थान सरकार प्रत्येक दिन नये सिरे से नई परिस्थितियों के अनुरूप नई योजनाओं के साथ नये सिरे से महिला सुरक्षा का वातावरण बनाने का सफल प्रयास कर रही है। अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि एक सुरक्षित दुनिया प्रदान करने वाले सम्मेलनों के प्रति सभी राष्ट्र और राज्यों को अपनी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करना होगा ताकि महिलाओं को पुरुषों के साथ समानता से वंचित नहीं किया जा सके और अपराधियों के प्रति अधिकारियों की जवाबदेहता सुनिश्चित हो सके। इसके लिये सभी को एकजुट होकर भेदभावपूर्ण लिंग आधारित हिंसा को रोकने के लिए सक्रिय भागीदारी निभानी होगी।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी।

देवनानी ने राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ के सम्मेलन में दिये अपने सम्बोधन में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमता से विधायी मण्डलों को नियमित कार्यों को सुचालित करने और जटिल डेटा के विश्लेषण करने के नये अवसर मिले हैं। राजस्थान विधानसभा में सदन की कार्यवाही का सजीव प्रसारण किया जा रहा है। ई-विधान के माध्यम से विधान सभा की सभी प्रक्रियाओं को डिजिटलीकरण किया जा रहा है। इससे विधानसभा के सभी कार्य पेपर लैस हो जायेंगे। विधायी मण्डलों के लिये यह नवाचार है।

कपड़े धोने गई महिला की कुएं में डूबने से मौत

डूंगरपुर, (निसं)। चौरासी थाना क्षेत्र के मांडेला उपली गांव में कुएं में डूबने से एक महिला की मौत हो गई। महिला कुएं पर कपड़े धोने गई थी। पैर फिसलने से हादसा होना सामने आया है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं, मामले की जांच शुरू कर दी है।

चौरासी थाने के हैड कॉन्स्टेबल ईश्वरलाल ने बताया कि मांडेला उपली निवासी बदा कटारा ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि कल शाम उसकी भाभी अम्बाड़ी कटारा कपड़े धोने के लिए कुएं पर गई थी, जो रात तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। सुबह परिजनों ने फिर से उसकी तलाश की तो खेत में कुएं के पास अम्बाड़ी की चप्पल पड़ी हुई थी। परिजनों को कुएं में गिरने की आशंका हुई, जिस पर परिजनों ने कुएं में महिला की तलाश की और शव मिलने पर उसे बाहर निकाला। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को डूंगरपुर जिला अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाया, जहां पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं, मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुजरात नंबर की कार से 14 लाख की नगदी मिली

डूंगरपुर, (निसं)। सागवाड़ा थाना पुलिस ने एक गुजरात नंबर की कार से 14 लाख रुपए का कैश बरामद किया है। एक बैग में कैश भरा हुआ था। माहीपुल पर पुलिस ने नाकेबंदी कर कार से कैश पकड़ा है। पुलिस ने कार ड्राइवर करण सिंह को डिटेन किया है।

सागवाड़ा थानाधिकारी प्रभुलाल ने बताया कि चौरासी विधानसभा उपचुनावों को लेकर जिले में आचार संहिता लागू है। इसके तहत जिले के सभी बॉर्डर पर नाकाबंदी कर गाड़ियों की तलाशी ली जा रही है। इसके तहत सागवाड़ा थानाधिकारी प्रभुलाल, हेड कॉन्स्टेबल मयदीप सिंह, गजेंद्र सिंह, कॉन्स्टेबल लोकेंद्र सिंह, रोहित सिंह, आसूचना अधिकारी घनश्याम सिंह, दीपक और हितेश की टीम ने बांसवाड़ा-डूंगरपुर के माही पुल पर नाकाबंदी कर गाड़ियों की तलाशी ली। इस दौरान गुजरात की ओर से आ रही एक गुजरात नंबर की कार को रूकवाया। कार चालक करण सिंह (34) पुत्र डूलेसिंह राव निवासी डेयाना थाना गढ़ी बांसवाड़ा घबरा गया। पुलिस ने कार की तलाशी ली। कार में एक बैग में भारी कैश भरा हुआ था। कैश ले जाने का कोई डॉक्यूमेंट नहीं मिला। इस ओर पुलिस ने कैश जब्त कर गिनती की है, जिस पर 14 लाख कैश पाया।

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण (राज0)

पता :- सी0ए0डी0 सर्किल, दशहरा ग्राउण्ड, कोटा
ई-मेल :- nnksouth@gmail.com, website: www.kotamc.org

क्रमांक :- ननिकोद/गौशाला/2024/12359-70 दिनांक :- 05.11.2024

ई-बिड सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम, कोटा दक्षिण की गौशाला बंधा धर्मपुरा एवं कायन हाउस किशोरपुरा में कपासिया खल (बिनौला) आपूर्ति कार्य हेतु अनुमानित व्यय 25 लाख रूपये की ई-बिड आमन्त्रित की जाती है। निविदा में भाग लेने हेतु अमानत राशि जरिये डीडी/पे-ऑर्डर द्वारा प्राप्त की जावेगी। ई-बिड सूचना निगम वेबसाइट www.kotamc.org /www.sppp.rajasthan.gov.in / eproc.rajasthan.gov.in पर देखी तथा बिड प्रपत्र भी डाउनलोड किये जा सकते है और eproc.rajashthan.gov.in पर ऑनलाईन ई-बिड अपलोड/सबमिट की जा सकती है एवं कमरा नम्बर 416 में बिड शुल्क/अमानत राशि/एम.डी.,आर.आई.एस.एल शुल्क जमा किये जा सकते है। नियत समय तक प्राप्त ई-बिड की तकनीकी बिड को दिनांक 20.11.2024 को सायं 5:00 बजे ऑनलाईन खोला जावेगा।

NIB Code – DLB2425A3704
UBN No. - DLB2425GLOB 11530
राज.संवाद/सी/24/7379

उपायुक्त गौशाला
नगर निगम, कोटा दक्षिण

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद जालोर

क्रमांक-एफ( )/निविदा/2024-25/1145 दिनांक-29.10.2024

NOTICE INVITING BID
NIT NO. 14-23/2024-25

Bids for NRM & Production Works Under MJSA-2 and PMKSY 2.0 project area in Jalore and Sanchore of estimated Value INR 1391.84 Lacs are invited from interested bidders Up to 3.00 PM 19.11.2024. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https//eproc.rajasthan.gov.in or https://Sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB NO.	UBN NO.
NIT-14/2024-25, MJSA-2	Rooftop, Tanka with Agor, Farm Pond and Khadin (Raniwara)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00599
NIT-15/2024-25, MJSA-2	Tanka, Farm Pond and Khadin (Sarnau)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00600
NIT-16/2024-25, MJSA-2	Khadin with Pakka Waist Wair (Ahore)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00601
NIT-17/2024-25, MJSA-2	Rooftop Tanka and Tanka with Agor (Sayla)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00602
NIT-18/2024-25, PMKSY-2	Cattleshed (Jaswantpura)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00603
NIT-19/2024-25, PMKSY-2	Cattleshed (Chitalwana)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00604
NIT-20/2024-25, PMKSY-2	Cattleshed (Sanchore)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00605
NIT-21/2024-25, PMKSY-2	Tanks (Sanchore)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00606
NIT-22/2024-25, PMKSY-2	Tanks (Chitalwana)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00607
NIT-23/2024-25, PMKSY-2	Tanks (Chitalwana)	WSC2425A0285	WSC2425WSRC00608

DIPR/C/10852/2024

(Arun Kumar Ameta)
SE & PMWCDC, ZILA PARISHAD, JALORE
DDO CODE NO. 28606

अधिक ब्याज के लालच में करोड़ों रुपए हड़पे

अजमेर, (कासं)। ब्याज के लालच में अजमेर के परिवार सहित कई लोगों के 4.54 करोड़ रुपए गवां दिए। पाली निवासी जितेंद्र सिंह चारण ने एस्ट्रिम टोकन कंपनी में 15 प्रतिशत ब्याज का झांसा देकर बड़ल्या निवासी रतन सिंह रावत को कंपनी का प्रतिनिधि बनाया। चारण के झांसे में आकर रतन ने स्वयं सहित परिवार के अन्य सदस्यों के रुपए कंपनी में निवेश करवा दिए, लेकिन कुछ समय बाद शातिर युवक फरार हो गया। आदर्श नगर थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच में जुटी है।

आदर्श नगर थाने के एएसआई भूरी सिंह ने बताया कि जेएम-4 न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया है। बड़ल्या निवासी रतन सिंह ने अदालत में दायर इस्तगासे में बताया कि पाली के रहने वाले जितेंद्र सिंह के वे संपर्क में आया और उसने कंपनी में निवेश के नाम पर भारी मुनाफे का लालच दिखाया। जितेंद्र ने उसे बताया कि उनकी कंपनी भारत सहित बर्मा, नेपाल और भूटान में भी काम कर रही है। ऐसे में उसका विश्वास और गहरा हो गया और उसने स्वयं सहित अन्य परिजन से भारी निवेश करा दिया। कंपनी ने चेन सिस्टम के आधार पर लोगों को जोड़ने के लिए प्रेरित किया, जिससे कई और भोले-भाले लोग उसके झांसे में आ गए। लोगों ने जब रुपए का तकाजा किया तो शातिर जितेंद्र सिंह चरण फरार हो गया। पुलिस आरोपी युवक की तलाश कर रही है।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी भाजपा युवा सम्मेलन में पहुंची

जयपुर। रामगढ़ में बुधवार को राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी गोविंदगढ़ पहुंची जहां पर उन्होंने भाजपा के कार्यालय का उद्घाटन किया। उसके बाद वह रामगढ़ के एक निजी मैरिज होम में आयोजित भाजपा के युवा सम्मेलन में पहुंची जहां पर उन्होंने राजस्थान सरकार के द्वारा पिछले आठ माह में कराए गए विकास कार्य को जनता के बीच रखा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं अखबारों में देख रही थी कि कांग्रेस के प्रत्याशी के खिलाफ धोखाधड़ी के दो मामले दर्ज मुझे रामगढ़ की जनता बताएं कि जो व्यक्ति चुनाव से पहले ही लोगों के साथ धोखा कर चुका है क्या वह जनता के साथ धोखा नहीं करेगा? वहीं हमारे सुखवंत सिंह को लेकर हम सुनते हैं कि वह सज्जन आदमी हैं, अब आप लोगों को तय करना है कि आप सज्जन को अपना विधानसभा का साथी चुनोगे या फिर धोखेबाज इंसान को।

समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़ रही सुमन नाजुक ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के सामने भाजपा को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि मैं नरेंद्र मोदी के विचारधारा से प्रभावित हूं इसलिए मैं भाजपा को समर्थन दे रही हूं। युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें उसे पार्टी का साथ देना है जो देश का साथ दे रही है। सलूंबर विधानसभा के डगार गांव में कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत एवं सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक प्रमोद सामर डालचंद डांगी उदयपुर शहर भाजपा जिला महामंत्री गजपाल सिंह राठौड़ पूर्व आसपुर विधायक गोपीचंद मीणा पूर्व महापौर रजनी डांगी ने चुनावी जनसभा को संबोधित किया।

वहीं खींवसर विधानसभा में भाजपा सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश रावत, प्रदेश महामंत्री व विधायक जितेंद्र गोठवाल ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया। मंत्री सुरेश रावत ने बताया कि मैं प्रभारी के नाते यहाँ पर काम कर रा हूँ , गाँव गाँव ढाणी ढाणी घूम रहा हूँ। यहाँ के लोग का मत स्पष्ट है कि एक तरफ़ भाजपा की सरकार विकास के नाम पर चुनाव लड़ रही है। जितेन्द्र गोठवाल ने बताया कि अगर भारतीय जनता पार्टी का उम्मीदवार जीतेगा तो विकास में कोई कमी नहीं रहेगी और खींवसर में चहुमुखी विकास होगा। झुंझुनूँ में आज चनाना, भुकाना व गोवला ग्रामपंचायतों के संयुक्त जनसंपर्क कार्यक्रम में पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भाम्भू के समर्थन प्रचार किया और कार्यकर्त्ताओं का मनोबल बढ़ाया। चौरासी विधानसभा में कुआं मंडल के मेगांव कुआं में जनसंपर्क के दौरान भाजपा प्रत्याशी कारीलाल ने कहा कि गांववासियों के स्नेह और समर्थन ने हमारी उम्मीदों को एक नई दिशा मिल रही है।

एजुकेशन प्री-समिट में हुए 28 हजार करोड़ के 507 एम.ओ.यू. : भजनलाल शर्मा

एजुकेशन प्री समिट कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, कौशल नियोजन उद्यमिता विभाग, युवा एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ मौजूद रहे।

- **उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कौशल एवं उद्यिमता विभाग तथा खेल एवं युवा मामलात के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा आयोजन**
- **नए शैक्षिक दृष्टिकोण, डिजिटल लर्निंग और रोजगारोन्मुखी कौशल एजुकेशन के साथ शिक्षा के क्षेत्र में निवेश पर होगा गहन मंथन**

जयपुर। कभी मरूभूमि के रूप में पहचान रखने वाला हमारा राजस्थान निरंतर प्रगति, समृद्धि और उन्नित के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास और जनता के हितोतार्थ राइजिंग राजस्थान जैसा ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व आयोजन आयोजित होने जा रहा है। इससे पूर्व प्रदेश की शिक्षा में नवनिर्माण का मार्ग प्रशस्त करने, सकारात्मक परिवर्तन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न उद्देश्यों को साकार करने और शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की दिशा में 6 नवंबर को होटल इंटरकॉन्टिनेंटल, टोंक रोड, जयपुर में एजुकेशन प्री-समिट 2024 का आयोजन किया गया। उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कौशल एवं उद्यिमता विभाग तथा खेल एवं युवा मामलात के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह सम्मेलन न केवल शिक्षा क्षेत्र के भामाशाह, दानदाता, और हितधारकों को एक साथ लाएगा, बल्कि शिक्षा के भविष्य के विकास हेतु रणनीतियों और नवाचारों पर विचार-विमर्श का एक महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान करेगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, कौशल नियोजन उद्यिमता विभाग, युवा एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा विकास का मुख्य आधार होती है, शिक्षा में किया गया छोटा निवेश भी बड़ा प्रभाव लाता है। वह सबसे अहम होता है। उन्होने बताया कि प्री-समिट में 28 हजार करोड़ के 507 एमओयू किए गए हैं, जो शिक्षा, तकनीकी-उच्च शिक्षा, कौशल विकास व खेल में विकास की नई राह खोलेंगे। राजस्थान में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और हालांकि हमारे पास तैयारी के लिए सीमित समय था, लेकिन हम आपके सहयोग से इन पहलों को सफलतापूर्वक लागू करने में सक्षम होंगे। हम 6 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार देने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। चाहे खनन हो, स्वास्थ्य हो या ऊर्जा, सभी क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 राजस्थान के लिए आर्थिक विकास के एक नए युग की शुरुआत करेगा।" मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के कुशल नेतृत्व में हो रही इस प्री समिट का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल, ई-लर्निंग, डिजिटल शिक्षा, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, नए शैक्षिक दृष्टिकोण, कौशल विकास की सहायता से शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने के प्रयास, नवाचार और भविष्य की संभावनाओं के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर उच्च-स्तरीय मंथन करना है। यह समिट राज्य की राजकीय शिक्षा में सुधार और उन्नति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसके बाद शिक्षा में नवनिर्माण का नया युग प्रारंभ होना सुनिश्चित किया जाने की उम्मीद है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में राजस्थान प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मुझे खुशी है कि इस आयोजन का उद्देश्य आर्थिक सहयोग नहीं बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि अपनी माटी से जुड़ने के लिए मैं राजस्थान के लोगों का, निवेशकों, भामाशाहों, दानदाताओं का आभार प्रकट करता हूं। शिक्षा जीवन की नींव होती है, जो भी मंजिलें तय की जाएंगी, यह उनका आधार होगी। हम शिक्षा के साथ संस्कार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कौशल नियोजन उद्यमिता विभाग, युवा एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि शिक्षा डिग्री के लिए नहीं जीवन के लिए होनी चाहिए। खेल अनुशासन, आत्मविश्वास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राजस्थान सरकार का ध्येय है कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था को केवल राज्य स्तर पर ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। इन उद्देश्यों की परिपूर्णता हेतु इस वृहत आयोजन में शिक्षा क्षेत्र के विशिष्ट नीति विशेषज्ञ, शिक्षाविद, उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियां, भामाशाह, दानदाता और प्रदेश की शिक्षा को नई दिशा देने वाले विशेषजन शामिल हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के भविष्य का राजस्थान विजन को साकार करने के तीव्र प्रयास राजस्थान सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। एजुकेशन प्री-समिट इसी स्वर्णीम यात्रा का एक अहम पड़ाव है। इस पड़ाव में उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा , कैबिनेट मिनिस्टर कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ , उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर सहित निवेशक एवं अधिकारी मौजूद रहे।

देवली-उनियारा, झुंझुनूं और खींवसर में त्रिकोणीय संघर्ष

बिगड़ रहे पार्टियों के समीकरण

- **नरेश मीणा और राजेंद्र गुढ़ा ने कांग्रेस का संकट बढ़ाया, खींवसर में हनुमान बेनीवाल की कड़ी परीक्षा**
- **दौसा में पायलट, मुरारी और किरोड़ी की प्रतिष्ठा का चुनाव, सलूंबर में भाजपा तो रामगढ़ में कांग्रेस सहानुभूति के सहारे**

जयपुर। राजस्थान में हो रहे उपचुनाव में देवली और दौसा के अलावा झुंझुनू और खींवसर विधानसभा सीट के उपचुनाव में सबसे ज्यादा रोमांच पैदा हुआ है। दरअसल इन सीटों पर बड़े नेताओं की प्रतिष्ठा तो दाव पर लगी ही है। साथ ही इन सीटों के त्रिकोणीय मुकाबले ने भी चुनाव को काफी रोचक बना दिया है और यही कारण है कि रामगढ़, सलूंबर और चौरासी की जितनी चर्चा नहीं हो रही, उतनी इन चार सीटों की चर्चा हो रही है। सलूंबर में भाजपा और रामगढ़ में कांग्रेस सहानुभूति के आधार पर अपनी जीत के दावे कर रही है। वही चौरासी में बाप अपनी परंपरागत सीट को बरकरार रखने के लिए पूरी तरह से जुटी हुई है। वैसे उपचुनाव के परिणाम कुछ भी हो लेकिन यह तय है कि कांग्रेस के लिए यह उपचुनाव घाटे का सौदा साबित होंगे।

जहां तक सबसे रोमांचक मुकाबले की बात करें, तो वह देवली उनियारा में नजर आ रहा है, जहां कांग्रेस का टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय के तौर पर ताल ठोकने वाले नरेश मीणा ने कांग्रेस के लिए बड़ी मुसीबत पैदा कर दी है। वहीं भाजपा उम्मीदवार राजेंद्र गुर्जर को भी कड़ा प्रयास करना पड़ रहा है। दरअसल नरेश मीणा के साथ में युवाओं की भारी भीड़ जुटने की वजह से दोनों पार्टियां परेशानी में है और नरेश मीणा ने बिना किसी बड़े नेता के साथ हुए बिना भी देवली उनियारा में अपना प्रभाव दिखा रहे है। वहीं भाजपा से कांग्रेस में आए बिना ही के सी मीणा को टिकट दिए जाने पर स्थानीय कांग्रेसजन उम्मीदवार को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। इधर खींवसर सीट पर इस बार हनुमान बेनीवाल की कड़ी परीक्षा हो रही है। जहां उन्होंने अपनी पत्नी कनिका बेनीवाल को आरएलपी का उम्मीदवार बनाया है। वहीं भाजपा ने एक बार फिर रेवंत राम डागा को मौका दिया है, जो 2023 का चुनाव 2000 वोटो से हारे थे। वहीं कांग्रेस ने भी गठबंधन टूटने के बाद रतन चौधरी को मैदान में उतारा है। ऐसे में यहां त्रिकोणीय मुकाबले में एक-एक वोट का महत्व बढ़ गया है और सिर्फ हनुमान बेनीवाल नहीं, बल्कि पूरी आरएलपी पार्टी की प्रतिष्ठा दाव पर लगी है।

जहां तक दौसा की बात करें, तो यहां डॉ किरोडी लाल मीणा के भाई जगमोहन भाजपा के उम्मीदवार हैं। ऐसे में यहां पूरा चुनाव डॉ किरोडी लाल मीणा के कंधे पर है। दूसरी ओर कांग्रेस में उम्मीदवार डीसी बैरवा के चलते सचिन पायलट और सांसद मुरारी लाल मीणा की प्रतिष्ठा दाव पर लगी है। यहां जातीय समीकरण भाजपा के पक्ष में नजर आ रहे हैं और कुछ वोटो का इधर से उधर होना परिणाम को बदल सकता है। ऐसे में यहां का चुनाव भी काफी रोमांच भरा नजर आ रहा है। झुंझुनू में कांग्रेस में फिर ओला परिवार से उम्मीदवार आने से एक चर्चा चल पड़ी है कि क्या कांग्रेस ओला परिवार के बाहर भी निकलेगी। इस बात का कहीं ना कहीं पार्टी को नुकसान होता दिख रहा है। वहीं भाजपा ने एक बार फिर राजेंद्र भांभू पर विश्वास जताया है। साथ ही इस बार भाजपा में झुंझुनू में बगावत नहीं है। बबलू चौधरी का नामांकन वापस करवाकर भाजपा ने खुद को मुकाबले में खड़ा कर दिया है। कांग्रेस के लिए पूर्व मंत्री और निर्दलीय उम्मीदवार राजेंद्र गुढ़ा ने परेशानी खड़ी कर दी है। मुस्लिम और अनुसूचित जाति के वोटरों में राजेंद्र गुढ़ा की घुसपैठ कांग्रेस के लिए बड़ा सिरदर्द साबित होती लग रही है। यदि राजेंद्र गुढ़ा के साथ आ रही भीड़ वोटो में तब्दील हो गई, तो कांग्रेस को झुंझुनू में बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

सी.एम. को मिली अग्रिम जमानत रद्द कराने के लिए पेश प्रार्थना पत्र खारिज

जयपुर। जिले के अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 ने गोपालगढ़ दंगा प्रकरण में सीएम भजनलाल शर्मा को मिली अग्रिम जमानत को रद्द कराने के लिए पेश प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है। सांवरमल चौधरी ने अग्रिम जमानत की शर्त की अवहेलना कर अदालत की अनुमति के बिना विदेश जाने का आरोप लगाते हुए यह प्रार्थना पत्र पेश किया था।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि प्रकरण में यह साबित नहीं है कि मामले में प्रार्थी का कोई हित जुड़ा हो या वह एफआईआर दर्ज कराने वाला हो। वह न तो मामले में पीड़ित है और ना ही उसे किसी प्रकार का नुकसान या उसका हित प्रभावित हुआ है। ऐसे में उसे प्रार्थना पत्र पेश करने का अधिकार नहीं है। इसलिए प्रार्थना पत्र को खारिज किया जाता है।

प्रार्थना पत्र में कहा गया था कि गोपालगढ़ दंगा प्रकरण में सीबीआई ने एफआईआर दर्ज कर कई साल पहले आरोप पत्र पेश कर दिया है। इस एफआईआर में भजनलाल शर्मा ने अग्रिम जमानत के लिए अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र पेश किया था। जिसे अदालत ने 10 सितंबर, 2013 को स्वीकार कर सशर्त अग्रिम जमानत दी थी। अग्रिम जमानत आदेश में शर्त लगाई गई थी कि भजनलाल बिना अदालत की अनुमति देश से बाहर नहीं जाएंगे। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि भजनलाल शर्मा जमानत की शर्त की अवहेलना कर बिना अनुमति विदेश गए। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि भजनलाल अब प्रदेश के सीएम बन गए हैं और केन्द्र में भी भाजपा की सरकार है। अदालती आदेश की अवहेलना करने का तथ्य सामने लाने की जिम्मेदारी अभियोजन पक्ष की थी, लेकिन उनकी ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे में अग्रिम जमानत को निरस्त कर उन्हें अभिरक्षा में लिया जाए। प्रार्थना पत्र का विरोध करते हुए सीएम की ओर से अधिवक्ता अश्विनी बोहरा ने कहा कि प्रार्थना पत्र दायर करने वाला निजी व्यक्ति है और उसके किसी अधिकार का हनन नहीं हुआ है। इसलिए प्रार्थना पत्र खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है।

दिव्यांग को चयन प्रक्रिया में शामिल करने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हिंदी विषय के असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती-2023 से जुडे मामले में दिव्यांग याचिकाकर्ता को चयन प्रक्रिया में शामिल करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश गिरिजेश व्यास की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने कॉलेज शिक्षा के असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए गत वर्ष आवेदन मांगे थे। जिसमें याचिकाकर्ता ने दिव्यांग वर्ग की एलडी कैटेगरी में आवेदन किया। याचिकाकर्ता के पास बहु दिव्यांगता का प्रमाण पत्र है, जिसमें वह शरीर की दो दिव्यांगता से पीड़ित है।

'राइजिंग राजस्थान' समिट से पहले जयपुर परकोटे को निखारेगा हैरिटेज नगर निगम

आयुक्त अरूण कुमार हसीजा ने निगम अधिकारियों के साथ किया शहर में निरीक्षण

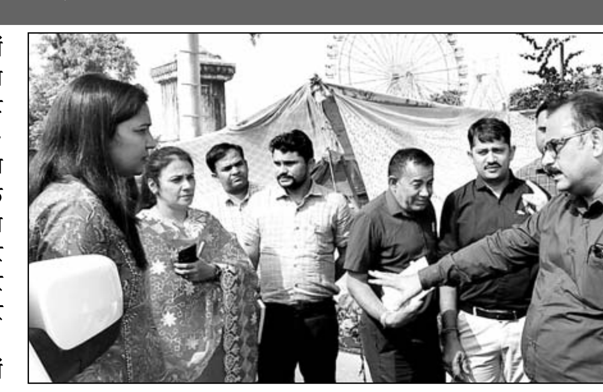

हैरिटेज नगर निगम आयुक्त अरूण कुमार हसीजा ने बुधवार को अधिकारियों के साथ जयपुर परकोटा क्षेत्र में सफाई और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

- **आमेर, जलमहल, हवामहल, जय निवास उद्यान, पौंड्रिक पार्क और ताल कटोरा जैसे पर्यटन स्थलों की साफ-सफाई के लिए विशेष इंतजाम होंगे**

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में 9 से 11 दिसंबर तक होने वाले 'राइजिंग राजस्थान' इन्वेस्टमेंट समिट से पहले जयपुर परकोटे की साफ-सफाई और यहां रंग-रोगन करवाने का काम होगा। हैरिटेज निगम आयुक्त अरूण कुमार हसीजा ने बुधवार को समिट की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की और इसके बाद परकोटा क्षेत्र का दौरा कर हालात भी जांचे।

आयुक्त अरुण हसीजा ने अफसरों से कहा कि, राइजिंग राजस्थान समिट में देश-विदेश से आमंत्रित अतिथि जयपुर आएंगे। इन मेहमानों को जयपुर की सौंदर्यता दिखे और वे गुलाबीनगरी की सुंदर छवि लेकर अपने साथ लौटे, इसी मंशा के साथ सभी लोग काम करें।

इसके लिए शहर की सफाई व्यवस्था सुधारें। विशेष तौर पर दिल्ली रोड, आमेर, जलमहल, हवामहल, जय निवास उद्यान, पौंड्रिक पार्क और ताल कटोरा जैसे पर्यटन स्थलों की सफाई व्यवस्था मजबूत की जाएं।

आयुक्त अरुण हसीजा ने सड़क की वाल पेंटिंग, सफाई व्यवस्था, रोड डिवाइडर पर पौधों की छंटाई के कार्य को भी समय पर पूरे करने के निर्देश दिए। उन्होंने हैरिटेज निगम मुख्यालय में राइजिंग राजस्थान को लेकर नियंत्रण कक्ष स्थापित करने के लिए कहा, जो कि 24 घंटे काम करेगा। इसके अलावा निगम की इंजीनियरिंग विंग को भी सड़क, डिवाइडर और जाली से संबंधित मरम्मत के कार्य समय पूर्व करने के निर्देश दिए। दिल्ली रोड पर सड़क पर अस्थाई अतिक्रमण हटाने के लिए पुलिस प्रशासन से साथ संयुक्त अभियान चलाने के लिए भी उपायुक्त सतर्कता शाखा को निर्देश दिया।

परकोटे में दुकानों के नामों में हों एकरूपता

आयुक्त अरुण हसीजा ने कहा कि जयपुर की विरासत और वैभव गुलाबी रंग से जुड़ी हुई है। ऐसे में विशेष तौर पर परकोटे के बाजारों में दुकानों का नाम नियम के अनुसार एक जैसा ही लिखा जाएं, जो कि सफेद पट्टी पर काले रंग से नाम लिखा जाता है। उन्होंने निगम अधिकारियों को सभी व्यापारियों से नियमानुसार दुकान का नाम लिखने की समझाइश के लिए भी कहा।

बैठक के तुरंत बाद आयुक्त ने क्षेत्र का दौरा भी किया। आयुक्त अरुण हसीजा ने चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, अजमेरी गेट, जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़, सुभाष चौक, आमेर रोड, रामगढ़ मोड और जल महल का निरीक्षण किया। इस दौरान कुछ जगहों पर गंदगी देख संबंधित अधिकारी को सख्त निर्देश देकर सफाई व्यवस्था मजबूत करने के लिए निर्देश दिए। जल महल की पाल पर टूटी टाइल को ठीक करने और सफाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान अतिरिक्त आयुक्त सुरेंद्र सिंह यादव, उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रवन कुमार वर्मा, जोन उपायुक्त व अन्य निगम अधिकारी मौजूद रहे।

समिट के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

जयपुर। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट को लेकर हैरिटेज निगम आयुक्त अरुण कुमार हसीजा ने नोडल अधिकारी नियुक्त किए है। सांगानेरी गेट से जौहरी बाजार, हवा महल तक निधि सिंह, हवा महल से जोरावर सिंह गेट तक सरिता मल्होत्रा, जोरावर सिंह गेट से जल महल, आमेर तक कविता चौधरी, अजमेरी गेट से सांगानेरी गेट तक जनार्दन शर्मा और आमेर फोर्ट से दिल्ली रोड और ट्रांसपोर्ट नगर तक युगांतर शर्मा को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार सड़क मरम्मत, सुधारीकरण, सौंदर्यीकरण और साफ सफाई जैसे कार्यों की व्यवस्था के लिए क्षेत्रवार नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

माइंस विभाग का "राइजिंग राजस्थान" प्री-समिट 8 नवंबर को होगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। माइंस एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त बताया कि 8 नवंबर को जयपुर में आयोजित माइंस व पेट्रोलियम सेक्टर के प्री समिट में माइनिंग सेक्टर के निवेश प्रस्तावों के एमओयू हस्ताक्षिरत होने के साथ ही खनिज खोज और खनन से जुड़े हुए ज्वलंत विषयों पर इस क्षेत्र से जुडे देश के जाने माने विशेषज्ञों के अनुभवों को साझा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही आयोजन स्थल पर छह स्टॉलों में राजस्थान के माइंस, पेट्रोलियम, सीजीडी गैस और रिफाइनरी से संबंधित ज्ञानवर्द्धक सामग्री भी प्रदर्शित की जाएगी। प्री समिट राजस्थान की अर्थव्यवस्था का मुख्य प्रेरक प्रदेश की खनिज संपदा थीम पर आधारित होगा।

- **निवेश एम.ओ.यू. के साथ ही प्रदेश के माइनिंग क्षेत्र के समग्र विकास पर होगा मंथन**
- **राजस्थान की अर्थव्यवस्था का मुख्य प्रेरक प्रदेश की खनिज संपदा थीम आधारित प्री-समिट**
- **खनन क्षेत्र के अब तक 70 हजार करोड़ से अधिक के एमओयू संपन्न**
- **समिट के दौरान प्रदर्शित होगी माइंस, पेट्रोलियम, सीजीडी गैस, रिफाइनरी से संबंधित ज्ञानवर्द्धक सामग्री**

प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त ने बुधवार को खान विभाग के प्री समिट के आयोजन स्थल का निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल, जेएस आशु चौधरी और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जायजा लिया।

प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त ने बुधवार को आयोजन स्थल होटल ललित का निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल, जेएस आशु चौधरी और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि माइनिंग एवं पेट्रोलियम सेक्टर में रोड शो व अन्य आयोजनों में अब तक 70 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर एमओयू हस्ताक्षिरत हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि 8 नवंबर को आयोजित प्री समिट में भी बड़ी संख्या में एमओयू हस्ताक्षिरत होंगे।

टी. रविकान्त ने बताया कि माइनिंग सेक्टर के प्री समिट को अधिक उपयोगी व निवेशोन्मुखी बनाया जा रहा है। इस अवसर पर खनिज अन्वेषण, डाटा विष्लेषण, मशीन लर्निंग में आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस की भूमिका और मिनरल एक्सप्लोरेशन में जियो इंफोरमेटिक्स की भूमिका पर धनबाद और कानपुर आईआईटी के प्रोफेसर एसएस राय का विशेषज्ञ व्यक्तव्य और पर चर्चा होगी। इसी तरह से एक अन्य सत्र में डीप सीटेड बेस मेटल डिपोजिट्स लेड, जिंक, तांबा और संबंधित खनिजों पर अनिंध्य भट्टाचार्य उप महानिदेशक जियोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया विशेषज्ञ व्यक्तव्य देंगे और उस पर चर्चा होगी।

क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक खनिज रेयर अर्थ एलिमेंट और प्लेटिनम गुरप ऑफ एलिमेंट्स पर चर्चा का एक सत्र रखा गया है जिसमें सीएमडी इंडियन रेयर अर्थ डॉ. दीपेन्द्र सिंह, रिटायर्ड प्रोफेसर एमके पण्डित, शैलेन्द्र शर्मा क्षेत्रीय निदेशक एएमडी, जीएसआई से संजय सिंह, एनपीईए के निदेशक डॉ. येरी स्वामी पाटिल पेनलिस्ट होंगे तो इस सत्र को निदेशक जीएसआई हरीश मिस्त्री मॉडरेट करेंगे। इसी तरह से खनिज संसाधन वृद्धि में खनन कंपनियोंऔर निजी अन्वेषण संस्थाओं की भूमिका पर मंथन होगा। इस सत्र में सीएमडी एचसीएल घनश्याम शर्मा, एनपीईए के निदेशक डॉ. चेन्नामल्लिकार्जुन बी पाटिल, हिन्दुस्तान जिंक के निदेशक एक्सप्लोरेशन कुलदीप सिंह सौलंकी, माइनिंग टेक्निकल इजिप्ट के प्रमुख मुस्तफा साबेर पेनलिस्ट होंगे और एसके मिण्डा मॉडरेटर होंगे।

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि समिट में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों को राजस्थान के खनिज व खनिज से जुडी जानकारियों से रुबरु कराने के लिए छह स्टॉल्स लगाई जाएगी। इनमें प्रदेश की खनिज, पेट्रोलियम, सीजीडी आदि से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों का समावेष करते हुए खान विभाग, राजस्थान माइंस एवं मिनरल्स लि. आरएसएमएम, सीडॉस, एचआरआरएल राजस्थान रिफाइनरी, राजस्थान स्टेट गैस लि. व राजस्थान पेट्रोलियम की स्टॉल्स में ज्ञानवर्द्धक सामग्री प्रदर्शित की जाएगी।

निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि राइजिंग राजस्थान प्री समिट की आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने प्रभारी अधिकारियों से प्रगति की जानकारी भी ली।

इस अवसर पर नोडल अधिकारी बीएस सोढ़ा, अतिरिक्त निदेशक पेट्रोलियम अजय शर्मा, एमडी आरएसजीएल रणवीर सिंह, एसएमई जय गुरुबख्सानी, एनएस शक्तावत, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, एसजी संजय दुबे, संजय सक्सैना, डीजीएम आरएसजीएल विवेक श्रीवास्तव, डीएम आईटी गगनदीप राजोरिया सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मेडिकल कॉलेज की याचिका खारिज

- **एमबीबीएस की सीटें कम करने को दी थी चुनौती**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आकस्मिक जांच में संसाधनों की कमियां पाए जाने पर मेडिकल कॉलेज की एम.बी.बी.एस. की सीटें कम करने के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश इंडियन मिशन ऑफ मेडिकल साइंसेज सोसायटी, कोटा और सुधा मेडिकल कॉलेज, झालावाड की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के डीन ने अपील के निर्णय के दौरान सौ सीटों पर प्रवेश के साथ कॉलेज की स्थापना को स्वीकार किया था। ऐसे में याचिकाकर्ता एस्टोपल के सिद्धांत से बंधा हुआ है।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता ने मेडिकल कॉलेज के लिए आवेदन किया था। इस पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने प्रारंभिक जांच के बाद 24 मार्च, 2023 को पत्र जारी कर याचिकाकर्ता को तीन शैक्षिणक सत्रों के लिए 150 सीटों की क्षमता वाले मेडिकल कॉलेज की स्थापना की अनुमति जारी कर दी। इसके बाद याचिकाकर्ता ने सभी औपचारिकताएं पूरी कर राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्धता और मान्यता के लिए आवेदन किया। आरयूएचएस ने भी 9 अप्रैल, 2023 को उसे अनुमति दे दी। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता ने कॉलेज स्थापना के लिए नेशनल मेडिकल कमीशन के समक्ष अनुमति के लिए आवेदन किया। इस पर पर राष्ट्रीय चिकित्सा मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड ने कुछ कमियां बताते हुए याचिकाकर्ता को गत तीन अप्रैल को नोटिस दिया। जिसका याचिकाकर्ता ने जवाब दे दिया। याचिका में कहा गया कि बोर्ड ने आकस्मिक निरीक्षण कर संस्थान में संसाधनों और फैकल्टी की कमी बताकर गत 4 जुलाई को 150 सीटों को घटाकर सौ सीटें कर दी।

जयपुर डेयरी ने शुरू की 'सरस घी' फ्री होम डिलीवरी

जयपुर। जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0, (जयपुर डेयरी) के द्वारा सरस उपभोक्ताओं तक शादी समारोह एवं अन्य आयोजनों में उपभोक्ताओं के घर तक सरस घी पहुंचाने की शुरूआत की गई। प्रथम सरस घी फ्री होम डिलीवरी स्कीम की शुरूआत आर.सी.डी.एफ. प्रशासक एवं प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज तथा जयपुर डेयरी के प्रबन्ध संचालक मनीष फौजदार ने डिलीवरी वाहन को हरी झण्डी दिखाकर की।

सड़कों पर गंदगी देखकर नाराज हुई कुसुम यादव

जयपुर। हैरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव ने मंगलवार देर रात बाद शहर में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया।

इस दौरान महापौर ने नेहरू बाजार, छोटी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, बड़ी चौपड़, रामगंज, आमेर रोड, जल महल, ब्रह्मपुरी आदि जगहों पर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। कई जगहों पर कचरा देख महापौर नाराज भी हुई, उन्होंने संबंधित मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक को सफाई व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए। वहीं, नाइट स्विपिंग के तहत निगम द्वारा की का रही सफाई व्यवस्था में लगे सफाई कर्मियों की हाजिरी भी चैक की।

महापौर कुसुम यादव ने बताया कि आगामी महीने में प्रस्तावित राइजिंग राजस्थान आयोजन में देश-विदेश से अतिथि जयपुर को निहारने आयेंगे। ऐसे में वे शहर की अच्छी इमेज लेकर अपने साथ जाएं, इसके लिए हेरिटेज निगम अलर्ट मोड पर है। सड़कों पर कचरा फैला हुआ है, ऐसे में सभी अधिकारियों को निर्देश दिए है, कि वे ऑफिस के बजाए फिल्ड में जाकर व्यवस्था को सुदृढ बनाएं। वे खुद भी औचक निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा ले रही है। जहां भी गंदगी पाई जाएगी, संबंधित के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

सार-समाचार

सब जूनियर वूशु प्रतियोगिता 10 को

जालोर, (कासं)। जिला स्तरीय सब जूनियर वूशु प्रतियोगिता 10 नवम्बर को आयोजित होगी। जिला वूशु संघ के अध्यक्ष शिवदत्त आर्य ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 2010 से 2017 के मध्य जन्म लिए खिलाडी ही भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित होगी। अंडर 14 आयुवर्ग में 2010 से 2012 के मध्य जन्मे खिलाडी भाग लेंगे। इस आयुवर्ग के अन्तर्गत बालिकाओं में 39, 42, 45, 48, 52 व 56 किलो वजन वर्ग के खिलाडी भाग ले सकते है। वहीं बालकों में 39, 42, 45, 48, 52, 56 व 60 किलो भारवर्ग के खिलाडी भाग ले सकेंगे। इसी प्रकार अंडर 12 आयुवर्ग में 2013 से 2017 के मध्य जन्मे खिलाडी भाग ले सकते हैं। इस आयु वर्ग के अन्तर्गत बालक व बालिका दोनों ही वर्गों में 21, 24, 27, 30, 33 व 36 किलो वजन वर्ग के खिलाडी भाग ले सकेंगे। जिला वूशु संघ के महासचिव कन्हैयालाल मिश्रा ने बताया कि खिलाड़ियों का वजन 9 नवंबर को शाम 4 बजे स्टेडियम के बहुद्देशीय हॉल में लिया जाएगा। वजन के समय सभी खिलाडी अपने आधार कार्ड की फोटोकॉपी व जन्मतिथि को प्रमाणित करने के लिए बोर्ड मार्कशीट अथवा जन्मप्रमाणपत्र की फोटोकॉपी व अभिभावक सहमति पत्र अनिवार्य रूप से साथ लेकर आएंगे। प्रतियोगिता में केवल जालोर जिले के खिलाडी ही भाग ले सकेंगे। अन्य विस्तृत जानकारी हेतु सभी खिलाडी अपने कोच अथवा जालोर वूशु संघ के कार्यालय सुंदेलाव तालाब स्थित आर्यवीरदल,हनुमान व्यायामशाला में शाम 5 से 7 बजे के मध्य संघ के सचिव से संपर्क कर सकते हैं। जिला स्तरीय वूशु प्रतियोगिता के विजेता खिलाडी 15 से 17 नवम्बर तक श्रीगंगानगर में राजस्थान वूशु संघ के तत्वावधान में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय सब जूनियर वूशु प्रतियोगिता में जालोर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

करूणा क्लब की कार्यकारिणी गठित

पाली, (नि.सं.)। बुधवार को करूणा क्लब की कार्यकारिणी का गठन किया गया। करूणा इन्टरनेशनल क्लब का वार्षिक अधिवेशन 28-29 दिसम्बर 24 को तखतगढ़ (पाली) में आयोजित होगा। करूणा इन्टरनेशनल क्लब के अध्यक्ष जय शंकर त्रिवेदी ने बताया कि करूणा केन्द्र, पाली की कार्यकारिणी का गठन कर दिया है। चेयरमैन पद के लिए कृष्ण कुमार शर्मा, अध्यक्ष जय शंकर त्रिवेदी, सचिव प्रदीप दवे,सह सचिव हरवंश दवे, राजेंद्र जैन,वीरमदेव जोशी, कानाराम कीर को बनाया गया। प्रचार प्रसार मंत्री राजेन्द्र आर्य, सांस्कृतिक मंत्री कमल जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए गोपीदास रामावत, जगदीश मंत्री,व सुनील जोशी को बनाया गया। उपाध्यक्ष के लिए भीम सिंह चम्पावत, प्रवीण दाधीच, हजारी यादव, कोषाध्यक्ष के लिए रमाकांत मिश्रा,सह कोषाध्यक्ष के लिए दलपत सिंह, संगठन मंत्री पुखराज शर्मा,सह संगठन मंत्री बाबूलाल, अजीत सिंह, केसाराम पीयूष शर्मा को बनाया गया। महिला प्रभारी भावना शेखावत व प्रिया शर्मा को बनाया गया। सभी पदाधिकारियों को दिसम्बर माह में होने वाले कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दायित्व दिया गया। यह सभी दायित्वों को करूणा इन्टरनेशनल के प्रधान कार्यालय के सचिव पदम चंद छाजेड़ को चैन्नई भेज दी गई। केन्द्राधीक्षक मीठालाल जोशी तखतगढ़ के निर्देशन में कार्यकारिणी का गठन किया गया।

शास्त्रों व ग्रंथों का पूजन किया

जोधपुर, (कासं)। ज्ञान पंचमी पर साध्वी कारुण्य लता की निश्रा में शास्त्रों-ग्रंथों का पूजन किया गया। राजेन्द्र भवन में 51 आराधकों ने तपस्या व आराधना की। राजेन्द्र त्रिस्तुतिक संघ भवन में साध्वी कारुण्य लता ने ज्ञान पंचमी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वैसे तो इंसान मति एवं श्रुतज्ञान लेकर जन्म लेता है, लेकिन बाद के तीन ज्ञान की प्राप्ति के लिए उसे काफी संघर्ष के साथ मेहनत करनी पड़ती है। हमारी मति एवं श्रुतज्ञान निर्मल रहे। इसके लिए हमें तपस्या के साथ ज्ञान मंत्र का जाप करना चाहिए। यही मंत्र जाप हमें निर्मल ज्ञान की प्राप्ति करवा सकता है। हमें ज्ञान की आराधना में खास ध्यान रखना है कि हमसे ज्ञान की वीराधना न हो। हमेशा प्रिय भाषा का उपयोग करें। संघ सदस्य धर्मेन्द्र मेहता व अशोक लूँकड़ ने बताया कि आज सभी साहित्य सूत्रों उपकरणों की सजावट के साथ आराधना की गयी एवं 45 आगम ग्रंथ, अभिधान राजेन्द्र कोष सहित भवन पर उपलब्ध सभी ज्ञान ग्रंथों की अष्ट प्रकारी पूजा के साथ आरती उतारी गई। आरती का लाभ सुगन कंवर वेद मुथा परिवार ने लिया। नीलम भंडारी ने बताया कि आज एकासना, आयम्बिल, उपवास की कुल 51 आराधकों ने आराधना की।

लाम्बिया में वार्षिक मेले पर चर्चा की

पाली, (नि.सं.)। संत गुलाराम महाराज का वार्षिक मेला 5 जनवरी 25 की तैयारियां के बाबत आज आश्रम गांव लाम्बिया ट्रस्ट की कार्यकारिणी बैठक आश्रम के प्रांगण में मोहनलाल भायल की अध्यक्षता में हुई। आज की बैठक में संस्था के कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल गहलोत ने पिछले छः महीने का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। सचिव मांगीलाल हाम्बर ने गुलाराम महाराज के वार्षिक मेला के आयोजन पर कार्यकारिणी के सभी सदस्यों को अलग अलग कार्य भार की जिम्मेदारी सौंपी। वार्षिक मेला के भामाशाह नरेन्द्र कुमार पिता ढलाराम चोयल लाम्बिया पूरा मेला का खर्चा वहन करेंगे। आज बैठक में अध्यक्ष ने संस्था के 15 दिसंबर को कार्यकाल पूरा होने पर चुनाव का प्रस्ताव रखा। जिसमें कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से वार्षिक मेला सम्पन्न होने के बाद चुनाव कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में उपाध्यक्ष मोहनलाल सोलंकी, पूर्व सरपंच स्वरूप राम सोयल, लुम्बाराम गेहलोत, परगना समिति के उपाध्यक्ष पुनाराम राठौड़, स्वरूप राम राठौड़, मांगीलाल सोलंकी,लादुराम आगलेसा, भंवरलाल निम्बला वाले ने मेला भव्य करने पर अपने विचार रखे।

टैगोर नगर में अन्नकूट महोत्सव किया

पाली, (नि.सं.)। टैगोर नगर स्थित पाण्डेश्वर वीर हनुमान मंदिर धाम में अन्नकूट महोत्सव आयोजित किया गया। प्रप्त जानकारी के अनुसाार पाण्डेश्वर वीर हनुमान मंदिर धाम के संस्थापक अध्यक्ष नरेश पाण्डे ने बताया कि अन्नकूट महोत्सव में हनुमानजी का वागा आंगी एवं छप्पन भोग गोपाल उपाध्याय एवं दाकु बाई हेमन्त वागोरिया के द्वारा की गई। बाल कलाकारों द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ व मातृशक्ति द्वारा भजन कीर्तन व आरती कर हनुमानजी को भोग लगाकर अन्नकूट प्रसादी भक्तों वितरण किया। अन्नकूट महोत्सव हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भामाशाहों के सहयोग से हर्ष एवं उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस शुभ अवसर पर चाणक्य आश्रम के गादीपति जगदीशान्नदजी महाराज,दाकु बाई हेमन्त वागोरिया,सिखवाल ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ घीसुलाल व्यास, सोहनलाल उपाध्याय, प्रमेश्वरलाल व्यास, हनुमान प्रसाद नागला छोटमल तिवारी, नारायण लाल तिवारी,जगदीश व्यास, गिरधारी सिंह राजपुरोहित, गोविंद सिंह चारण, पार्षद राधेश्याम चोहान,जितेन्द्र सिंह राजपुरोहित, राकेश लिम्बा, गोपाल उपाध्याय,दर्शन सिंह तलवार,पर्वत सिंह टेवाली, राजूसिंह सिसोदिया, विशाल पाण्डे, भरत कुमावत, गजानंद उपाध्याय, चन्द्र प्रकाश पाण्डे, नवल किशोर रावल,जबरसिंह चोहान,पंडित महावीर प्रसाद, शैतान सिंह चोहान सहित हनुमान भक्त उपस्थित थे।

प्रभुराम विश्नोई सेवानिवृत

गुड़ामालानी, (निसं)। महिला एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय परिसर में कार्यरत अधिकारी प्रभुराम विश्नोई का सेवानिवृत्त कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि विकास अधिकारी अशोक कुमार गौड, सीडिपीओ पृथ्वीपाल मीणा,नायब तहसीलदार गिरीराज शर्मा, पूर्व सरपंच दिनेश पी शर्मा, पूर्व सरपंच गोरखाराम विश्नोई, सुजानाराम विश्नोई, ग्राम विकास अधिकारी लाधुराम विश्नोई के निर्देशन में आयोजित हुआ। प्रभुलाल विश्नोई ने महिला एवं बाल विकास विभाग में अपनी 38 साल सेवाएं दी। आज बुधवार को अपनी सेवाओं से मुक्त होने पर सेवानिवृत कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीडिपीओ पृथ्वीपाल मीणा ने कहा कि सरकारी नौकरी ईमानदारी से करना ओर सेवानिवृत्त होना बहुत बडी बात है। सेवानिवृत्त होने वाले प्रभुलाल विश्नोई को साफ एवं माला पहनाकर स्वागत करते हुए समस्त स्टाफ भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम में विशिष्ट सहायक हरीराम जाणी, अर्जुनराम सारण, लक्ष्मी चौधरी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भगवती, कमलेश बिश्नोई, शकूर दिन, प्रकाशचंद्र सिणधरी, ओमप्रकाश विश्नोई,पीसी विश्नोई सहित कई जने उपस्थित रहे।

मासिक काव्य गोष्ठी संपन्न

जोधपुर, (कासं)। साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था लेखनी की मासिक काव्य गोष्ठी, धनक सभागर में आयोजित की गई। जिसको शहर के रचनाकारों ने अपने स्नेह और अपणायत से दीपावली स्नेह मिलन का रुप दे दिया। संस्था के अध्यक्ष प्रमोद वैष्णव ने बताया कि मोहनदास ''रुक्मेय'' के संचालन में शुरु हुई मासिक काव्यगोष्ठी में अनेक रचनाकारों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया।

प्रतियोगिता से युवाओं को प्रेरणा मिलती है : लाधुराम विश्नोई

गुड़ामालानी, (निसं)। गुड़ामालानी मुख्यालय पर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान परिसर में चला तीन दिवसीय रावणा राजपूत समाज क्रिकेट प्रतियोगिता का बुधवार को समापन समारोह आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक लाधुराम विश्नोई, राणा कुलदीप सिंह राठौड, सुन्दरगिरी महाराज,व्यापार मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम जैन, जबरसिंह राठौड,समाज अध्यक्ष किशनसिंह गोहिल,अशोक सिंह राजावत, राजेन्द्र सिंह सोलंकी, छतरसिंह, भवानीसिंह,उदय सिंह,भरत जैन के सानिध्य में हुआ ।

गुड़ामालानी में रावणा राजपूत समाज की क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

रावण राजपुत समाज क्रिकेट प्रतियोगिता समापन समारोह में मैच जितने वाली टीम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि लाधुराम विश्नोई ने कहा कि खेल से शारीरिक ओर मानसिक संतुलन ठीक रहने के साथ तालमेल बना रहता है। समाज स्तर पर प्रतियोगिता से युवाओं को प्रेरणा मिलने के साथ आपसी सम्बन्ध बने रहने की बात कही।

राणा कुलदीप सिंह राठौड ने कहा कि आज के जमाने को देखते हुए शिक्षा के प्रति जागरूक रहें। बालिका शिक्षा को बढावा पर जोर दें। युवाओं को नशे से दूर रहने की बात कही। वहीं खेल प्रतियोगिता में सहयोग करने वाले भामाशाहों का अतिथियों द्वारा स्वागत किया गया। अध्यक्ष किशनसिंह गोहिल ने सभी अतिथियों एवं समाज बंधुओ तथा टीमों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

समापन समारोह में जगसिह राजावत, जगमालसिंह चौहान, अमरसिंह सोलंकी,अध्यक्ष चतरसिंह चौहान, मुकेश सिंह चौहान,चन्द्रभान सिंह राजावत सहित रावण राजपूत समाज के कई लोग उपस्थित रहे।

जोगेश्वर गर्ग ने शोक संतप्त लोगों को सांत्वना दी

जालोर विधायक मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने शोकाकुल लोगों को ढांढस बंधाया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने बुधवार को नया मोरसीम ग्राम में सरपंच उगम देवी पत्नी वगताजी माली के परिवार में निधन, कोमता ग्राम में 27 अक्टूबर को कृषि कार्य करते हुए दुर्घटना में वेलाराम सुथार का निधन होने, विशाला में पूर्व पंचायत समिति सदस्य रामलाल पुरोहित के भाई के निधन, भाण्डवपुर में पूर्व पंचायत समिति सदस्य लीलाराम की माताजी के निधन पर उनके घर जाकर शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। पूर्व प्रधान रामप्रकाश चौधरी, गंगाराम माली, जिला परिषद सदस्य डॉ. रमेश राणा, उदयसिंह दादाल, केवदाराम चौधरी, थानाराम चौधरी, छैलसिंह, दिनेश माली, हिंदूराम गर्ग, गोरधन सिंह चौहान, नरिंगाराम चौधरी, आदाराम, मोडाराम राजपुरोहित, रमेश गर्ग, रेवाराम सेन आदि उपस्थित रहे।

टैक्सी व बाइक चोरी के मामले

जोधपुर, (कासं)। अलग-अलग स्थानों से एक टैक्सी और बाइक चोरी हो गई। संबंधित थाना पुलिस ने चोरी के मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नागौरी गेट थाने में दी रिपोर्ट में मिरासी कॉलोनी निवासी राजू ने पुलिस को बताया कि सज्जू नामक व्यक्ति 4 नवंबर को उसके घर के बाहर खड़ी उसकी सवारी टैक्सी को चुरा ले गया। सरदारपुरा थाने में दी रिपोर्ट में पृथ्वीपुरा रसाला रोड़ पावटा निवासी अर्जुनसिंह ने बताया कि वह महात्मा गांधी अस्पताल आया था जहां पर आपातकालीन इकाई के पास खड़ी उसकी बाइक को अज्ञात व्यक्ति चुरा ले गया। शास्त्रीनगर थाने में दी रिपोर्ट में मूलतया सिरायरी के हमीरवास हाल न्यू कोहिनूर सिनेमा के पीछे रहने वाले घेवरराम मेघवाल ने पुलिस को बताया कि रात्रि के समय वह नोवोटल होटल गया था जहां पर खड़ी उसकी बाइक को अज्ञात वाहन चालक चुरा ले गया। राजीव गांधी नगर थाने में दी रिपोर्ट में अरिहंत हाउसिंग सोसायटी ब्लॉक ई निवासी नरेन्द्रदास वैष्णव ने पुलिस को बताया कि घर के बाहर खड़ी उसकी बाइक को चोर चुरा ले गया।

जे.डी.ए. आयुक्त ने कार्यों की समीक्षा की

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त उत्साह चौधरी बुधवार को उच्च अधिकारीगण की समीक्षात्मक बैठक ली गई। बैठक में सचिव भागीरथ बिश्नोई, उपायुक्त, निदेशक, तहसीलदार अभियन्ता सहित जेडीए के प्रभारी अधिकारी मौजूद रहे।

प्राधिकरण आयुक्त उत्साह चौधरी ने बैठक में विभिन्न न्यायालयों में लम्बित प्रकरणों एवं अनुपालना के प्रकरणों की रिपोर्ट प्राप्त करते हुए समीक्षा की गई। आयुक्त ने लम्बित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए न्यायालयों में लम्बित प्रकरणों की प्रभावी ढंग से पैरवी करने के निर्देश प्रदान किए गए। आयुक्त ने बैठक में प्रभारी अधिकारीगण को माननीय न्यायालयों ने निर्णित मुकदमों की पालना सुनिश्चित करने के साथ-साथ बकाया प्रकरणों में समय पर जवाब व जवाब उल जवाब प्राधिकरण अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत करने भी निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक में आयुक्त चौधरी द्वारा वर्तमान में प्राधिकरण द्वारा संचालित ऑनलाईन सर्विसेज यथा 90-ए, भवन निर्माण अनुमति, लीजडीड एवं अरबन सर्विसेज यथा नाम हस्तान्तरण, प्रोपर्टी आईडी जनरेशन, बेचान अनुमति एवं लीज मुक्ति प्रमाण पत्र इत्यादि के लम्बित प्रकरणों एवं राजकाज ऑनलाईन ई-फाईलिंग में लम्बित फाइलों की जोनवार समीक्षा की गई। बैठक में जेडीसी ने तहसीलदार को अरबन सर्विसेज के लम्बित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए।

ग्राम पंचायतों पर जनसुनवाई आज

जालोर, (कासं)। जिले में त्रिस्तरीय जनसुनवाई के तहत आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं के समाधान के लिए जिले के सभी ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर 7 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से पंचायत स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया जायेगा।

जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बताया कि नवम्बर माह के प्रथम गुरूवार को ग्राम पंचायत स्तर पर जनसुनवाई शिविर आयोजित किये जायेंगे। जनसुनवाई के दौरान आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई कर उनका समाधान किया जायेगा।

शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने महिला संगोष्ठी के कार्य सौंपे

जालोर में शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने जिला बैठक का आयोजन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

■ बैठक के बाद जिला शिक्षा अधिकारी भैराराम चौधरी से मुलाकात कर स्थायीकरण सहित कई समस्याओं पर चर्चा की

जालोर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय की जिला बैठक मंगलवार को जिलाध्यक्ष हीरसिंह राठौड की अध्यक्षता, जिला संगठन मंत्री शैतानसिंह राजपुरोहित,संभाग संयुक्त मंत्री रेखा राठौड, जिला महिला संगठन मंत्री उर्मिला भाटी, संरक्षक नारायणसिंह राठौड और अंबिकाप्रसाद तिवारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

बैठक के दौरान हाल ही में सम्पन्न हुए जिला शैक्षिक सम्मेलन की समीक्षा की गई। सभी शिक्षकगणों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए और सफलतम आयोजन के लिए संयोजक कृष्णपाल सिंह सहित पूरी जालोर ब्लॉक कार्यकारिणी का आभार व्यक्त किया। आगामी 17 नवंबर को आयोज्य जिला महिला संगोष्ठी के आयोजन के संबंध में रूपरेखा बनाई।

बैठक में ब्लॉक महिला मंत्री को अपने अपने ब्लॉक में ब्लॉक प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई और एक ब्लॉक से दूसरे ब्लॉक के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए। महिला पर्यवेक्षक 10 नवंबर को होने वाली ब्लॉक बैठक में भाग लेकर महिला संगोष्ठी में अधिकाधिक महिलाओं की सहभागिता पर कार्ययोजना को मूर्त रूप देगी।

बैठक में प्रदेश द्वारा नवनियुक्त जिला संगठन मंत्री शैतानसिंह राजपुरोहित और जिला महिला संगठन मंत्री उर्मिला भाटी का माला पहना कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। उपस्थित शिक्षकों ने जिला स्तरीय शिक्षक समस्याओं पर विचार विमर्श कर समाधान के लिए बैठक के बाद जिला शिक्षा अधिकारी भैराराम कलबी से वार्ता कर उचित समाधान की मांग रखी। संरक्षक और दोनों संगठन मंत्री, जिलाध्यक्ष द्वारा उद्बोधन दिया गया और बैठक के दौरान हुई चर्चा की क्रियान्विति पर जोर दिया गया।

जिला बैठक का संचालन जिला मंत्री कपूरसिंह राजपुरोहित द्वारा किया गया और अंत में सभी का धन्यवाद और आभार प्रकट किया गया।

बैठक के दौरान पदमसिंह ब्लॉक अध्यक्ष जसवंतपुरा, हडमताराम गर्ग ब्लॉक अध्यक्ष सायला, कृष्णपालसिंह ब्लॉक अध्यक्ष जालोर, पुखराज गहलोत ब्लॉक अध्यक्ष आहोर, अशोक गर्ग मंत्री सायला, जितेंद्रसिंह मंत्री आहोर, गणपतसिंह मंडलावत वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रमेशकुमार राजपुरोहित, श्रीराम शर्मा, मुकेश सुन्देशा, हरिसिंह, अर्जुनसिंह सिंघल, नरेंद्र बोहरा, रघुवीरसिंह, मनोहर लाल और विमला पुरी सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

बैठक समाप्ति के बाद जिला शिक्षा अधिकारी भैराराम चौधरी से मुलाकात कर स्थायीकरण पर तीन चरणों में अतिशीघ्र निपटारा किया जाना, ब्लॉक से लिस्ट एकजाई करके संदिग्धों को रोककर बाकी सभी का 15 से 20 दिन में स्थायीकरण, ग्रीष्मकालीन वेतन प्रकरण बीकानेर से मार्गदर्शन के लिए सभी 12 प्रकार की रिट के प्रकरण तैयार कर फॉरवर्डिंग लेटर बीकानेर भेजने सहित सभी प्रकार की रिट और फॉरवर्डिंग लेटर संबंधी कॉपी शिक्षक संघ राष्ट्रीय को उपलब्धता पर सहमति बनी। प्रबोधक डीपीसी के संबंध में पात्रता सूची लगभग तैयार है और बहुत जल्द जारी कर आपत्ति दर्ज करवाई जा सके। उसके बाद डीपीसी होगी।

कुक कम हेल्पर के मानदेय के संबंध में भी सकारात्मक चर्चा और समाधान योग्य वार्ता रही।

विवेक विहार सेक्टर डी के भूखंडों की नीलामी आज

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जारी दीपावली मेगा ई-ऑक्शन के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं के आवासीय एवं व्यावसायिक भूखण्डों, औद्योगिक भूखण्डों एवं मल्टीस्टोरी रहवासीय भूखण्डों की नीलामी के क्रम में बुधवार को विवेक विहार सेक्टर डी के 05 भूखण्डों एवं पण्डित दीनदयाल उपाध्याय विहार आवास योजना के 02 भूखण्डों को नीलामी के जरिये विक्रय किया गया। प्राधिकरण द्वारा गुरूवार को विवेक विहार योजना के डी-1177, डी-1186, एच-550, ओ-109 एवं एम-09 की नीलामी की जाएगी।

प्रभारी अधिकारी नीलामी शाखा संदीप सान्दू ने बताया कि जेडीए आयुक्त उत्साह चौधरी के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में प्राधिकरण के आय के स्त्रोत बढाने के क्रम में विभिन्न योजनाओं के भूखण्डों की नीलामी में आमजन का भारी रूझान निरन्तर जारी है। बुधवार को ई-नीलामी में जेडीए को 50,600/- प्रति वर्गमीटर की उच्चतम बोली दर प्राप्त हुई। ई-नीलामी से संबंधित विस्तृत जानकारी, नियम एवं शर्तें जोधपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट पर देखी जा सकती हैं।

प्रभारी अधिकारी नीलामी शाखा संदीप सान्दू ने बताया कि माह जुलाई से दिसम्बर ई-नीलामी कार्यक्रम अनुसार जेडीए द्वारा शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय विहार आवास योजना के भू.सं. 76, 77, 94, 95 व 99 की नीलामी की जाएगी।

साथ ही दीपावली मेगा ऑक्शन के अन्तर्गत शुक्रवार को विवेक विहार योजना सेक्टर एम के भूखण्ड संख्या 571, सेक्टर ओ के भूखण्ड संख्या 122,123,136 व 137 की नीलामी की जाएगी। सान्दू ने बताया कि उक्त भूखण्डों के लिए आवेदकों की ओर से गुरूवार तक नियमानुसार धरोहर राशि जमा करवाकर 08 नवम्बर को 12:30 बजे तक ऑनलाईन बोली लगायी जा सकती है।

जोधपुर केंद्रीय कारागार के बाथरूम में जला हुआ मोबाइल मिला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर केंद्रीय कारागार फिर सुर्खियों में है। अवांछनीय सामग्री मिलनी जारी है। दो दिन पहले लावारिश हालत में एक निजी कंपनी का सिमकार्ड मिला था। अब एक बार फिर जोधपुर केंद्रीय कारागार में मोबाइल मिला है। विचाराधीन बंदी बाथरूम में एक फोन का जलाते हुए पकड़ा गया। जमीन में गड़े एक की पेड फोन को भी जब्त किया गया है।

मामले को लेकर विचाराधीन बंदी को नामजद करते हुए रातानाडा थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

रातानाडा पुलिस ने बताया कि 4 नवंबर को जोधपुर जेल के उप कारापाल तुलसीराम को सूचना मिली कि वार्ड संख्या 4 के बैरिक संख्या 3 के बाथरूम में एक बंदी मोबाइल को जला रहा है। इस पर उप कारापाल सहित स्टाफ वहां पहुंचा। तब बालोतरा जिले के कल्याणपुर थानान्तर्गत डोली निवासी विचाराधीन बंदी घेवरराम पुत्र अर्जुनराम वहां मोबाइल को जला रहा था। उसके हाथ से जले हुए मोबाइल के दो टुकड़ें बरामद किए गए है।

इसी दिन शाम को फिर जेल प्रशासन की तरफ से वार्ड संख्या 4 के बैरिक संख्या 1 से 3 तक तलाशी ली गई। तब बैरिक संख्या तीन के मैनवॉल के बीच जमीन में गाडा एक की-पेड फोन बरामद हुआ जोकि प्लास्टिक की थैली में लपेट रखा था। जिसे भी जेल स्टाफ ने बरामद कर लिया।

मामले को लेकर जेल के कारापाल रामचंद की तरफ से प्रकरण दर्ज करवाया गया है।

नगर निगम कर्मचारी ने पत्नी की हत्या की

जोधपुर, (कासं)। शहर के रातानाडा स्थित वाल्मिकी बस्ती में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। हत्या की वजह पता नहीं चली मगर आशंका है कि दोनों के बीच रात को किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। घटना के समय बच्चें बाहर गए हुए थे। घटना के बाद पति फरार हो गया, जिसकी अब पुलिस तलाश कर रही है। शव को दोपहर में एमजीएच की मोर्चरी में रखवाया गया। मौका स्थल पर दोपहर तक पुलिस के आलाधिकारी पड़ताल में जुटे हुए थे। मौके पर एफएसएल टीम को भी बुलाया गया।हत्या किसी धारदार वस्तु से किए जाने का संदेह है।

मामले में रातानाडा पुलिस की तरफ से तफ्तीश चल रही है। शव पलंग के पास में फर्श पर पड़ा होने के साथ बिस्तर लिटाया हुआ था।

थानाधिकारी प्रदीप डांगा ने बताया कि रातानाडा वाल्मिकी बस्ती पंजाब नेशनल बैंक के सामने रहने वाले अजय बारासा उर्फ बबलू ने अपनी पत्नी पूजा की सिर पर वारकर हत्या कर दी।

हत्या की जानकारी मिलने पर रातानाडा थानाधिकारी प्रदीप डांगा व पुलिस टीम पंहुची मौके पर पहुंची। बाद में साक्ष्य जुटाने के लिये एफएसल टीम को भी मौके पर बुलाया गया।

बताया गया कि अजय नगर निगम में काम करता है और उसकी पत्नी से अक्सर छोटी मोटी बातों को लेकर विवाद होता था।

वारदात के समय अजय के बेटे अपनी मौसी के घर गए हुए थे। आज सुबह घर पहुंचे तब पूजा को पलंग के पास फर्श पर निढाल पाया और उसके शरीर बिस्तर पर लिटाया हुआ था। जब बिस्तर हटा कर देखा तो सिर से खून बह रहा था।

बच्चों ने जब पिता अजय को घर में ढूंढा तो वह कहीं भी नजर नहीं आया। बच्चों ने पड़ौस में ही रहने वाले लोगों को सूचना दी।

रात में हत्या किए जाने की आशंका

थानाधिकारी डांगा ने बताया कि पूजा के सिर से बहते रक्त से यह आशंका जताई जाती है हत्या रात के समय या तडक़े की हुई है। उसका शव पलंग के पास फर्श पर पड़ा था। मृतक के सिर पर चोट का निशान है। हत्या किस चीज से हुई है यह खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हो सकेगा।

परिवार खेत पर गया, चोर घर से 13 लाख के आभूषण व केश ले गए

जोधपुर, (कासं)। डांगियावास स्थित सरनाडा की ढाणी, कांकेलाव में दिनदहाड़े एक घर में चोरी हो गई। चोर घर से 15 तोला सोना, 30 तोला चांदी के साथ 15 हजार के तकरीबन केश चोरी कर गए। परिवार को दोपहर में घटना का पता लगा। परिवार के लोग घर से 35 किलोमीटर दूर खेत पर गया था। इस बारे में डांगियावास थाने में रिपोर्ट दी गई है।

डांगियावास पुलिस ने बताया कि सरनाडा की ढाणी कांकेलाव निवासी बाबूलाल पुत्र सुखदेवराम विश्रोई ने मामला दर्ज करवाया है। इसमें बताया कि 4 नवंबर को वह अपनी पत्नी प्रेमीदेवी के साथ में घर से 35 किलोमीटर दूर खेत सावलता कलां गए थे। बाद में उनके दोनों बेटे भी बाहर चले गए। सुबह 11 बजे बाद पूरा घर सूना था। अपरान्ह में उन्होंने अपने भतीजे महेंद्र को फोन कर पशुओं को पानी पिलाने को कहा। उनका भतीजा घर पहुंचा तो ताले टूटे मिले।

बाद में उसने वीडियो कॉल कर ताले टूटने की जानकारी दी। इस पर बाबूलाल विश्रोई खेत से घर आया। अज्ञात चोरों ने बक्सों के ताले तोड़ कर वहां से 15 तोला सोने के आभूषण जिनमें टूसी, बाजूबंद, तेलड़, सांकली, भंवरिया के साथ 30 तोला वजनी चांदी के जेवर ले गए। चोर घर से 14 हजार 500 रूपए नगद भी लेकर गए है। बाद में डांगियावास पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस ने मौका मुआयना कर जांच आरंभ की है। चोरों का पता लगाया जा रहा है।

जागरूकता कार्यशाला 8 को

जालोर, (कासं)। नेहरू युवा केन्द्र जालोर व माय भारत द्वारा नशीली दवाओं की लत एवं मादक पदार्थों के सेवन से बचाव के लिए 8 नवम्बर को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सभागार में शिक्षा एवं जागरूकता कार्यशाला होगी। नेहरू युवा केन्द्र के जिला युवा अधिकारी राजेन्द्र जाखड़ ने बताया कि कार्यशाला में विभिन्न गांवों के 50 से अधिक युवा भाग लेंगे।

यश दयाल, विजयकुमार और रमनदीप सिंह को घरेलू क्रिकेट में उनके शानदार रिकार्ड को देखते हुए भारतीय टी20 टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिलना चाहिए। - अनिल कुम्बले

पूर्व भारतीय गेंदबाज, तेज गेंदबाजों की शानदार वापसी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जलज सक्सेना

घरेलू क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी जलज सक्सेना रणजी ट्रॉफी में छा गए। उन्होंने बुधवार 6 नवंबर को थुंबा में उत्तर प्रदेश के खिलाफ केरल के चौथे दौर के मैच के दौरान 6 हजार रन और 400 विकेट का डबल हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। इसके साथ ही जलज रणजी ट्रॉफी के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर बन गए हैं। कोलकाता में पिछले दौर में 6 हजार रन पार करने वाले सक्सेना ने ये उपलब्धि तब हासिल की जब उन्होंने उत्तर प्रदेश के खिलाप अपना चौथा विकेट लिया। ये उनका 400वां रणजी ट्रॉफी विकेट था।

क्या आप जानते हैं ?... वर्तमान में 80 से अधिक देश पोलो खेलते है। पोलो 1900 से 1936 तक ओलम्पिक खेल था और इसे अब एक बार फिर अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति ने मान्यता प्रदान की है।

// लौट रहा है अफ्रो-एशिया कप //

रोहित शर्मा की कप्तानी में खेलेंगे बाबर आजम सहित पाकिस्तान के खिलाड़ी

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। आईपीएल में रोहित शर्मा की कप्तानी में कई विदेशी खिलाड़ियों को देखते हुए देखा गया है। लेकिन अगर रोहित शर्मा की कप्तानी में अगर पाकिस्तान के खिलाड़ी खेलते हुए दिखेंगे तो हर किसी को हैरानी होगी।

दरअसल, भारत और पाकिस्तान को हमेशा से ही एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हुए देखा है। लेकिन आने वाले समय में रोहित शर्मा की कप्तानी में बाबर आजम सहित पाकिस्तानी खिलाड़ियों को खेलते हुए देखा जा सकता है।अफ्रीका क्रिकेट एसोसिएशन की हाल में हुई एजीएम में अफ्रो-एशिया कप को फिर से कराने पर चर्चा हो रही है। ये टूर्नामेंट 2005 और 2007 में आयोजित हो चुका है। अगर अफ्रीकी बोर्ड का प्लान आगे बढ़ता है तो जल्द ही इसका तीसरा सीजन देखने को मिल सकता है। क्रिकेट प्रेमी जानते हैं कि अफ्रो-एशिया कप अफ्रीकन इलेवन और एशियन इलेवन के बीच खेला जाता है। अफ्रीकन इलेवन में ज्यादातर साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे के खिलाड़ी शामिल होते हैं। एशियन इलेवन में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के खिलाड़ी दिख सकते हैं।

वहीं पहली बार 2005 में अफ्रो-एशिया में एशियन इलेवन की कप्तानी पाकिस्तान के इंजमाम उल हक ने संभाली थी। अफ्रीका इलेवन की कमान शॉन पोलक को मिली थी। ग्रीम स्मिथ ने भी अफ्रीकी टीम की कप्तानी की थी। एशियन इलेवन में इंजमाम की अगुवाई में भारत की तरफ से 6 खिलाड़ी, राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले, वीरेंद्र सहवाग, इरफान पठान, आशीष नेहरा और जहीर खान शामिल थे।

रिकी पोंटिंग की भविष्यवाणी

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। रिकी पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में बात करते हुए कहा कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में टॉप स्कोर ऋषभ पंत और स्टीव स्मिथ हो सकते हैं। पंत को अब ऑस्ट्रेलिया में खेलने का अनुभव है, जबकि स्टीव स्मिथ पहले से ही ऑस्ट्रेलिया के स्टार खिलाड़ी हैं, और उन्हें अपनी परिस्थितियों का अंदाजा है। पोंटिंग ने कहा कि, मुझे लगता है कि स्मिथ, ये तथ्य कि वह सलामी बल्लेबाज से वापस नंबर 4 पर आ गए हैं, शायद ये महसूस कराता है कि उसके पास साबित करने के लिए और भी बहुत कुछ है। उन्हें साबित करना है कि वे नंबर चार पर बेस्ट दे सकते हैं।

रोनाल्डो के गोल की मदद से अल नासर की एएफसी चैंपियंस लीग में बड़ी जीत

रियादे, 6 नवम्बर। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल की मदद से अल नासर ने एएफसी चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के एलीट वर्ग में संयुक्त अरब अमीरात के क्लब और गत चैंपियन अल ऐन को 5-1 से हराकर 12 टीमों की तालिका में शीर्ष तीन में जगह बनाई।

सऊदी अरब के क्लब अल नासर के चार मैचों में 10 अंक हैं तथा वह स्थानीय प्रतिद्वंद्वियों अल हिलाल और अल अहली से दो अंक पीछे हैं। इन दोनों ने अभी तक अपने चारों मैच जीते हैं। एंडरसन तालिस्का ने खेल शुरू होने के पांच मिनट बाद ही अल नासर की तरफ से पहला गोल किया। इसके बाद रोनाल्डो ने आधे घंटे के अंतराल के ठीक बाद इस सत्र में प्रतियोगिता में अपना दूसरा गोल किया। फैबियो कार्डोसो के आत्मघाती गोल से सऊदी अरब की टीम ने मध्यांतर तक 3-0 की बढ़त बना दी। वेस्ले और तालिस्का ने दूसरे हाफ में अल नासर के लिए गोल किए। इस बीच जापान के विसेल कोबे ने दक्षिण कोरिया के ग्वांगजू एफसी पर 2-0 से जीत से अपने ग्रुप में पहला स्थान हासिल कर लिया। मलेशिया के जोहोर दारुल ताज़िम दक्षिण कोरिया के दो बार के चैंपियन उल्सान एचडी पर 3-0 से जीत के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया।

अजमेर की अर्जुन अवार्डी महिला गोताखोर मंजरी भार्गव का निधन

अजमेर, 6 नवंबर। तैराकी और गोताखोरी में अर्जुन अवार्डी मंजरी भार्गव का 1956 में अजमेर में जन्म हुआ था। बुधवार को उनका निधन हो गया। उन्होंने कई पुरस्कार जीते और 1972, 1973 और 1974 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए श्रीलंका के खिलाफ स्वर्ण पदक भी जीता। उनके निधन की खबर से अजमेर और राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में उनके जानने वाले और उनके साथ काम करने वाले लोग स्तब्ध रह गए।

मेयो कॉलेज के पूर्व शिक्षक सुरेश माथुर ने कहा कि जब महिलाएं तैराकी में प्रमुख नहीं थीं, तब वे बहुत उत्साही थीं और उन्होंने देश को सम्मान दिलाने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत की। मंजरी का जन्म एमके भार्गव के परिवार में हुआ था, जो अजमेर के सरकारी कॉलेज के प्रिंसिपल थे और उनकी मां उमा भार्गव थीं। वे दिवंगत न्यायमूर्ति पीएल भार्गव की पोती थीं। उन्होंने अजमेर में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और राज लक्ष्मी से तैराकी और भंवर सिंह से गोताखोरी का प्रशिक्षण लिया। वह भारत की हाई बोर्ड चैंपियन थीं और उन्हें अर्जुन पुरस्कार मिला था। उन्होंने 10 साल की उम्र में तैराकी शुरू कर दी थी। वह जूनियर स्तर पर चैंपियन बनीं और जिला और राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में भाग लिया, अपने पहले प्रदर्शन में नए रिकॉर्ड बनाए। उन्हें 1970, 1971, 1972, 1973 और 1974 में बेस्ट डाइविंग कप बीईटी ट्रॉफी मिली। वह 12 साल की उम्र में डाइविंग में राष्ट्रीय चैंपियन बन गईं। उन्होंने 1971 से 1974 तक श्रीलंका के खिलाफ भारत का प्रतिनिधित्व किया और 1974 में भारतीय टीम की कप्तान रहीं। उन्होंने डाइविंग में कई पदक और ट्रॉफी जीतीं।

बाद में, उन्होंने एक मरीन इंजीनियर से शादी की, उनके दो बेटे हुए और फिर वे मैंगलोर में बस गईं। सिरोही के सरकारी कॉलेज में लेक्चरर के पद पर कार्यरत सुरगा प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि मंजरी को जानने वालों को उनकी मौत ने झकझोर दिया है, ''उन्होंने हमारे कॉलेज में इतिहास की लेक्चरर के तौर पर कुछ समय तक हमारे साथ काम किया और उन्हें अपना परिचय देने की ज़रूरत नहीं है।'' अजमेर के शिक्षाविद् अनंत भटनागर ने कहा कि जिस समय मंजरी अपने जुनून के लिए काम कर रही थीं, वह सैकड़ों लोगों का सपना था, लेकिन उन्होंने खुद को साबित कर दिखाया। उनका निधन वाकई उन युवाओं के लिए झटका है, जिन्हें उनसे बहुत कुछ सीखना था।

लिवरपूल की शानदार जीत

मिलान, 6 नवंबर। यूरोप की चोटी की टीमों रियाल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी दोनों को चैंपियंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में बड़ी हार का सामना करना पड़ा। मौजूदा चैंपियन रियाल मैड्रिड को एसी मिलान ने अपने घरेलू मैदान पर 3-1 से हरा दिया, जबकि मैनचेस्टर सिटी को एर्लिंग हालैंड की पेनल्टी में चूक महंगी पड़ी और चौथे मिनट में बढ़त बनाने के बावजूद उसे पुर्तगाल की टीम स्पोर्टिंग लिस्बन में 4-1 से हार झेलनी पड़ी। लिवरपूल के लिए यह शानदार दिन था जिसने लुइस डियाज़ की हैट्रिक और कोडी गाकपो गोल की मदद से एनफील्ड में खेले गए मैच में जर्मन चैंपियन बायर लेवरकुसेन पर 4-0 से जीत दर्ज की।

7वीं सीनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता का फाइनल मैच आज

जयपुर, 6 नवंबर। राजस्थान राज्य बॉल बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष डॉ. राजपाल शर्मा के अनुसार आज पुरुष एवं महिला वर्ग के लीग मैच खेले गए। प्रात: सत्र में महिला पुरुष दोनों के मिलकर लगभग 60 लीग मैच खेले गए। यह लीग मैच चार मैदानो पर करवाए गए। शाम के सत्र में दोनों वर्गों के प्री क्वार्टर फाइनल मैचों का आयोजन किया गया जिनका परिणाम इस प्रकार है, पुरुष वर्ग में प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली टीम इस प्रकार है जयपुर, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, चूरू, टोंक, जोधपुर, भरतपुर, करौली, धौलपुर, दूदू, अजमेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, जयपुर ग्रामीण, अनूपगढ़ एवं कोटा रही। वहीं महिला वर्ग में जयपुर, बीकानेर, चूरू, चित्तौड़गढ़, टोंक, भरतपुर, अजमेर, नागौर, जोधपुर, करौली, दौसा, श्रीगंगानगर, जयपुर ग्रामीण, कोटा, दूदू रही। शाम के सत्र में दूधिया रोशनी में पुरुष डबल्स, महिला डबल्स एवं मिक्स डबल्स के मैचेस खेले जाएंगे। क्वार्टर फाइनल, सेमी फाइनल एवं फाइनल मैचेज, दोनों वर्गों के कल खेले जाएंगे प्रतियोगिता का समापन समारोह कल 11:30 बजे रखा गया है।

राजीव गांधी एकेडमी ने सोलफील एकेडमी को हराया

जयपुर, 6 नवंबर। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर - 14 यूथ कप प्रतियोगिता में आज खेले गए मैच में राजीव गांधी एकेडमी ने सौलफील एकेडमी को 105 रनों से हराया। आज सौलफील ग्राउंड पर खेले गए मैच में राजीव गांधी एकेडमी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पुनीत यादव के 76 रन, भास्कर तिवाड़ी के 29 रन व निलय अरोड़ा के 17 रन से 49.1 ओवर में 188 रन बनाए। सौलफील एकेडमी के लिए रोहित ने 34 पर 4, शांतनु स्वामी ने 35 पर 3 विकेट व आदित्य शर्मा ने 42 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में सोलफील एकेडमी की टीम शांतनु के 20 रन, जेवल के 15 रन व रोहित के 10 रनों से 26.4 ओवर में 83 रनों पर आउट हो गई। राजीव गांधी एकेडमी के लिए नकुल ने 12 पर 3, निलय अरोड़ा ने 15 पर 3, हिमांक पारीक ने 15 पर 2 व सूर्यवीर ने 16 पर 2 विकेट लिए।

रणजी ट्रॉफी में शतक पर शतक ठोक रहे अय्यर, टीम इंडिया में वापसी को तैयार

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने रणजी ट्रॉफी 2024-25 में शतक ठोका है। अय्यर ने ओडिसा के खिलाफ मुंबई के शरद पवार क्रिकेट एकेडमी स्टेडियम में सेंचुरी लगाई है। अय्यर भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं, उन्हें खराब फॉर्म के चलते सेलेक्टर्स ने बाहर का रास्ता दिखाया था। हालांकि, अब चयनकर्ता उनपर नजर बनाए हुए हैं।हाल ही में अय्यर ने प्रथम श्रेणी में 3 साल बाद शतक का सूखा खत्म किया था। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में महाराष्ट्र के खिलाफ 182 गेंदों पर 142 रन बनाए थे। आखिरी बार उन्होंने 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट में शतक लगाया था।

दाएं हाथ के बल्लेबाज ने उड़ीसा के खिलाफ पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 101 गेंदों में अपना 15वां शतक जड़ा। श्रेयस अय्यर ने बैक टू बैक शतकों के साथ अपनी फॉर्म जारी रखी है। अय्यर के दो शतक ऐसे वक्त में आए हैं जब उन्हें आईपीएल के मेगा ऑक्शन 2025 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने अचानक रिलीज कर दिया।

वॉर्नर सिडनी थंडर के कप्तान बनाये गये

सिडनी, 6 नवंबर। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को बिग बैश लीग (बीबीएल) 2024-25 के लिए सिडनी थंडर का कप्तान बनाया गया है। वर्ष 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में गेंद से छेड़छाड़ को लेकर वॉर्नर को आजीवन कप्तानी के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। डेविड वॉर्नर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके है। पिछले दिनों डेविड वॉर्नर ने कप्तानी पर लगे बैन के खिलाफ अपील की थी। जिसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के आचार संहिता आयोग ने उन पर लगे प्रतिबंध को समाप्त कर दिया।

जेद्दा में होने वाली आईपीएल नीलामी में 1574 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को घोषणा की कि 1165 भारतीय खिलाड़ियों सहित कुल 1574 क्रिकेटरों ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 से पहले सऊदी अरब के जेद्दा में 24 और 25 नवंबर को होने वाली बड़ी नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है। स सूची में 320 कैप्ड (जिसने अंतरराष्ट्रीय मैच खेला हो) खिलाड़ी जबकि 1,224 अनकैप्ड (जिसने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ी और एसोसिएट देशों के 30 खिलाड़ी शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों में 48 भारत के हैं। इसके अलावा देश के 965 अनकैप्ड खिलाड़ी भी नीलामी का हिस्सा होंगे। खिलाड़ियों का पंजीकरण आधिकारिक तौर पर सोमवार को बंद हो गया।

कुल 409 विदेशी खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए पंजीकरण किया है। यह लगातार दूसरा साल है जब नीलामी विदेश में हो रही है। आईपीएल 2024 से पहले पिछली नीलामी दुबई में हुई थी। नीलामी 22 नवंबर से पर्थ में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुरू हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट के तीसरे और चौथे दिन के खेल से टकराएगी।

प्रत्येक फ्रेंचाइजी अधिकतम 25 खिलाड़ियों (संबंधित रिटेन खिलाड़ियों सहित) की टीम बना सकेगी और नीलामी से कुल 204खिलाड़ी खरीदे जा सकेंगे। इस साल की नीलामी में ऋषभ पंत, लोकेश राहुल, श्रेयस अय्यर और अर्शदीप सिंह जैसे कुछ बड़े भारतीय सितारे भी शामिल होंगे। नीलामी में 91 खिलाड़ियों के साथ दक्षिण अफ्रीका का दूसरा सबसे बड़ा खिलाड़ी पूल है जिसके बाद 76 खिलाड़ियों के साथ ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है।

इंग्लैंड से 52 और न्यूजीलैंड से 39 क्रिकेटर नीलामी में हिस्सा लेंगे जबकि वेस्टइंडीज (33) और अफगानिस्तान (29) और श्रीलंका (29) इस सूची में अगले पायदान पर हैं। एसोसिएट देशों में यूएसए (10), नीदरलैंड (12), कनाडा (4), इटली (1), यूएई (1) और स्कॉटलैंड (2) के खिलाड़ी नीलामी का हिस्सा लेंगे। नीलामी के दौरान 10 फ्रेंचाइजी के पास 204 खिलाड़ियों पर खर्च करने के लिए सामूहिक रूप से लगभग 641.5 करोड़ रुपये होंगे।

इन 204 स्थानों में से 70 विदेशी खिलाड़ियों के लिए निर्धारित हैं। अब तक 10 फ्रेंचाइजी ने 558.5 करोड़ रुपये के सामूहिक खर्चे के साथ 46 खिलाड़ियों को रिटेन किया है।

51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता 18 से

जयपुर, 6 नवंबर। बनीपार्क क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 18 नवम्बर से किया जा रहा है। प्रतियोगिता में पिछली विजेता राज क्रिकेट क्लब उप विजेता जयपुर ब्लूज, नीरजा मोदी, सुराणा क्रिकेट एकेडमी, जयपुर क्लब, राजस्थान यूथ, अरावली क्रिकेट क्लब, यूनियन क्लब, नीलकमल क्रिकेट क्लब, चम्बल स्पोर्टस, सबा क्रिकेट क्लब, मेजबान बनीपार्क क्रिकेट क्लब, राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी सहित जयपुर की सभी प्रमुख टीमों के अलावा राजस्थान के अन्य जिलों की टीमें भी भाग लेगी। प्रतियोगिता रेड बॉल से नाक ऑउट आधार पर खेली जायेगी, जिसमें 40-40 ओवर के मैच खेले जायेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छुक टीमे सचिव एस.एम. माथुर मोबाईल नं. 98290-12955 या प्रतियोगिता सचिव सलीम खान मो. नं. 98292-44509 से 15 नवम्बर तक सम्पर्क कर सकती है।

असलंका करेंगे श्रीलंका टीम की कप्तानी

कोलंबो, 6 नवंबर। चरिथ असलंका न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय और टी-20 सीरीज के लिए श्रीलंका टीम की कप्तानी करेंगे। श्रीलंका ने हाल ही में भारत और वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाले अनुभवी खिलाड़ियों को भी दोनों प्रारूपों के लिए टीम में जगह दी है। नौ और 10 नवंबर को दो टी-20 मैच खेले जाएंगे। वहीं 13, 17 और 19 नवंबर को एकदिवसीय मैच होंगे। पहले तीन मैच रांगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में तथा अंतिम दो एकदिवसीय मैच पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

हॉकी इंडिया का लेवल 'वन' कोचिंग कोर्स हुआ शुरू

नई दिल्ली, 6 नवंबर। हॉकी इंडिया का बुधवार को मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में कोचिंग एजुकेशन पाथवे लेवल 'वन' कोचिंग कोर्स 2024 शुरू हो गया है। इस कार्यक्रम में 96 महत्वाकांक्षी भारतीय कोच अपने कौशल को बढ़ाने के साथ नवीनतम कोचिंग तकनीकों के बारे में जान सकेंगे। उम्मीदवारों को 24 के चार बैचों में विभाजित किया जाएगा।

अजय कुकना की घातक गेंदबाजी

जयपुर, 6 नवम्बर। बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2024 -25 की राष्ट्रियक्रिकेट प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी के आज से जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम पर राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेले जा रहे राजस्थान - हैदराबाद रणजी मैच के पहले दिन का स्कोर :-

राजस्थान - हैदराबाद रणजी मैच (पहले दिन का स्कोर) हैदराबाद पहली पारी 261 / 5, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद टीम ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 5 विकेट के नुकसान पर 261 रन बना लिए थे। टीम के लिए राहुल सिंह ने 66 रनोकी अर्धशतकीय पारी खेली। राजस्थान के गेंदबाज़ अजय सिंह कुकना 88 / 3 , अराफात खान 28 / 1 व दीपक चाहर 53 / 1 विकेट प्राप्त किये।

जयपुर जिला किकेट संघ, अण्डर 14 की ट्रायल 12 को

जयुपर जिला किकेट संघ द्वारा जयपुर जिले की अण्डर 14 की चैलेन्जर ट्रॉफी के लिए चयन ट्रायल दिनांक 12 नवम्बर को प्रात: 9 बजे के. एल. सैनी स्टेडियम पर ट्रॉयल आयोजित की जाऐगी। ट्रायल में केवल जयपुर जिले के ही खिलाडी भाग ले सकते है। जो खिलाडी ट्रायल देना चाहते है उनकी जन्म तिथि 01 सितम्बर 2010 से 31 अगस्त 2012 तक होनी चाहिए। ट्रायल देने वाले खिलाडी अपना रजिस्ट्रेशन के. एल. सैनी स्टेडियम पर दिनांक 07 व 08 नवम्बर को करा लेवें। खिलाडी अपने साथ निम्न लिखित दस्तावेज अवश्य साथ लाये। कम्प्युटर से बना हुआ जन्म प्रमाण पत्र,पिछले, साल की स्कुल की मार्कशीट, स्वयं, माता व पिता का आधार कार्ड, मूल निवास प्रमाण पत्र जरूर लाये।

2036 ओलंपिक की मेजबानी की प्रतिबद्धता दृढ़ः उषा

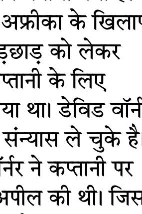

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि इस खेल संगठन में कार्यकारी परिषद के सदस्यों के साथ विवाद और 'आंतरिक चुनौतियों' के बावजूद 2036 ओलंपिक की मेजबानी की उनकी प्रतिबद्धता 'अटल' है। उषा आईओए सीईओ के रूप में रघुराम अय्यर की नियुक्ति के मामले में कार्यकारी परिषद के 12 सदस्यों के साथ विवाद में उलझी हुई हैं। उषा ने कहा, ''आईओए के भीतर कुछ आंतरिक चुनौतियों के बावजूद, 2036 ग्रीष्मकालीन खेलों की मेजबानी के लिए हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ बनी हुई है। आईओए आईओसी के साथ लगातार संपर्क में है और मुझे आशा है कि भारत को एक उदार मेजबान के रूप में देखा जाएगा।'' भारत ने 2036 में होने वाले ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी करने की दिशा में पहला बड़ा कदम उठाते हुए देश की इच्छा व्यक्त करने से संबंधित आशय पत्र अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को सौंप दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल सबसे पहले 2036 ओलंपिक की मेजबानी की अपनी सरकार की आकांक्षा के बारे में बात की थी। उषा ने कहा, ''हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल आईओसी सत्र के दौरान 2036 में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक और पैरालंपिक की मेजबानी के लिए भारत के दृष्टिकोण को सामने रखा था। तब से हमने आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक और भविष्य के मेजबान आयोग के अधिकारियों के साथ नियमित संचार बनाए रखा है।'' उन्होंने कहा, ''हम पेरिस ओलंपिक के दौरान आईओसी के साथ एक सार्थक चर्चा में भी लगे हुए थे। हमारे अधिकारियों ने पेरिस ओलंपिक के दौरान आईओसी द्वारा आयोजित कार्यकारी कार्यक्रम और पर्यवेक्षक कार्यक्रम में भाग लिया था।'' उन्होंने कहा, ''इन बातचीत और सीख को अपनाते हुए भारत ने इस साल अक्टूबर की शुरुआत में 2036 खेलों की मेजबानी के लिए आशय पत्र प्रस्तुत किया।

26वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता

जयपुर, 6 नवम्बर । यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 26वीं नवीन नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज हुकम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड, हाथोज पर खेले गये क्वार्टर फाईनल मैच में राहुल तोमर 88 रन (40 गेंद 6 चौके 7 छक्के) जैनी सिंह 57 रन (38 गेंद 5 चौके 3 छक्के) की शानदार पारीयो व चिराग शर्मा ने 45 रन पर 4 विकेट तथा आशीष रावल 49 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत एन.बी. क्रिकेट एकेडमी ने कृष्णा क्रिकेट एकेडमी को 128 रन से हराकर सेमी फाईनल में प्रवेश किया। जहां उसका मुकाबला 8 नवम्बर 2024 को होने वाले अरावली क्रिकेट एकेडमी व राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी के मध्य होने वाले अन्तिम क्वार्टर फाईनल के विजेता से होगा।

टॉस जीतकर एन.बी. क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए राहुल तोमर 88 रन, जैनी सिंह 57 रन, तनमय तिवारी 48 रन, नकुल गांधी 38 रन, चिराग शर्मा 20 रन तथा विष्णु जांगिड़ की पारियों की मदद से 35 ओवर में 9 विकेट खोकर 304 रनों का शानदार स्कोर खड़ा कर लिया। गेंदबाजी में कृष्णा एकेडमी की ओर से रिषभ मोदी 51 रन पर 3 विकेट, भंवर 59 रन पर 2 विकेट, रद्युल शर्मा 58 रन पर 2 विकेट तथा प्रखर शर्मा व देवांश सिंह 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें।

जबावी पारी में कृष्णा क्रिकेट एकेडमी के मोहित प्रजापति 51 रन, देवांश सिंह 34 रन, रिषभ मोदी 21 रन, राहुल शर्मा 19 रन को छोड़कर शेष बल्लेबाज एन.बी. क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों चिराग शर्मा 45 रन पर 4 विकेट, आशीष रावल 49 रन देकर 3 विकेट की शानदारी गेंदबाजी के समक्ष नही टिक सके और तेजी से रन बनाने के प्रयास में अपने विकेट जल्दी जल्दी गंवा दिये और पूरी टीम 25.2 ओवर में 176 रन पर सिमट गई। एन.बी. एकेडमी की ओर से प्यार सिंह, उत्कर्ष सैनी व राहुल तोमर प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर अन्य सफल गेंदबाज रहें।

इस मैच का मैन ऑफ द मैच एन.बी. क्रिकेट एकेडमी के राहुल तोमर रहे जिन्होने 88 रन व 1 विकेट लिया। एन.बी. क्रिकेट एकेडमी 304 रन 9 विकेट खोकर 35 ओवर में। कृष्णा क्रिकेट एकेडमी 176 रन ऑल आउट 25.2 ओवर में।

राजस्थान की नेहल सिसोदिया का धमाका

// अन्डर-15 एवं अन्डर-17 नेशनल रैंकिंग बैडमिन्टन //

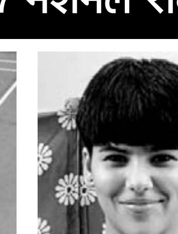

जयपुर, 6 नवम्बर। राजस्थान की नेहल सिसोदिया ने अन्डर-15 एवं अन्डर-17 नेषनल रैंकिंग बैडमिन्टन प्रतियोगिता के क्वालिफाइंग राउण्ड में बुधवार को धमाका किया। लड़कियों के अन्डर-15 मुकाबलों में उदयपुर की नेहल सिसोदिया ने गुजरात की छठी वरियता प्राप्त तनिषा चौरसिया पर तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबलों में 11-15, 15-10, 15-10 से जीत दर्ज की। इसी आयु वर्ग के लड़कों के मुकाबलो में मानस परवाल ने हरियाणा के वेदस को 15-6, 15-13 से, हर्ष स्वामी ने असम के आदी बोरा को 15-10, 15-13 से, सागर टेकचन्दानी ने तेलंगाना के विष्णु रेड्डी को 18-16, 15-9 से, श्रेयांष चौधरी ने कर्नाटक के चिराग प्रकाष को 9-15, 15-10, 15-9 से, आनन्द मदेरणा ने महाराष्ट्र के हरिदान को 15-6, 12-15, 15-13 से, दिव्यांष तोमर ने तमिलनाडु के बालू गोतम को 15-13, 15-5 से तथा तपेष्वर पूनिया ने चंडीगढ के तेजस देवासी को 15-12, 15-2 से पराजित किया। लड़कियों के मुकाबलों में जोषिका प्रजापति ने हरियाणा की तनिषा खुराना को 15-12, 15-9 से और देषना जैन ने हरियाणा की चाहक सहगल 15-3, 15-8 से षिकस्त दी।

लड़को के अन्डर-17 मिश्रित युगल के मैचो में राजस्थान के सहज साहरण और याषिका साहरण ने तमिलनाडु के मोनिष राजराम और विवेका विनोद को 15-8, 15-10 से पराजित किया। इसी आयु वर्ग के लड़को के तीसरे दौर के एकल में राजस्थान के जयवर्धन सिंह ने हरियाणा के कार्तिकेया वस्वानी को 15-9, 15-7 से, यष सोनी ने उत्तर प्रदेष के आषुतोष कुमार को 15-4, 15-7 से, सोनू मीणा ने तमिलनाडु के हषवंत को 15-10, 12-15, 15-9 से, दिव्यांष तोमर ने दिल्ली के खुष देषवाल को 15-5, 11-15, 15-6 से, अहान गुप्ता ने हरियाणा के आरूष गुप्ता को 15-7, 15-8 से संयम कोठारी ने दिल्ली के मानिक को 15-10, 15-7 से निधिष ने तेलंगाना के गौरांष गुप्ता को 15-8, 15-11 से, वेदान्त जोषी ने कर्नाटक के अर्नव अनिल कुमार को 15-12, 15-13 से, हर्ष स्वामी ने अर्थव गंभीर को 15-4, 9-15, 15-9 से, रूद्राक्ष कासनिया ने उत्तर प्रदेष के आरव शर्मा को 15-9, 15-10 से, सचिन चौधरी ने तेलंगाना के विजय भ्रमित को 15-11, 15-10 से, सात्विक अग्रवाल ने दिल्ली के त्रिलोचन सिंह को 15-3, 15-6 से, रमनीक सिंह गिल ने तमिलनाडू के साई कार्तिक को 15-12, 15-12 से, लोकेष गुर्जर ने रूद्राक्ष को 15-3, 15-4 से, हर्ष कन्डपाल ने महाराष्ट्र के रफील को 15-11, 13-15, 15-7 से पराजित किया। गुरूवार को 316 मुकाबले सुबह 9 बजे से शुरू होंगे।

एक लाख महिलाओं को बनायेंगे लखपति दीदी: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश वासियों के लिए बड़ी सौगातों की समीक्षा की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर जनता को दी जाने वाली सौगातों की वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में समीक्षा की।

■ राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर भवन एवं अन्य विनिर्माण से जुड़े 1.5 लाख श्रमिकों को 150 करोड़ की राशि हस्तांतरित की जायेगी। पालनहार योजना के अन्तर्गत 5 लाख बच्चों को 150 करोड़ की राशि हस्तांतरित की जायेगी।

जयपुर, 6 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ''आपणो अग्रणी राजस्थान'' की दिशा में निरंतर बढ़ते हुए अपनी पहली वर्षगांठ पर प्रदेशवासियों को कई सौगातें देकर उनका सशक्तीकरण करेगी। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा नवाचार एवं कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं, महिलाओं, किसानों एवं मजदूरों सहित विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए दूरगामी कार्य किए जाएंगे।

शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में कहा कि दिसम्बर माह में, वर्षगांठ के अवसर पर भवन एवं अन्य संनिर्माण से जुड़े 1.5 लाख श्रमिकों को 150 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की जाएगी। साथ ही, 2 हजार दिव्यांग जनों को स्कूटी वितरित की जाएगी और प्रत्येक जिले में कैम्प लगाकर 10 हजार नि:शक्तजनों को सहायक सामग्री व सहायता उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पालनहार योजना के अंतर्गत, लगभग 5 लाख बच्चों को 150 करोड़ रुपये की राशि भी हस्तांतरित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए राज्य सरकार अपनी पहली वर्षगांठ पर प्रदेश में 1 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाएगी। इससे महिलाओं की उद्यमशीलता बढ़ेगी और वे विकसित राजस्थान के लक्ष्य में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगी।

शर्मा ने कहा कि अन्नदाताओं के समग्र विकास के लिए कृषि क्षेत्र में डिजिटल प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने की दिशा में वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर राजस्व विभाग द्वारा 9000 पटवारियों को टैबलेट वितरित किए जाएंगे।

इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, प्रमुख सचिव राजस्व दिनेश कुमार सहित, संबंधित विभागों के शासन सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राहुल गाँधी ने महाराष्ट्र चुनाव में संविधान को मुद्दा बनाया

नागपुर, 6 नवम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपना नैरेटिव लेकर महाराष्ट्र के मैदान में उतर आए हैं। राहुल लोकसभा चुनाव वाला ही नैरेटिव विधानसभा चुनाव में चलाना चाहते हैं इसीलिए उन्होंने महाराष्ट्र में अपने कैम्पेन की शुरुआत नागपुर से की। वो सबसे पहले दीक्षाभूमि पहुंचे जहां बाबा साहेब अंबेडकर ने बौद्ध धर्म अपनाया था। यहां राहुल गांधी ने अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वो संविधान सम्मान सम्मेलन को संबोधित करने पहुंचे। राहुल गांधी ने कहा कि देश में जाति आधारित जनगणना जरूर होगी और इस प्रक्रिया से दलितों, अन्य पिछड़ा वर्गों और आदिवासियों के साथ हो रहे अन्याय का पता चलेगा।

■ उन्होंने कहा कि जाति जनगणना से दलितों, ओ.बी.सी. व आदिवासियों के साथ अन्याय का पता चलेगा

नागपुर में संविधान सम्मान सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, ''जाति जनगणना से सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। हर किसी को पता चल जाएगा कि उनके पास कितनी ताकत है और उनकी भूमिका क्या है।'' गांधी ने कहा, ''हम 50 प्रतिशत (आरक्षण सीमा) की दीवार भी तोड़ देंगे।''

नीट-यूजी 2024 परीक्षा दुबारा नहीं होगी

सुप्रीम कोर्ट के तीन न्यायाधीशों की पीठ ने समीक्षा याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2 अगस्त के फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने नए सिरे से नीट-यूजी 2024 परीक्षा की अनुमति देने से इन्कार कर दिया था। शीर्ष अदालत ने मामले पर खुली अदालत में सुनवाई के अनुरोध को भी ठुकरा दिया। यह याचिका काजल कुमारी ने दायर की थी। कोर्ट के आदेश से स्पष्ट हो गया है कि इसकी परीक्षा दोबारा नहीं होगी।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाय चंद्रचूड़ और जस्टिस जे बी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि उसके फैसले में कोई त्रुटि नहीं है। रिकॉर्ड को देखते हुए कोई त्रुटि स्पष्ट नहीं है। सुप्रीम कोर्ट रूल्स 2013 के आदेश के तहत समीक्षा के लिए कोई मामला स्थापित नहीं हुआ है। इसलिए, समीक्षा याचिका खारिज की जाती है।

■ सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कुछ विशेष सेंटरों पर लीकेज की बात सामने आई है, इसके लिए पूरे देश की परीक्षा रद्द करना व्यवहारिक नहीं है।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने नीट-यूजी 2004 परीक्षा दोबारा कराने से इन्कार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा था, कुछ विशेष सेंटर पर ही लीकेज की बात सामने आई थी इसलिए पूरे देश की परीक्षा रद्द करना व्यावहारिक नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि पेपर लीकेज पूरे देश में नहीं था सिर्फ दो जगहों तक ही सीमित था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर पुनर्विचार की मांग की गई थी। 2 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह नीट-यूजी 2024 को फिर से आयोजित करने का आदेश नहीं दे सकता क्योंकि उसके रिकॉर्ड में कोई पर्याप्त सामग्री नहीं है जो प्रणालीगत लीक या धांधली का संकेत देती हो।

राहुल के ''अतिवाद'' ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर रहे हैं जो कांग्रेस का ठोस वोट-बैंक हैं तथा देश के जन मत-निर्माता (ओपिनियन मेकर्स) भी हैं।

पार्टी नेताओं का दृढ़तापूर्वक कहना है कि राहुल गांधी को एक ऐसा बीच का रास्ता तलाश करने की जरूरत है, ताकि वे अपने राजनैतिक विचारों की विसंगतियों को ठीक कर सकें, जो कांग्रेस पार्टी को नुकसान पहुँचा रही हैं।

लेकिन राहुल न तो एक परिपक्व और पक्के राजनेता है और न ऐसे मँजे हुये कलाकार है, जो मौके के अनुसार, अपने शब्दों का चालाकी से गोलमोल इस्तेमाल करते हुये, कलाकारी से, नाटकीयता से काम ले सकें।

सूत्रों का कहना है कि पार्टी, गरीबों, दलितों तथा पिछड़ों के प्रति उनकी चिन्ताओं को पसन्द तो करती है, उनकी कद्र भी करती है, लेकिन उनकी यह चिन्ता कांग्रेस को चुनाव जीतने में सदैव मदद नहीं कर सकती।

उदाहरणार्थ, हरियाणा में पूरा दलित समाज कांग्रेस को छोड़कर चला गया, जबकि राहुल उनकी खातिर, उनके भले के लिये एक मशाल उठाये हुये थे।

2024 के लोकसभा चुनावों में, संविधान के मुद्दे तथा ओ.बी.सी., दलितों तथा अन्य पिछड़े समुदायों के प्रति सहानुभूति की भावना ने कांग्रेस की मदद की तथा इसके परिणाम स्वरूप, पार्टी 100 सीटों के डाँकड़े को स्पर्श कर गई। ये सारी सीटें भाजपा की कीमत पर आई थी, क्योंकि भाजपा बहुमत जुटाने में असफल रही थी। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि राहुल को लोगों की कुछ धारणाओं को बदलने के लिये बहुत कुछ करने की तथा अपने बयानों और भाषणों में एक वाक्पटुतापूर्ण संतुलन बनाने की जरूरत है।

मोदी ने ट्रम्प ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री ने ट्रंप का आव्हान करते हुए कहा,'' आइए, मिलकर अपने लोगों की भलाई के लिए और वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए काम करें।'' उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव की मतगणना में ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी ने करीब करीब बहुमत हासिल कर लिया है। ट्रंप बहुमत के लिए आवश्यक 270 सीटों की तुलना में 267 सीटों पर जीत हासिल कर चुके हैं और कम से कम 10 अन्य सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं।

उदयपुर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार के नीचे से बैठे श्वान को घसीटकर ले जाने लगा। घायल श्वान की आवाज सुनकर आसपास के अन्य श्वान वहां पर पहुंच गए और भौंकने लगे, इस पर तेंदुए को अपनी जान अचाकर मौके से भागना पड़ा और शिकार करने में सफल नहीं हो पाया। यह पूरी घटना चौक के एक मकान में लगे सी.सी.टी.वी. कैमरे में कैद हो गई। तेंदुए ने आबादी क्षेत्र में, जहां यह हमला किया, वहां चारों तरफ घर हैं। हमले के बाद से आसपास के लोगों में दहशत का माहौल पैदा हो गया है।

बताया जा रहा है कि घटना स्थल से करीब डेढ़ किमी दूर सज्जनगढ़ अभयारण्य है, जहां लैपर्ड का मूवमेंट रहता है। इधर, घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग ने बुधवार को दो पिंजरे रखवा दिए हैं, ताकि दुबारा इस इलाके में प्रवेश करने पर तेंदुए को रेस्क्यू किया जा सके।

'बिना पूर्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्य न्यायाधीश ने आज कहा कि इस मामले में ध्वस्तीकरण बिना किसी सूचना के किया गया।

उन्होंने कहा, ''यह तो स्पष्ट है कि यह ध्वस्तीकरण निरंकुशतापूर्ण था तथा यह कानून की सत्ता की अवहेलना थी। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह ध्वस्तीकरण केवल इसलिये किया गया, क्योंकि याचिकाकर्ता ने सड़क-निर्माण में हुई अनियमितताओं की रिपोर्ट एक अखबार में प्रकाशनार्थ भेज दी थी। राज्य सरकार की ऐसी कार्यवाही का समर्थन या अनुमोदन नहीं किया जा सकता तथा निजी सम्पत्ति के मामले में तो कानून का पालन होना ही चाहिये।''

'झारखंड में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताती है कि तीसरा बिन्दु ''साम्प्रदायिक आधार पर बाँटने वाली सामग्री'' से सम्बन्धित है, जिसमें हिन्दू और मुस्लिमों को आपस में लड़ाने की कोशिश की गई है। इस प्रकार के एक वीडियो में दिखाया गया है कि हरे रंग के कपड़े पहने मुस्लिमों का एक ग्रुप तलवारें लहराते हुये, भगवा कपड़े पहने एक हिन्दू पुरूष का पीछा कर रहे हैं। इस वीडियों के अन्त में यह कैप्शन आता है- ''बँटेंगे तो कटेंगे। संगठित रहेंगे, सुरक्षित रहेंगे''। चौथे बिन्दु में उन खतरों की बात की गई है, जो इस क्षेत्र में घुसपैठियों के आने से पैदा होने वाले हैं।

यद्यपि झारखंड भाजपा इकाई इन शैडो अकाउन्ट्स द्वारा किये जा रहे खर्च से तीन गुने से ज्यादा खर्च कर रही है तथा इन अकाउन्ट्स से तीन गुने ज्यादा विज्ञापन दे रही है, लेकिन इनका प्रभाव बहुत कम हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है- ''भाजपा की झारखंड इकाई विज्ञापन पर एक रूपया खर्च कर रही है तथा शैडो नैटवर्क भी एक रूपया ही खर्च कर रहा है, लेकिन शैडो नैटवर्क की पोस्टों को पार्टी के विज्ञापन की तुलना में चार गुना से ज्यादा लोग देखते हैं।'' रिपोर्ट आगे कहती है-''एक समान धनराशि में, शेडो पेज ज्यादा सामग्री दे रहे हैं और वह ज्यादा लोगों तक पहुँच रही है। यह चीज राजनैतिक विज्ञापनों एवं प्रचार के मामले में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की रणनीतियों के बारे में गम्भीर प्रश्न उठा रही है।

दिल्ली में यमुना किनारे छठ पूजा की अनुमति नहीं

यमुना का पानी प्रदूषित होने के कारण एक हजार जगह छठ पूजा का इंतजाम किया गया है

नई दिल्ली, 6 नवम्बर। दिल्ली हाईकोर्ट ने यमुना तटों में छठ पूजा मनाने की परमिशन देने से इन्कार कर दिया है। कोर्ट ने बुधवार को कहा कि नदी का पानी बहुत प्रदूषित है। इसमें पर्व मनाने से लोगों की सेहत बिगड़ सकती है। चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच ने कहा कि दिल्ली में 1000 जगहों पर छठ मनाने के इंतजाम किए गए हैं, वहां जाकर लोग पर्व मना सकते हैं।

याचिका पूर्वांचल नव निर्माण संस्थान ने दायर की थी। इसमें दिल्ली डिज़ास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के, 29 अक्टूबर 2021 के एक नोटिफिकेशन को चुनौती दी गई थी। इस नोटिफिकेशन में यमुना किनारे उत्सव स्थल बनाने पर बैन लगा दिया गया था।

याचिकाकर्ता ने कहा कि बैन कोविड-19 के दौरान लगाया गया था। मगर कोर्ट ने प्रदूषित नदी का हवाला देते हुए कहा कि छठ पूजा के लिए लोग यमुना के जहरीले पानी में न जाएं, इसलिए यह बैन लगाया गया है।

■ दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि प्रदूषित नदी के पानी में पर्व मनाने से बड़ी संख्या में लोगों की तबीयत खराब हो सकती है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा है कि यमुना में डुबकी लगाने से लोगों की तबियत खराब हुई है। यहां तक कि उन्हें अस्पताल में भी भर्ती करवाना पड़ गया है। ऐसे में इस याचिका पर किसी भी तरह का आदेश देने से लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

कोर्ट ने यमुना के बढ़ते प्रदूषण पर भी चिंता जताई और कहा- हम नदी में सीवेज छोड़ना जारी नहीं रख सकते। यह इंडस्ट्रियल सीवेज नहीं है, ह्यूमन सीवेज है। नदी के किनारे अवैध कालोनियां बनाई गई हैं। इनका अनट्रीटेड सीवेज नदी में जा रहा है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने कहा कि नदी में मौजूद प्रदूषण को हटाया भी जा सकता है। इस पर कोर्ट ने कहा कि यह काम रातोंरात संभव नहीं है।

ट्रम्प की वापसी भारतीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को या तो नया बाजार ढूंढना होगा और फिर अमेरिका के सामान पर जवाबी कर लगाना होगा या फिर समझौता करना पड़ेगा।

श्रीवास्तव ने आगे कहा कि ट्रम्प ने आउटसोर्सिंग पर चिंता जताई थी हालांकि उनकी कुछ बातें चुनाव से जुड़ी हैं पर भारत को उन कदमों के लिए तैयार रहना होगा जो आई.टी. निर्यात को प्रभावित कर सकते हैं। एच-वन बी वीज़ा, जो कि आई. टी. प्रोफेशनल्स के अमेरिका जाने पर रोक लगा सकता है। ट्रम्प की कठोर इमिग्रेशन नीति भारतीय आई.टी. कंपनियों को भारी पड़ सकती है।

दूसरी ओर ट्रम्प लेबर व पर्यावरण स्टैंडर्ड में सुधार कर सकते हैं जिससे भारतीय निर्यात को फायदा होगा। ट्रम्प भारत पर अमेरिका के साथ ज्यादा निकट सम्बंध का दबाव डाल सकते हैं। राजनैतिक लक्ष्य और इलैक्ट्रॉनिक्स एवं दवा के क्षेत्र में सप्लायर के रूप में भारत की भूमिका विस्तार हो सकता है पर इससे भारत की विदेश नीति की फ्लैक्सिबिलिटी सीमित हो जाएगी। इसके अलावा अमेरिकन कंपनियों के लिए भारत एक प्रमुख आर्कषण है खासकर प्रोफेशनल्स सर्विस, निर्माण व आई.टी. क्षेत्र में। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा इन्वैस्टर है अप्रैल 2000 से जून 2024 तक अमेरिका भारत में 66.7 अरब डॉलर का निवेश कर चुका है और भारत से अमेरिका को भारी इन्कम होती है सिर्फ व्यापार से हो नहीं बल्कि गूगल, फेसबुक एवं एमेजॉन के जरिए भी।

घड़ी चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव चिन्ह इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी और कहा था कि अजीत गुट सार्वजनिक रूप से घोषणा करेगा कि घड़ी चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल सिर्फ लोकसभा चुनाव में होगा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इसका इस्तेमाल अदालत में विचाराधीन है।

एन. सी. पी. में विभाजन के बाद चुनाव आयोग ने विधानसभा में संख्या बल के आधार पर अजीत गुट को असली एन. सी. पी. स्टार देकर चुनाव चिन्ह दे दिया था।

शरद पवार गुट को नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी-शरद चंद्र पवार नाम दिया था और ''तुरही बजाता व्यक्ति'' चुनाव चिन्ह दिया था।

'बुद्धिजीवियों का राजनीतिक सोच...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बार हाईलाइट करने से लोग आर्थिक अनिश्चितता की बात पर यकीन करने लगे। आर्थिक समस्याओं को लोगों के दिमाग में जोर-शोर से बिठा दिया गया, जिस पर लोग विश्वास करने लगे।

इससे वो कहावत सत्य साबित होती है कि सबसे बड़े झूठ को भी यदि बार-बार दोहराया जाए तो लोग उसे सच मानने लगेंगे। डॉनल्ड ट्रम्प ने इस आइडिया का पूर्ण रूप से फायदा उठाया है, क्योंकि उन्होंने चुनाव अभियान के दौरान अपने अनेक असत्यों को अनेकों बार दोहराया।

इसी तरह, डॉनल्ड ट्रम्प ने औसत श्वेत अमेरिकी नागरिक के इस डर का लाभ उठाया कि अनियंत्रित इमिग्रेशन (अप्रवासन) आबादी के संतुलन पर दबाव बना रहा है। उदाहरण के लिए, ट्रम्प ने एक प्रचार बैठक में कहा था कि लैटिन अमेरिकन देशों के अप्रवासी लोग उनके (अमरीकियों के) पालतू जानवरों को खा रहे हैं। इसके तुरंत बाद भारी हंगामा शुरू हो गया था तथा पाया गया कि यह आरोप पूर्णतया असत्य था।

■ कमला हैरिस की, मध्यम वर्ग के आम अमेरिकी का प्रतिनिधि बनने की कोशिश भी आम अमेरिकी को फर्जी लगी तथा डैमोक्रेटिक पार्टी के वफादार मतदाता, अश्वेत व विदेशी मूल के लोगों को निराश किया, और वे भी विमुख हो गये।

परंतु अमेरिका के दक्षिण से लगातार अप्रवासियों का आना एक सच्चाई थी तथा सीमा से लगे कुछ शहरों में आबादी की संरचना बदल रही थी। जाहिर है कि इमिग्रेशन मुद्दे को लेकर डैमोक्रैटिक पार्टी का अधिक मानवीय दृष्टिकोण आम आदमी को रास नहीं आया। ये मुद्दे इमिग्रेशन या अर्थव्यवस्था या गर्भपात का अधिकार अमेरिकी उदारवादी व्यवस्था के मुख्य सिद्धांतों के विरुद्ध थे, जिनका प्रतिनिधित्व वहाँ का अभिजात्य वर्ग और बुद्धिजीवी करते हैं। अमेरिकी मतदाताओं का यह अमीर व समृद्ध वर्ग उम्मीद कर रहा था कि अमेरिका की राजनीति में कमला हैरिस उनके उदारवादी मूल्यों को आगे बढ़ाएंगी।

अपने आप को ''मिडिल क्लास'' (मध्यम वर्ग) तथा ''कलर्ड'' के रूप में दर्शाने के कमला हैरिस के प्रयासों ने इन उपरोक्त वर्गों के लोगों को प्रभावित नहीं किया, क्योंकि इस बार अश्वेत मतदाता हैरिस के साथ नहीं थे। इस बार अश्वेत मतदाताओं ने ट्रम्प का साथ दिया।

इसी के साथ, यह स्वीकार करना होगा कि कमला हैरिस ने दबंग डॉनल्ड ट्रम्प के विरुद्ध बहुत बहादुरी का प्रदर्शन किया। वो ट्रम्प, जिन्होंने सत्य और नैतिक मूल्यों में जरा भी विश्वास नहीं दिखाया। हैरिस को लगभग आधे लोकप्रिय वोट मिले, हालांकि, इलैक्टोरल कॉलेज के चरण में ये ट्रम्प के पक्ष में चले गए।

दूसरा, हैरिस के पास एक जबरदस्त प्रतिद्वंदी से लड़ने के लिए समय बहुत कम था। बाइडन चुनाव मैदान से बड़ी देर से बाहर हुए, तब तक वो डैमोक्रैटिक पार्टी के अभियान को काफी नुकसान पहुँचा चुके थे।

इन चुनाव परिणामों से एक और चौंकाने वाला उदाहरण सामने आया है कि बुद्धिजीवियों द्वारा किया गया, वास्तविकता व राजनीति का आकलन आम आदमी के आकलन से मेल नहीं खाता है। इससे यह बात भी लगभग साबित होती है कि ''पॉपुलर वोट'' परिणाम लगभग हमेशा ही बुद्धिजीवियों और अभिजात्य वर्ग के विरोध में जाते हैं। सर्वोच्च स्तर के अमेरिकी मीडिया तथा लगभग समस्त पश्चिमी जगत ने एक समान रूप से ट्रम्प का विरोध तथा हैरिस का समर्थन किया था। लेकिन जनता के मन में कुछ और ही था।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908